शर्मा हार्डওয়্যার
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 115 | गुवाहाटी | रविवार, 24 नवंबर, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

कांग्रेस मुख्यालय पर छाया सन्नाटा, वरिष्ठ नेताओं के कमरे वीरान, झारखंड... पेज 2
एक ही परिवार के तीन लोगों की हत्या, हत्यारे ने की आत्महत्या पेज 3
भारत को विश्व की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने पर हो रहा काम : राव नरबीर सिंह पेज 5
दूसरी पारी में भारत की मजबूत शुरूआत, यशस्वी-राहुल ने लगाया अर्धशतक... पेज 7

महाराष्ट्र में भाजपा गठबंधन की प्रचंड जीत

25 तक बन सकती है सरकार

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजों ने यह साफ कर दिया है कि प्रदेश में फिर एक बार महायुति की सरकार बनने जा रही है। महायुति की आंधी के आगे महाविकास अघाड़ी कहीं नहीं टिकी और 288 में सिर्फ 55 सीटें ही जुटा पाई। महायुति को 235 सीटें मिली हैं। गठबंधन की इस बड़ी जीत पर सीएम एकनाथ शिंदे ने तमाम मतदाताओं का धन्यवाद किया है। वहीं दूसरी ओर देवेंद्र फडणवीस ने सीएम फेस पर अभी कुछ बी बोलने से मना कर दिया है। महाविकास अघाड़ी की ओर से उद्धव कि शिवसेना से सांसद संजय राउत नतीजों से खुश नहीं दिखे। उन्होंने इसपर सवाल उठाया है। उधर महाराष्ट्र में एनडीए की भारी जीत पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बधाई दी है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि विकास और सुशासन की जीत हुई। मोदी ने एक्स पर लिखा कि एकजुट होकर हम और भी ऊंची उड़ान भरेंगे! उन्होंने कहा कि एनडीए को ऐतिहासिक जनादेश देने के लिए महाराष्ट्र की मेरी बहनों और भाइयों, विशेषकर राज्य के युवाओं और महिलाओं को हार्दिक आभार। यह स्नेह और गर्मजोशी अद्वितीय है। मैं लोगों को आश्वस्त करता हूं कि हमारा गठबंधन महाराष्ट्र की प्रगति के लिए काम करता रहेगा। जय महाराष्ट्र! मोदी ने आगे लिखा कि एनडीए के जन-समर्थक प्रयास सर्वत्र गूंज रहे हैं! मैं विभिन्न उप-चुनावों में एनडीए उम्मीदवारों को आशीर्वाद देने के लिए विभिन्न राज्यों के लोगों को धन्यवाद देता हूं। -शेष पृष्ठ दो पर

महाराष्ट्र में सुशासन की जीत और विभाजनकारी ताकतों की हार हुई : पीएम

नई दिल्ली। महाराष्ट्र की 288 सदस्यीय विधानसभा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की भारी जीत के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार शाम भाजपा मुख्यालय पहुंचे। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने कहा कि आज महाविजय का उत्सव है। महाराष्ट्र में सुशासन की जीत हुई है और विभाजनकारी नीतियों की हार हुई है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र ने विकसित भारत के संकल्प को मजबूत किया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज देश के अनेक राज्यों में उपचुनावों के भी नतीजे आए हैं और लोकसभा की हमारी एक सीट और बढ़ गई है। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और राजस्थान ने भाजपा का जमकर समर्थन दिया है। असम के लोगों ने भाजपा पर एक बार फिर भरोसा जताया है। मध्य प्रदेश में भी हमें सफलता मिली है। बिहार में भी एनडीए का समर्थन बढ़ा है। यह दिखाता है कि देश अब सिर्फ और सिर्फ विकास चाहता है। उन्होंने कहा -शेष पृष्ठ दो पर

उपचुनाव की खबरें

असम में पांचों सीटों पर एनडीए ने लहराया परचम

गुवाहाटी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और उसके सहयोगियों ने असम में हुए सभी पांच विधानसभा में शानदार जीत दर्ज की। शनिवार को मतगणना पूरी हुई, जिसमें भाजपा और उसके गठबंधन के उम्मीदवारों ने बड़े अंतर से जीत हासिल की। सामागुड़ी में ऐतिहासिक जीत दर्ज करते हुए, भाजपा ने कांग्रेस के गढ़ में सेंधमारी की। जीत से पार्टी के नेतृत्व में खुशी की लहर दौड़ गई। असम में पांचों विधानसभा -शेष पृष्ठ दो पर

कोलकाता में सभी छह सीटों पर टीएमसी की जीत

कोलकाता। महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनाव के साथ पश्चिम बंगाल, पंजाब, उत्तर प्रदेश समेत 13 राज्यों में उपचुनाव के नतीजे भी आज जारी हुए। पश्चिम बंगाल की छह सीटों पर हुए उपचुनाव में टीएमसी ने तीन सीटों पर जीत दर्ज की है। इसी के साथ अन्य तीन सीटों पर भी बढ़त बनाए हुए है। उपचुनाव में जीत हासिल करने के बाद मुख्यमंत्री और टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी ने शनिवार को राज्य के लोगों का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि उपचुनाव के नतीजों से उन्हें लोगों के लिए काम करने में मदद -शेष पृष्ठ दो पर

यूपी के नौ में सात में भाजपा ने मारी बाजी

लखनऊ (हि.स.)। उत्तर प्रदेश में विधानसभा की नौ सीटों के उपचुनाव में भाजपा-नीत राजग ने सात सीटें जीती हैं। इसमें से छह पर भारतीय जनता पार्टी और एक सीट पर राजग के घटक दल रालोद ने जीत हासिल की। वहीं भारतीय जनता पार्टी ने समाजवादी पार्टी के हिस्से की कुंदरकी और कटेहरी सीट भी जीत ली। इन दोनों सीटों पर नया इतिहास लिखा गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भाजपा व रालोद प्रत्याशी के पक्ष में पांच दिन में 15 चुनावी कार्यक्रम किए थे। योगी ने फूलपुर, मझवा, खैर व कटेहरी में दो-दो रैली -शेष पृष्ठ दो पर

जीत के बाद प्रियंका ने वायनाड की जनता का जताया आभार

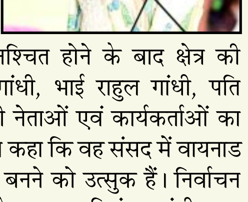

वायनाड। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने केरल के वायनाड लोकसभा सीट के उपचुनाव में शनिवार को अपनी जीत सुनिश्चित होने के बाद क्षेत्र की जनता, मां सोनिया गांधी, भाई राहुल गांधी, पति रॉबर्ट वाड्रा तथा साथी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं का आभार जताया। उन्होंने कहा कि वह संसद में वायनाड के लोगों की आवाज बनने को उत्सुक हैं। निर्वाचन आयोग के आंकड़ों के अनुसार प्रियंका गांधी वाड्रा शाम चार बजे तक 410931 मतों से अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी पर निर्णायक -शेष पृष्ठ दो पर

बिहार की चार सीटों पर राजग की जीत

पटना (हि.स.)। बिहार विधानसभा की चार सीटों पर हुए उपचुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की जीत हुई है। इसके बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के घर पर गठबंधन दल के नेताओं का आने का सिलसिला शुरू हो गया है। सबसे पहले भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल और डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी मुख्यमंत्री आवास पहुंचे हैं। लोजपा (आर) के भी कई नेताओं का सीएम आवास में आना हुआ है। इन नेताओं में संजय झा और मनीष -शेष पृष्ठ दो पर

Doorgraph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

झारखंड में हेमंत दोबारा नारा सब पर पड़ा भारी, इंडी गठबंधन को मिला पूर्ण बहुमत

रांची (हि.स.)। झारखंड में इस बार *हेमंत दोबारा* नारा सब पर भारी पड़ा। यहां के मतदाताओं ने इसे सच साबित कर दिया है। हेमंत सोरेन ने झारखंडवासियों को उनके वनाधिकार, जमीन की सुरक्षा और आदिवासी अधिकारों जैसे मुद्दों पर लगातार उनको भरोसा दिलाया और उसी का नतीजा रहा कि झारखंड में एक बार फिर से हेमंत सोरेन की सरकार बननी तय है। इस बार के चुनाव में हेमंत सरकार की मईयां सम्मान योजना ने इंडी गठबंधन के लिए मास्टर स्ट्रोक साबित हुआ है, जिसकी वजह से एक बार फिर झारखंड में हेमंत सोरेन ने बाजी मार ली है। ऐसा पहली बार हुआ है कि झारखंड में किसी की सरकार रिपीट हुई है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेने ने चुनाव परिणाम के बाद अपने पहले संदेश में *एक्स* पर लिखा है कि *झारखंड जीत गया है*। झारखंड की 81 सीटों में से 71 सीटों पर परिणाम घोषित किए जा चुके हैं। अभी तक के आंकड़ों के अनुसार, झारखंड में इंडी गठबंधन 54 सीटों पर चुनाव जीत चुकी है -शेष पृष्ठ दो पर

सभी सीटों पर जीत दिलाने के लिए मुख्यमंत्री ने जताया आभार

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने विधानसभा उपचुनावों में असम की सभी पांच सीटों पर एनडीए उम्मीदवारों को जिताने के लिए राज्य की जनता का आभार व्यक्त किया है। शनिवार को सोशल मीडिया के जरिए मुख्यमंत्री ने कहा कि हम असम के लोगों के प्रति आभार व्यक्त करते हैं। वर्तमान उप-चुनावों में एनडीए की सभी पांच सीटों पर हुई जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सुशासन और विकास के दृष्टिकोण के लिए हुई है। असम के अटूट समर्थन का यह एक शानदार वसीयतनामा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 25 साल तक कांग्रेस द्वारा प्रतिनिधित्व किए जाने वाले तथा 65 प्रतिशत अल्पसंख्यक आबादी वाला निर्वाचन क्षेत्र सामागुरी सीट भाजपा द्वारा जीता गया है। यह -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

इंद्रियों पर विजय का आधार विनम्रता है।

– आचार्य चाणक्य

मुख्यमंत्री के चेहरे पर विवाद नहीं साथ बैठकर फैसला करेंगे : महायुति

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार के साथ-साथ महायुति के नेताओं ने जीत का साइन दिखाया और एक-दूसरे को मिठाइयां खिलाई। महायुति गठबंधन राज्य के विधानसभा चुनाव में भारी जीत के साथ सरकार बनाने के लिए तैयार है। वहीं इस दौरान महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि हम महाराष्ट्र के सभी नागरिकों के आभारी हैं। यह प्रधानमंत्री मोदी में महाराष्ट्र के विश्वास को दर्शाता है। उन्होंने आगे कहा कि मैं बस इतना ही कहूंगा कि हम महाराष्ट्र और यहां की जनता के सामने नतमस्तक हैं। इससे -शेष पृष्ठ दो पर

कान का मैल बेचकर महिला कर रही एक्स्ट्रा इनकम, हर दिन कमाती है 9000 रुपए

नई दिल्ली। आजकल लोग अपनी अतिरिक्त कमाई के लिए विभिन्न तरीके अपनाते हैं। कई लोग फ्रीलांसिंग, ब्लॉगिंग, या छोटे-छोटे बिजनेस शुरू करते हैं, लेकिन एक महिला ने अपनी साइड हसल के लिए एक ऐसा तरीका अपनाया है, जो शायद आपको हैरान कर दे। यह महिला कान की मैल बेचकर पैसे कमा रही है। सुनने में यह अजीब जरूर लगता है, लेकिन इसके बावजूद यह तरीका उसकी अच्छी खासी कमाई का स्रोत बन चुका है। आइए जानते हैं इस अजीब साइड हसल के बारे में विस्तार से। लतीशा जोन्स एक लोकप्रिय टिक-टॉकर और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर हैं, जो कान की मैल बेचकर पैसे कमाती हैं। यह सुनने में भले ही अजीब लगे, लेकिन यह उनकी असामान्य साइड हसल है जिससे वह हर दिन लगभग 9,000 तक की अतिरिक्त कमाई कर रही हैं। लतीशा का यह तरीका थोड़ा घिनौना और अजीब जरूर है, लेकिन इसके बावजूद उन्हें इससे -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

कांग्रेस मुख्यालय पर छाया सन्नाटा, वरिष्ठ नेताओं के कमरे वीरान, झारखंड की खुशी भी पड़ी फीकी

लोकसभा चुनाव के नतीजों के दिन, चार जून को कांग्रेस मुख्यालय स्थित पार्टी महासचिव मुकुल वासनिक के कमरे में नेताओं का जमघट लगा था और एक तरह से जश्न का माहौल था, लेकिन इसके करीब छह महीनों बाद 23 नवंबर को इस कमरे में वीरानी छाई हुई थी। यह वीरानी सिर्फ एक कमरे में नहीं थी, बल्कि लगभग समूचे मुख्यालय में थी और इसकी वजह महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में पार्टी और उसके गठबंधन की करारी हार थी। पिछले कुछ चुनावों से यह देखा गया है कि नतीजों वाले दिन पार्टी के कई वरिष्ठ नेता और प्रवक्ता कांग्रेस मुख्यालय *24 अकबर रोड* स्थित वासनिक के कमरे में जमा होते हैं और वहीं पर पत्रकारों के साथ उनका संवाद भी होता है, लेकिन शनिवार को ऐसा कुछ नहीं था। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के रुझानों में कांग्रेस और महा विकास आघाडी (एमवीए) के पिछड़ने के बाद पार्टी का कोई वरिष्ठ नेता मुख्यालय नहीं पहुंचा और दोपहर 12 बजे तक तस्वीर साफ होने पर कार्यकर्ताओं-समर्थकों की बची-खुची उम्मीद भी

खत्म हो गई तथा वे भी मुख्यालय से रवाना होने लगे। कांग्रेस मुख्यालय पहुंचने वाले वाले कुछ नेताओं में पार्टी की सोशल मीडिया विभाग की प्रमुख सुप्रिया श्रीनेत शामिल थीं। कांग्रेस के दिग्गज नेता रहे दिवंगत अहमद पटेल की पुत्री मुमताज पटेल भी टेलीविजन चैनलों को प्रतिक्रिया देती दिखाई दीं। पार्टी कवर करने वाले पत्रकार प्रतिक्रिया के लिए वरिष्ठ नेताओं की राह देखते रहे। एक मीडियाकर्मी ने कहा कि अभी 12 बज रहे हैं, सुबह छह बजे से यहां हूं और अब तक वे बड़े चेहरे यहां नहीं दिखे जो अक्सर यहां आते हैं। महाराष्ट्र की हार के कारण यह स्वाभाविक भी लगता है। कांग्रेस मुख्यालय में सिर्फ वरिष्ठ नेताओं के कमरे ही नहीं खाली नहीं थे, बल्कि पार्टी मुख्यालय के बाहर, प्रांगण और कैंटीन में भी आम दिनों की तरह ही थोड़ी-बहुत हलचल थी। पार्टी कार्यकर्ताओं के चेहरे पर निराशा साफ देखी जा सकती थी। इस बीच कुछ कार्यकर्ता आपसी बातचीत में *ईवीएम में खेल होने* की बात करते सुने जा सकते थे। कांग्रेस की कैंटीन में भी बालूशाही, लड्डू और रसगुल्ले जैसी मिठाइयां बनाकर रखी हुई थीं, लेकिन शायद इनके उतने खरीददार नहीं थे, जिसकी उम्मीद कैंटीन चलाने वालों को रही होगी। पार्टी के एक नेता ने कहा कि हरियाणा के बाद एक बार फिर से हमारी उम्मीदें टूटी हैं। झारखंड के नतीजों से थोड़ी राहत जरूर मिली है। काश दोनों राज्यों में *इंडिया* गठबंधन की सरकार बनती।

पाकिस्तान का नाम पापिस्तान होना चाहिए : शिया पर्सनल लॉ बोर्ड

लखनऊ (हि.स.)। ऑल इंडिया शिया पर्सनल लॉ बोर्ड के पदाधिकारियों ने पाकिस्तान के खुर्रम में 21 नवंबर को आतंकवादी हमले में सौ शिया मुसलमानों की निर्मम हत्या की कड़े शब्दों में निंदा की है। शिया पर्सनल लॉ बोर्ड के अध्यक्ष मौलाना सैय्यद सायम मेहंदी नकवी और महामंत्री मौलाना यासूब अब्बास ने कहा कि इस मुल्क का नाम पाकिस्तान नहीं बल्कि पापिस्तान होना चाहिए। अध्यक्ष एवं महामंत्री ने अपने शब्दों में कहा कि पाकिस्तान में चेहल्लुम-ए-इमाम हुसैन के मौके पर भी शिया मुसलमान का नरसंहार किया गया था। उस वक्त पूरी दुनिया का मुसलमान खामोश था। जब फिलिस्तीन में मुसलमानों पर इजराइल के अत्याचार हुए तो उस घटना की पूरी दुनिया ने निंदा की थी, लेकिन जब पाकिस्तान या दुनिया के किसी हिस्से में शिया मुसलमानों का कत्लेआम होता है, तो मुस्लिम समुदाय भी पूरी तरह से चुप्पी साधता है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में मारे गए शिया मुसलमान शाहिद (शहीद) हैं। पाकिस्तान की सरकार आतंकवाद पर लगाम लगाने में विफल हो चुकी है। सऊदी अरब के पेट्रो डॉलर से पाकिस्तान में आतंकवाद को बढ़ावा मिल रहा है। मस्जिदों और इमामबाड़ों में इबादत कर रहे लोगों पर हमले यह बताते हैं कि ये आतंकवादी इस्लाम के भेष में पाखंडी हैं। मौलाना यासूब अब्बास ने संयुक्त राष्ट्र और मानवाधिकार संगठनों से पाकिस्तान के शिया मुसलमानों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ठोस कदम उठाने की अपील की। उन्होंने कहा कि शिया मुसलमान पिछले 14 सौ वर्षों से आतंकवाद का शिकार हो रहे हैं और अब इस नरसंहार को रोकने के लिए अंतर्राष्ट्रीय हस्तक्षेप आवश्यक है। वहीं शिया धर्मगुरु मौलाना जफर अब्बास ने कहा कि पाकिस्तान में ऐसी दर्दनाक वारदात को अंजाम देने वाले आतंकवादी संगठन या तंजीमे जानवरों से भी बदतर हैं। उनके लिए मेरे पास कोई लफ्ज नहीं है कि उनकी तुलना किससे की जाए। जिनकी नजरों में इंसानियत की कोई अहमियत नहीं, ऐसे लोग पूरी दुनिया के लिए खतरा हैं।

टीचर ने 8वीं के छात्र को पिलाई शराब, फिर 20 बार बनाए संबंध

न्यूयॉर्क। अमेरिका के मैरीलैंड में शिक्षिका की छात्र के साथ घिनौनी करतूत का मामला सामने आया है। रिपोर्ट के अनुसार मैरीलैंड की पूर्व शिक्षिका को कोर्ट ने 30 साल की जेल की सजा सुनाई है। 32 साल की मेलिसा कर्टिस को कोर्ट ने ये सजा अपने छात्र के साथ गलत संबंध बनाने के चलते दी है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, मेलिसा कार्टिस को यौन अपराध के तीन मामलों में तीन दशक की सजा काटनी होगी, जिसमें 12 महीने की सजा निलंबित रहेंगी और पांच साल की निगरानी वाली जेल होगी। पुलिस ने बताया कि कर्टिस ने कथित तौर पर आठवीं कक्षा के छात्र को शराब पिलाई और उसके साथ 20 से अधिक बार यौन संबंध बनाए। उन्होंने कहा कि कर्टिस लगभग दो साल तक शिक्षिका रही थीं और उसने लेकलैंड्स पार्क मिडिल स्कूल में भी पढ़ाया था। अभियोजकों ने कहा कि युवा किशोर के साथ टीचर एक आफ्टर-स्कूल कार्यक्रम में अकेले होने के दौरान भी संबंध बनाती थी।

इजरायल की लेबनान में भीषण एयरस्ट्राइक, 47 की मौत

तेल अबीब। इजरायली हवाई हमले ने मध्य बेरूत को निशाना बनाया, जिससे लेबनानी राजधानी हिल गई क्योंकि इजरायल ने ईरान समर्थित हिजबुल्लाह समूह के खिलाफ अपना आक्रामक अभियान चलाया। लेबनानी मीडिया ने बताया कि इस हमले में कम से कम 47 लोगों की मौत हो गई है। इसके अलावा 22 लोग घायल हो गए हैं। रॉयटर्स के प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि सुबह लगभग 4 बजे (0200 जीएमटी) बेरूत में कई शक्तिशाली विस्फोट हुए। दो सुरक्षा सूत्रों ने बताया कि हमले में कम से कम चार रॉकेट दागे गए। बेरूत के बस्ता इलाके में विस्फोट स्थल की ओर एंबुलेंस दौड़ रही थीं तो सायरन की आवाज सुनी जा सकती थी। लेबनान के अल जदीद द्वारा प्रसारित फुटेज में कम से कम एक नष्ट हुई इमारत और उसके आसपास की कई अन्य बुरी तरह से क्षतिग्रस्त दिखाई दीं। इस सप्ताह बेरूत के केंद्रीय क्षेत्र को निशाना बनाकर किया गया चौथा इजरायली हवाई हमला है। रविवार को, एक इजरायली हवाई हमले में रास अल-नबा जिले में हिजबुल्लाह के एक वरिष्ठ मीडिया अधिकारी की मौत हो गई। गाजा युद्ध के कारण लगभग एक साल तक चली सीमा पार शत्रुता के बाद, इजराइल ने सितंबर में लेबनान में हिज़्बुल्लाह के खिलाफ एक बड़ा हमला शुरू किया, लेबनान के व्यापक क्षेत्रों पर हवाई हमले किए और दक्षिण में सेना भेजी। संघर्ष तब शुरू हुआ जब हिजबुल्लाह ने 7 अक्तूबर, 2023 को दक्षिणी इजराइल पर हमला शुरू करने के बाद अपने फिलिस्तीनी सहयोगी हमास के साथ एकजुटता दिखाते हुए गोलीबारी शुरू कर दी।

APOLLO HOSPITALS CHENNAI

GENERAL SURGEON

DR.R.VENKATASUBRAMANIAN MS.,DNB,MNAMS,MRCS, FNB(laparoscopicSurgery)

Will be available only for consultation at Guwahati

ON 1st Decembber'2024

Patients suffering from Jaundice,Ulcers,Burning Sensation in the stomach, Liver Problem, Gallbladder Stone, Blood vomitting, Blood in motion & requring surgery/ Laproscopic Surgery may register their names in advance.

APOLLO HOSPITALS REGIONAL OFFICE
Rajgarh Main Road, Opp-By Lane -10
Ph :8404037649, 03613102669, 0361-3102166

पृष्ठ एक का शेष

महाराष्ट्र में भाजपा ...

हम उनके सपनों और आकांक्षाओं को पूरा करने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने कहा कि मुझे जमीन पर उनके प्रयासों के लिए प्रत्येक एनडीए कार्यकर्ता पर गर्व है। उन्होंने कड़ी मेहनत की, लोगों के बीच गए और हमारे सुशासन के एजेंडे को विस्तार से बताया। झारखंड में जीत के लिए पीएम ने हेमंत सोरेन को बधाई दी है। उन्होंने लिखा कि मैं झारखंड के लोगों को हमारे प्रति उनके समर्थन के लिए धन्यवाद देता हूं। हम लोगों के मुद्दों को उठाने और राज्य के लिए काम करने में हमेशा आगे रहेंगे। मैं राज्य में उनके प्रदर्शन के लिए झामुमो के नेतृत्व वाले गठबंधन को भी बधाई देता हूं। महाराष्ट्र में शनिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सत्तारूढ़ गठबंधन महायुति ने महा विकास आघाडी (एमवीए) गठबंधन के खिलाफ अजेय बढ़ हासिल कर ली, जबकि झारखंड में इंडिया (इंडियन नेशनल डेमोक्रेटिक इंक्लूसिव अलायंस) सत्ता में वापसी करता दिख रहा है। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए मतों की गिनती के साथ ही भाजपा में जश्न का माहौल है जहां 149 सीट पर चुनाव लड़ने वाली पार्टी 125 सीट जीतने की ओर अग्रसर है। शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के साथ मिलकर भाजपा नीत सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन राज्य की 288 सीट में से 219 सीट जीतने की ओर अग्रसर है, जबकि कांग्रेस-शिवसेना (उबाठा), राकांपा (एसपी) गठबंधन को सिर्फ 51 सीट पर ही जीत मिलने की संभावना है। दोनों राज्यों के मतदाता बदलाव के बजाय निरंतरता के पक्ष में हैं।

महाराष्ट्र में सुशासन...

कि आज महाराष्ट्र में विकासवाद और सुशासन की जीत हुई है, महाराष्ट्र में सच्चे सामाजिक न्याय की विजय हुई है। वहीं, आज महाराष्ट्र में झूठ, छल, फरेब बुरी तरह हारा है। विभाजनकारी ताकतें हारी हैं, नकारात्मक राजनीति की पराजय हुई है, आज परिवारवाद की हार हुई है। मोदी ने कहा कि महाराष्ट्र देश का छठा राज्य है, जिसने भाजपा को लगातार तीन बार जनादेश दे दिया है। इससे पहले गोवा, गुजरात, छत्तीसगढ़, हरियाणा और मध्य प्रदेश में हम लगातार तीन बार जीत चुके हैं। बिहार में एनडीए को तीन बार से ज्यादा जनादेश मिला है। साठ साल के बाद आपने मुझे तीसरी मौका दिया। ये जनता का हमारे सुशासन के मॉडल पर विश्वास है और विश्वास को बनाए रखने में हम कोई कोर कसर बाकी नहीं रखेंगे। उन्होंने कहा कि मैं झारखंड की जनता को भी नमन करता हूं। झारखंड के तेज विकास के लिए हम अब और ज्यादा मेहनत से काम करेंगे। इसमें भाजपा का एक-एक कार्यकर्ता अपना हर प्रयास करेगा। हरियाणा के बाद महाराष्ट्र के चुनाव का भी सबसे बड़ा संदेश है- एकजुटता। एक हैं, तो सेफ हैं- ये आज देश का महामंत्र बन चुका है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और उसके पारिस्थितिकी तंत्र (इकोसिस्टम) ने सोचा था कि संविधान के नाम पर झूठ बोलकर, आरक्षण के नाम पर झूठ बोलकर एससी/एसटी और ओबीसी को छोटे-छोटे समूहों में बांट देंगे। कांग्रेस और उसके साथियों की इस साजिश को महाराष्ट्र ने सिरे से खारिज कर दिया है। महाराष्ट्र ने डंके की चोट पर कहा है- एक हैं, तो सेफ। प्रधानमंत्री से पहले भाजपा प्रमुख जेपी नड्डा ने पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं और समर्थकों को संबोधित किया। नड्डा ने कहा कि यह एक ऐतिहासिक और विशेष दिन है। आज महाराष्ट्र और देश के विभिन्न राज्यों के उपचुनावों में जनता ने जो संदेश दिया है, वह निश्चित रूप से जिस काम को पीएम मोदी ने देशवासियों की सेवा करने का संकल्प उठाया.. उस पर जनता ने फिर से मुहर लगा दी है। भाजपा प्रमुख ने कहा कि आज के दिन महाराष्ट्र और उपचुनावों में मिली जीत और पिछले दिनों हरियाणा में मिली जीत ने यह तय कर दिया है कि जिस बात को पीएम मोदी ने रखा... गांव, गरीब, वंचित, पीड़ित, दलित, महिला, युवा, किसान... इनको मुख्यधारा में शामिल करके देश को आगे ले जाना है। इस पर जनता ने फिर से मुहर लगा दी है। उन्होंने कहा कि यह चुनाव इस बात का भी संदेश देता है कि जो लोग समाज को बांटने में लगे थे, जो लोग लोगों को गुमराह करने में लगे थे, उनको मुंह की खानी पड़ी है और मोदी जी के विकासवाद को देश ने फिर से सराहा है।

झारखंड में हेमंत ...

जबकि झारखंड में एनडीए महज 18 सीटों पर चुनाव जीत पाई है। अब झारखंड की सिर्फ 10 सीटों पर फाइनल रिजल्ट आना बाकी है। झारखंड में एक सीट अन्य के खाते में गयी है। राज्य निर्वाचन आयोग के आंकड़ों के अनुसार, 19 सीटों पर झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) को विजय मिली है जबकि 15 सीटों पर बढ़त है। भाजपा को 08 सीट पर विजय तथा 13 सीट पर बढ़त है। कांग्रेस को 08 सीट पर विजय तथा 08 सीट पर बढ़त है। राजद की एक सीट पर जीत तथा तीन सीट पर बढ़त, सीपीआई की दो सीट पर विजय। आजसू को किसी भी सीट पर जीत नहीं मिली है, सिर्फ एक सीट पर बढ़त है। लोक जनशक्ति पार्टी (रा.) की एक सीट पर जीत हुई है। इसी प्रकार झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) को एक सीट पर जीत हुई है जबकि जदयू को एक सीट पर बढ़त है। दरअसल, झारखंड विधानसभा चुनाव की घोषणा होने से पहले ही हेमंत सोरेन सरकार ने मास्टरस्ट्रोक मईयां सम्मान योजना के रूप में सामने लाया था। इसका फायदा झारखंड की 50 लाख महिलाओं को डायरेक्ट मिला। इस योजना का खास बात यह कि इसके तहत 1000 रुपए मिलने थे लेकिन जैसे ही चुनाव का समय नजदीक आया, हेमंत सोरेन ने इस योजना की राशि 1000 से बढ़ाकर 2500 रुपए कर दी। इसके साथ यह कयास लगाये जाने लगे कि महिलाओं का वोट हेमंत सोरेन की ओर झुक सकता है और वह सच साबित हुआ। झारखंड विधानसभा के इस चुनाव में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन तथा उनकी विधायक पत्नी कल्पना सोरेन के आक्रामक व शानदान प्रदर्शन के पीछे कई रणनीतिक और परिस्थितिजन्य कारण हैं। यहां के मतदाताओं ने इन दोनों पर खूब विश्वास जताया है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन व विधायक कल्पना सोरेने की आक्रामक रणनीति के साथ ही इंडी गठबंधन ने न केवल स्थानीय मुद्दों पर फोकस किया, बल्कि क्षेत्रीय दलों की एकता और भाजपा की रणनीतिक कमजोरियां ने भी उसके अच्छे प्रदर्शन में योगदान दिया। इस प्रदर्शन ने झारखंड में इंडी गठबंधन को नई ताकत दी है। हेमंत सोरेन की कुशल राजनीति तथा उनकी लोकप्रिय व जनकल्याणकारी योजनाएं झारखंड मुख्यमंत्री मईयां सम्मान योजना तथा बिजली बिल माफी ने झारखंड में पुन: जीत दिलाने में कारगर साबित हुई है। झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) राज्य के मतदाताओं पर पहले के बजाय ज्यादा मजबूत पकड़ है। यहां के मतदाता विशेष रूप ये आदिवासी व ग्रामीण समाज उन्हें अपना नेता मानता है। जेएमएम की अपने राज्य में वही पकड़ है, जो अन्य क्षेत्रीय पार्टियों की अपने-अपने राज्यों में है। जेएमएम और कांग्रेस के अलावा इंडी गठबंधन में शामिल अन्य पार्टियां भी अपने वोटर को एकजुट करने में कामयाब रहीं। इस गठबंधन के राष्ट्रीय और स्थानीय स्तर पर बने सामंजस्य ने मतदाताओं को बाहर जाने से रोका। यही इंडी गठबंधन की जीत की वजह भी बनी। झारखंड में लगभग एक तिहाई सीटों पर आदिवासी और ग्रामीण मतदाता निर्णायक भूमिका निभाते हैं। हेमंत व कल्पना सोरेन ने लगातार आदिवासियों और ग्रामीणों की समस्याओं पर बात की और उनके मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया। उनकी लड़ाई लड़ते हुए नजर आयीं। हेमंत सोरेन व कल्पना सोरेन ने वनाधिकार, जमीन की सुरक्षा और आदिवासी अधिकारों जैसे मुद्दों पर लगातार उनको भरोसा दिलाया। आदिवासी समुदाय ने भी खुलकर उनका समर्थन किया। बीजेपी ने भी इन मुद्दों पर आदिवासी मतदाताओं को लुभाने की पूरी कोशिश की लेकिन लोगों ने हेमंत सोरेन को ज्यादा भरोसेमंद माना। इसमें आदिवासियों के लिए सरना कोड लागू किए जाने का वादा भी शामिल था। यह इस बार की चुनावी बहस का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बना हुआ था। इस मामले में जेएमएम ने आदिवासी मतदाताओं को समझाने में सफल रहे। सरना धर्म कोड का मतलब है कि आदिवासी अपने लिए एक अलग धर्म के तौर पर पहचान चाहते हैं। ईडी की कार्रवाई के बाद जब हेमंत सोरेन को जेल जाना पड़ा तो उनके प्रति विशेष रूप आदिवासी समाज की एक अलग भावनात्मक जुड़ाव हुआ। जेल जाने से उनका कद छोटो नहीं हुआ, बल्कि पहले के बजाय और कई गुना बढ़ा। झारखंड के मतदाताओं में उनके खिलाफ इस कार्रवाई को केंद्र की बदले की कार्रवाई के तौर पर देखा गया। जेल से निकलने के बाद उनकी लोकप्रियता और मजबूत हुई और वह एक मजबूज नेता के रूप में पूरे चुनावी कैम्पेन में नजर आए। इससे इंडी गठबंधन को बहुत ज्यादा फायदा पहुंचाया। परिवार में हुई बगावत का भी लाभ हेमंत सोरेन को मिला। यह बात भाजपा के खिलाफ गई कि उसने किसी भी तरह सत्ता पाने के लिए मुख्यमंत्री को जेल भेजा और परिवार में तोड़फोड़ की। भाई चंपाई सोरेन और सीता सोरेन ने जब पार्टी बदल ली तो सारी सहानुभूति हेमंत को मिली। भाजपा मुख्यमंत्री हेमंत की घेराबंदी करने में असफल रही। हेमंत सोरेन ने महिलाओं के लिए कई योजनाएं, रोजगार और सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रम चलाए। इन सरकारी योजनाओं ने मतदाताओं को प्रभावित किया।

सभी सीटों पर ...

ऐतिहासिक जीत हमारे कल्याणकारी एजेंडे में लोगों के विश्वास और विपक्ष की विभाजनकारी राजनीति को अस्वीकार करती है। डॉ. शर्मा ने कहा कि मेरे दृढ़ समर्थन के लिए लोगों को मेरा हार्दिक धन्यवाद्। हम सभी के लिए एक विकसित असम बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि हमारे समर्पित कार्यकर्ताओं के लिए एक बड़ी खुशी का दिन है, जिन्होंने हमारे विकास का संदेश हर बूथ पर पहुंचाया। वहीं, मुख्यमंत्री ने झारखंड में हुई पराजय के लिए दुख व्यक्त करते हुए झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता हेमंत सोरेन को जीत के लिए बधाई दी है। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने सोशल मीडिया के जरिए आज कहा कि झारखंड में पराजय उनके लिए व्यक्तिगत रूप से गहरा दर्द देने वाला है। उन्होंने कहा कि भले ही हमने असम में सभी पांच उप-चुनावों में जीत हासिल की है। मैंने झारखंड में हमारे कार्यकर्ताओं के अटूट समर्पण और अथक प्रयास को देखा है, जिन्होंने इस चुनाव पर अपना सब न्यौछावर किया। हमने राज्य को घुसपैठ से बचाने और छात्रों और युवाओं की आकांक्षाओं को पूरा करते हुए, विकास के मार्ग पर इसका नेतृत्व करने के लिए एक दृष्टि के साथ लड़ाई लड़ी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हालांकि, हमें विनम्रतापूर्वक लोगों के जनादेश को स्वीकार करना चाहिए, क्योंकि इस लोकतंत्र का सही सार है। इन चुनौतीपूर्ण समयों में, हम अपने कार्यकर्ताओं के साथ मजबूती से खड़े हैं और उन्हें अटूट समर्थन और एकजुटता की पेशकश करेंगे।

मुख्यमंत्री के चेहरे ...

हमारी जिम्मेदारी बढ़ गई है और महाराष्ट्र ने मोदी जी को अपना पूरा समर्थन दिया है और हम उनके भरोसे को पूरा करने के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे। जबकि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि यह महायुति की रिकॉर्ड तोड़ जीत है। हम पूरे महाराष्ट्र के आभारी हैं... हमने एमवीए की तरफ से उनके शासन के दौरान लगाए गए सभी स्थगन हटा दिए हैं। उन्होंने आगे कहा कि हमारी सरकार आम आदमी की सरकार थी। मैं पीएम मोदी को उनके अविश्वसनीय समर्थन के लिए धन्यवाद देता हूं। महिलाएं, बच्चे और किसान हमारे लिए केंद्र बिंदु थे। हम आम आदमी को सुपरमैन में बदलना चाहते हैं। मेरे लिए सीएम का फुल फॉर्म चीफ मिनिस्टर नहीं, कॉमन मैन है।

कान का मैल ...

अच्छी खासी इनकम हो रही है। लतीशा अपने इस साइड बिजनेस के लिए कॉटन बड्स का इस्तेमाल करती हैं, जिनसे वह अपने कान साफ करती हैं। इसके बाद, वह इन इस्तेमाल किए गए बड्स को ईयर वैक्स के साथ सील पैक बैग में पैक करती हैं। ये पैक किए गए बग्स वह अपने कस्टमर्स को भेजती हैं। खास बात यह है कि कुछ लोग इन पैक्ड बड्स के लिए पैसे देने के लिए तैयार रहते हैं, और यह उनके लिए एक नियमित साइड हसल बन गया है। लतीशा ने बताया कि उनके कुछ ग्राहक ईयर वैक्स को लेकर बहुत उत्साहित होते हैं। जिनके लिए जितना ज्यादा वैक्स होता है, वे उतना ही अधिक पैसा देने के लिए तैयार रहते हैं। लतीशा अपने हर पैकेज में एक व्यक्तिगत कार्ड भी शामिल करती हैं, जिस पर वह अक्सर किस करती हैं, ताकि ग्राहकों को एक पर्सनल टच मिल सके। हालांकि लतीशा का तरीका सुनने में काफी अजीब लगता है, लेकिन उनका दावा है कि यह उनके लिए एक लाभकारी साइड हसल साबित हो रहा है। इसका फायदा यह है कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर उनकी एक बड़ी फॉलोइंग है, जिससे उन्हें काफी मदद मिलती है। लोग इस तरह के अनोखे काम को हंसी-मजाक में लेते हैं, लेकिन लतीशा के लिए यह एक गंभीर कमाई का स्रोत बन चुका है। अगर हम लतीशा की इस साइड हसल को देखें, तो यह साबित करता है कि कुछ लोग किसी भी साधारण चीज का इस्तेमाल करके अपनी सोच से अतिरिक्त कमाई कर सकते हैं। हालांकि इस काम को करने के तरीके पर विवाद हो सकता है, लेकिन लतीशा के लिए यह एक सफल बिजनेस मॉडल बन चुका है। ऐसे अजीब तरीकों से कमाई के बारे में सोचते हुए, यह सवाल भी उठता है कि क्या भविष्य में लोग और भी अजीब साइड हसल्स अपनाएंगे?

असम में पांचों ...

उपचुनाव में शानदार जीत के लिए अमस के मुख्यमंत्री ने लोगों का आभार जताया है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने इसे अच्छे शासन और विकास के प्रति लोगों के समर्थन का प्रमाण बताया।

बिहाली : बिहाली में, भाजपा ने सीट बरकरार रखते हुए दिगंत घाटोवाल ने 50,947 वोट प्राप्त किए, जबकि जयंत बोरा ने 41,896 वोट हासिल किए। इस सीट पर 2021 में भजपा के रंजीत दत्ता ने जीत हासिल की थी। वे तेजपुर लोकसभा सीट से निर्वाचित होने के बाद यह सीट खाली हुई थी।

बंगाईगांव : असम गण परिषद ने बंगाईगांव विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में बड़ी जीत हासिल की है। पार्टी की प्रत्याशी दीप्तिमयी चौधरी ने कांग्रेस उम्मीदवार ब्रजेंजीत सिंह को 35164 वोटों के भारी अंतर से हराया है।

सिधली : असम के सिधली विधानसभा सीट से यूपीपीएल के उम्मीदवार निर्मल कुमार ब्रह्म ने जीत हासिल की। यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी, लिबरल के उम्मीदवा ब्रह्म ने 37,016 वोटों से जीत दर्ज की। उन्होंने बोड़ोलैंड पीपुल्स फ्रंट के सुबोध कुमार को हराया। ब्रह्म को 95,243 वोट मिले, जबकि बसुमतरी को 58,227 वोट मिले।

धोलाई : धोलाई में, भाजपा के निहार रंजन दास ने 9,344 वोटों के अंतर से जीत हासिल की। पार्टी कार्यकर्ताओं ने दिल्ली कार्यालय और स्थानीय पार्टी केंद्रों पर खुशी मनाते हुए आतिशबाजी की।

सामागुड़ी : सामागुड़ी में ऐतिहासिक जीत दर्ज करते हुए, भाजपा ने कांग्रेस के गढ़ में सेंधमारी की। भाजपा के डिप्लू रंजन शर्मा ने 26,200 वोटों के अंतर से सीट जीती, जो भाजपा के पारंपरिक कांग्रेस गढ़ों में बढ़ते प्रभाव का प्रतीक है। डिप्लू रंजन शर्मा ने सामागुड़ी के लोगों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह जीत लोगों की है। हम इस क्षेत्र में विकास और समृद्धि लाने के लिए कठिन मेहनत करेंगे। भाजपा ने पांच में से तीन सीटों - बिहाली, सामगुड़ी और धोलाई (एसी) पर चुनाव लड़ा, जबकि उसके सहयोगी दल एजीपी और यूपीपीएल ने बोंगाईगांव और सिधली (एसटी) सीटों के लिए उम्मीदवार उतारे थे। कांग्रेस ने सभी पांच सीटों पर चुनाव लड़ा था।

कोलकाता में सभी ...

मिलेगी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि मैं तहे दिल से मां माटी मानुष को धन्यवाद और बधाई देना चाहती हूं। आपका आशीर्वाद हमें आने वाले दिनों में लोगों के लिए काम करने में मदद करेगा। मनुष्य ही हमारा भरोसा है। हम सभी सामान्य लोग हैं और यही हमारी पहचान है। हम जमीनदार नहीं, बल्कि लोगों के संरक्षक हैं। आप अपना आशीर्वाद हम पर ऐसे ही बनाए रखे। जय बांग्ला। चुनाव आयोग के अनुसार, टीएमसी पहले ही नैहाटी, सीताई, हरोआ और मदारीहाट सीटें जीत चुकी है और तालडांगरा और मेदिनीपुर में बड़े अंतर से आगे चल रही है। बता दें कि पिछले चुनाव में पांच सीटों पर तृणमूल कांग्रेस और एक सीट पर भाजपा के उम्मीदवार जीते थे।

यूपी के नौ में ...

कीं। गाजियाबाद में भी मुख्यमंत्री ने एक रैली व एक रोड शो कर कमल को फिर से खिलाने की अपील की। कुंदरकी व मीरापुर में भी योगी की रैली हुई। इसका असर यह हुआ कि कुंदरकी में भाजपा ने जीत हासिल की। कटेहरी में लगभग तीन दशक से अधिक समय से इस सीट पर भाजपा को जीत नहीं मिल पा रही थी, लेकिन इस बार उपचुनाव में योगी के नेतृत्व में कटेहरी में भी कमल ने कमाल कर दिखाया। भाजपा प्रत्याशी धर्मराज निषाद ने तीन दशक बाद यहां कमल खिलाया। निषाद ने न सिर्फ सपा से यह सीट छीनी, बल्कि सपा प्रत्याशी शोभावती वर्मा को 34,514 के बड़े अंतर से हराया। वर्ष 2022 विधानसभा चुनाव में कुंदरकी में सपा ने जीत हासिल की थी। इस सीट पर भी विधायक के सांसद चुने जाने के कारण यहां उपचुनाव हुआ। इस सीट पर काफी समय से सपा का कब्जा था, लेकिन 2024 में हुए उपचुनाव में आदित्यनाथ के नेतृत्व में यह सीट भाजपा के खाते में गई। भाजपा उम्मीदवार रामवीर सिंह ठाकुर ने सपा के मो. रिजवान को बड़े अंतर से पराजित किया। मझवा, फूलपुर, गाजियाबाद, खैर के साथ ही मीरापुर में भी रैलियों से चल रही योगी-योगी की गूंज शनिवार को जीत के बाद और तेज होती गई। मीरापुर में रालोद व अन्य सीटों पर भाजपा ने जीत हासिल की। मझवा में विनोद बिंद, फूलपुर से प्रवीण पटेल, गाजियाबाद से अतुल गर्ग, खैर से अनूप प्रधान वाल्मीकि व मीरापुर से चंदन चौहान के सांसद चुने जाने के बाद यहां उपचुनाव कराए गए। इन सीटों को बरकरार रखते हुए भाजपा ने अन्य सीटों पर जीत हासिल की। सपा की परंपरागत सीट मानी जाने वाली करहल में भी उसकी जीत का अंतर काफी कम हुआ। 2022 आमचुनाव में सपा प्रत्याशी अखिलेश यादव ने यहां 67,504 मतों से जीत हासिल की थी, जो इसउपचुनाव में घटकर महज 14,725 वोट पहुंच गई। तेज प्रताप यादव को यहां से 1,04,304 मत मिले। भाजपा के अनुजेश यादव ने 89,579 मत मिले। वहीं सीसामऊ में 2022 में सपा के इरफान सोलंकी ने 12,266 वोटों से जीत हासिल की। उपचुनाव में सपा प्रत्याशी नसीम सोलंकी ने 69,714 वोट पाकर 8564 वोट से जीत दर्ज की। यहां से भाजपा के सुरेश अवस्थी को 61,150 वोट मिले।

जीत के बाद प्रियंका ...

बढ़त बनाए हुए थीं। प्रियंका गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया कि वायनाड की मेरी प्यारी बहनों और भाइयों, आपने मुझ पर जो भरोसा जताया है, उसके लिए मैं कृतज्ञता से अभिभूत हूं। मैं यह सुनिश्चित करूंगी कि समय के साथ, आप वास्तव में महसूस करें कि यह जीत आपकी जीत है और जिसे आपने अपना प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना है वह आपकी आशाओं और सपनों को समझती है और आपके लिए लड़ती है। मैं संसद में आपकी आवाज बनने के लिए उत्सुक हूं। उन्होंने कहा कि मुझे यह सम्मान देने के लिए धन्यवाद और इससे भी अधिक आपने मुझे जो अपार प्यार दिया है उसके लिए धन्यवाद। कांग्रेस महासचिव ने यूडीएफ के सहयोगियों, केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के नेताओं एवं कार्यकर्ताओं का अभार जताया। उन्होंने कहा कि मेरी मां, रॉबर्ट (पति) और मेरे दो रत्नों- रेहान और मिराया, आपने मुझे जो प्यार और साहस दिया है उसके लिए कोई भी आभार पर्याप्त नहीं है। मेरे भाई, राहुल, आप बहादुर हैं... मुझे रास्ता दिखाने और हमेशा मेरा साथ देने के लिए धन्यवाद।

बिहार की चार...

वर्मा शामिल हैं। बिहार विधानसभा की चार सीटों हुई मतगणना में सबसे चौंकाने वाला परिणाम बेलागंज से सामने आया है। यहां राजद ने 34 साल बाद यह सीट गंवा दी है। बेलागंज विस सीट से जदयू उम्मीदवार मनोरमा देवी ने जीत हासिल की है। इमामगंज विस सीट पर केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी का कमाल बरकरार रहा है। जीतनराम मांझी की बहू दीपा मांझी ने इमामगंज से जीत दर्ज की है। रामगढ़ विस सीट पर भाजपा के अशोक सिंह ने परचम लहराया है। तरारी विधानसभा सीट की बात करें तो यहां से भाजा उम्मीदवार और सुनील पांडे के बेटे विशाल प्रशांत ने परचम लहराया है। बेलागंज विधानसभा सीट से जदयू उम्मीदवार मनोरमा देवी ने राजद के 34 साल के किले को ध्वस्त कर दिया है। मनोरमा देवी को 73,334 वोट मिला। उन्होंने 21,391 मतो से जीत दर्ज की। बेलागंज में दूसरे नबंर पर राजद उम्मीदवार विश्वनाथ कुमार सिंह रहे। उन्हें 51,943 वोट मिले। इमामगंज विधानसभा सीट पर दीपा मांझी ने 5 हजार 945 मतों से जीत हासिल की। दीपा मांझी को 53,435 वोट मिले। इस सीट से मांझी की प्रतिष्ठा दांव पर लगी थी यानी बहू दीपा मांझी ने जीत हासिल कर ससुर की प्रतिष्ठा बचा ली है। दूसरे स्थान पर राजद प्रत्याशी रौशन कुमार मांझी रहे। उन्हें 47,490 वोट मिले। इमामगंज में जीतनराम मांझी का कब्जा था और उनके सांसद चुने जाने के बाद इस सीट पर विधानसभा का उपचुनाव कराया गया। तरारी विधानसभा क्षेत्र में भाजपा ने बाहुबली पूर्व विधायक सुनील पांडेय के बेटे विशाल प्रशांत को उम्मीदवार बनाया था। ये सीट भाकपा-माले के विधायक सुदामा प्रसाद के सांसद बन जाने के कारण खाली हुई थी। यहां से महागठबंधन में शामिल माले ने राजू यादव को उम्मीदवार बनाया था। विशाल प्रशांत ने अपने विरोधी राजू यादव को 10 हजार 507 मतों से परास्त कर दिया। प्रशांत को 78 हजार 564 मत मिले जबकि राजू यादव को 68 हजार 57 मत प्राप्त हुए। भाजपा ने चुनाव से पहले सुनील पांडेय और उनके बेटे विशाल प्रशांत को पार्टी में शामिल कराया था और उन्हें अपना उम्मीदवार बना दिया था। रामगढ़ विधानसभा सीट पर उपचुनाव में भाजपा उम्मीदवार अशोक कुमार को कुल 62,257 वोट मिले। उन्होंने निकटम प्रतिद्वंद्वी से 1,362 मतों से जीत दर्ज की। आखिरी राउंड तक मुकाबले में बने रहने वाले बसपा उम्मीदवार को कुल 60,895 मत मिले। राजद ने यह सीट इस चुनाव में गवां दी। राजद उम्मीदवार अजीत सिंह तीसरे नंबर पर रहे। उन्हें महज 35,825 मत मिले हैं।

एक ही परिवार के तीन लोगों की हत्या, हत्यारे ने की आत्महत्या

नगांव (हिंस)। नगांव जिले के रुपहीहाट में हुई चार लोगों की हत्या मामले में अहम खुलासा सामने आया है। हत्या के पीछे प्रेम प्रसंग की वजह बतायी जा रही है। अंशुमान सूत्रधर नामक युवक नवास्मिता सरकार के साथ प्यार करता था। किसी वजह से दोनों के बीच मनमुटाव हुआ। दोनों की ओर से थाने में प्राथमिक भी दर्ज कराई गई थी। ज्ञात हो कि बुधवार को नवास्मिता की शादी होने वाली थी। जिससे अंशुमान परेशान था। अंशुमान युवती की हत्या करने के लिए बीती रात युवती के घर पहुंचा था लेकिन वह घर पर मौजूद नहीं थी। जिसकी वजह से उसने युवती की मां, पिता और उसकी छोटी बहन को धारदार हथियार से मौत के घाट उतार कर खुद भी आत्महत्या कर लिया। नगांव जिले जिले के रुपहीहाट के गोराजान इलाके से एक घर से चार लोगों के शव बरामद किए जाने के मामले में जिला के पुलिस अधीक्षक स्वप्ननील डेका ने शनिवार बताया कि बीती रात एक ही परिवार के तीन लोगों के शव के अलावा अन्य एक युवक का शव खून से लाथपथ अवस्था में बरामद किया गया। घुनधर सरकार के घर चार शव खून से लथपथ अवस्था

प्रेम प्रसंग के चलते हत्या होने की वजह

में पाए जाने के बाद, तीन शवों की पहचान घुनधर सरकार, उनकी पत्नी सरोजिनी सरकार और उनकी बेटी जयास्मिता सरकार के रूप में हुई है। घुनधर सरकार सरकार की बड़ी बेटी नवास्मिता सरकार जो पेसे से शिक्षिका है उसकी शादी आगामी बुधवार को होने वाली थी। घटना के समय वह अपने छोटे भाई भास्कर ज्योति सरकार के साथ शादी का सामान लेने के लिए नगांव बाजार गई थी। चौथे शव की पहचान नगांव जिले के तेलिया पट्टी निवासी अंशुमान सूत्रधर के रूप में की गई है। मृतक घुनधर सरकार जल जीवन योजना के चतुर्थ वर्ग के कर्मचारी थे। हत्याकांड को लेकर मृतक के छोटे बेटे भास्कर ज्योति सरकार ने आरोप लगाया है कि अंशुमान सूत्रधर की ओर से उनके परिवार के ऊपर झूठा आरोप लगाया गया था। यह घटना सन 2022 की है। बहन पर लगातार अत्याचार करने के मामले से तंग आकर हमारी ओर से भी नगांव सदर थाने में एक प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। उसने बताया है कि हमें इस तरह की खूनी साजिश की संभावना नहीं थी। मेरी बड़ी बहन की बुधवार को शादी थी। जिसको लेकर तैयारी लगभग पूरी हो चुकी थी इसी बीच यह हादसा हुआ। पुलिस ने भी प्रारंभिक जांच में मामला प्रेम प्रसंग का होने की आशंका व्यक्त की है। घटना की जानकारी मिलते ही नगांव जिले के पुलिस अधीक्षक घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस अधीक्षक की मौजूदगी में फॉरेंसिक और सीआईडी की टीम ने सबूत संग्रह किए। पुलिस चारों शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। इस घटना के बाद इलाके में मातम छाया हुआ है।

कोकराझार में ग्रेड-थ्री अधिकारियों के लिए क्षमता निर्माण प्रशिक्षण

कोकराझार (हिंस)। कोकराझाड़ जिला प्रशासन द्वारा असम प्रशासनिक स्टाफ कॉलेज के सहयोग से कोकराझाड़ जिले के ग्रेड-3 अधिकारियों के लिए चार दिवसीय जिला प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। तीन बैचों में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य क्षमता निर्माण को मजबूत करना और जनसेवा वितरण की दक्षता में सुधार करना है। 11 नवंबर से शुरू हुए इस प्रशिक्षण सत्र का आयोजन चांदमारी, कोकराझाड़ के बोडोलैंड प्रशासनिक स्टाफ कॉलेज में किया जा रहा है, जो 28 नवंबर को समाप्त होगा। अधिकारियों को सरकारी कार्यप्रणाली के महत्वपूर्ण पहलुओं, जैसे कार्यालय प्रक्रिया, वित्त और लेखा पर प्रशिक्षित किया जा रहा है, जिससे उन्हें प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने के व्यावहारिक कौशल प्रदान किए जा सकें। पहले बैच का समापन सत्र हाल ही में आयोजित किया गया, जिसमें डीसी मसंदा पार्टिन के साथ एडीसी, सहायक आयुक्त और वित्त अधिकारी उपस्थित थे। दो बैचों के सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा करने के बाद, तीसरा और अंतिम बैच 25 नवंबर से शुरू होगा। इसके अलावा, 26 नवंबर को *कैसे टेरिटोरियल आर्मी में शामिल हों* विषय पर एक विशेष सत्र का आयोजन किया जाएगा, जिसे टेरिटोरियल आर्मी भर्ती इकाई, कोकराझाड़ के लेफ्टिनेंट कर्नल सुरेंद्र सिंह द्वारा संचालित किया जाएगा। इस सत्र में दो चरण होंगे—एक ग्रेड-3 प्रशिक्षुओं के तीसरे बैच के लिए और दूसरा बोडोलैंड विश्वविद्यालय, सीआईटी कोकराझाड़ और विभिन्न सरकारी विभागों के अधिकारियों, कर्मचारियों और छात्रों के लिए। यह कार्यक्रम प्रशासनिक कर्मचारियों की दक्षता और उत्तरदायित्व में सुधार करने के लिए डिजाइन किया गया है, जिससे जनता की जरूरतों के प्रति अधिक उत्तरदायी शासन को बढ़ावा मिल सके। कोकराझाड़ जिला प्रशासन के विशेषज्ञ और वरिष्ठ अधिकारी इन सत्रों का नेतृत्व कर रहे हैं, जो आधुनिक प्रशासनिक प्रक्रियाओं में इंटरएक्टिव और व्यावहारिक दृष्टिकोण प्रदान कर रहे हैं।

आग में ई -रिक्शा की दुकान चलाकर राख

मोरीगांव (हिंस)। मोरीगांव जिले के दंदूवा इलाके में लगी आग के दौरान एक ई-रिक्शा की दुकान पूरी तरह जलकर राख हो गयी। पुलिस ने शनिवार को बताया कि बीती रात दंदूवा हाफिजिया व कोरानिया मदरसा के बाजार में लगी आग के दौरान देखते ही देखते ई-रिक्शा की एक दुकान पूरी तरह जलकर राख हो गयी। आग की चपेट में आने से एक किराने की दुकान और एक स्टेशनरी की दुकान को भी काफी नुकसान हुआ है। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने अग्निशमन और स्थानीय लोगों की मदद से आग पर काबू पाया। आग की वजह से लाखों रुपए की संपत्ति का नुकसान हुआ है।

असम की सामागुड़ी विस सीट पर भाजपा की ऐतिहासिक जीत, कांग्रेस को 24 हजार से अधिक मतों से हराया

नगांव (हिंस)। कई दशकों तक कांग्रेस के पास रही सामागुड़ी विधानसभा सीट पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। भाजपा उम्मीदवार दिप्लू रंजन शर्मा ने कांग्रेस के उम्मीदवार तंजील हुसैन को 24, 501 मतों के अंतर से हराकर बंपर जीत हासिल की। शर्मा को कुल 81321 मत मिले हैं। वहीं तंजील को 56820 मत मिले हैं। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और धुबड़ी लोकसभा चुनाव में ऐतिहासिक 10 लाख से अधिक मतों के जीत दर्ज सांसद बने रकीबुल हुसैन के बेटे तंजील हुसैन से उम्मीद थी कि वे इस निर्वाचन क्षेत्र पर अपना कब्जा बरकरार रखेंगे लेकिन भाजपा की कुशल रणनीति और धुआंधार प्रचार से बाजी पलट गई। चुनाव परिणाम की घोषणा के बाद दिप्लू रंजन शर्मा ने उन पर भरोसा जताने के लिए सामागुड़ी के लोगों का आभार व्यक्त किया। शर्मा ने कहा कि यह जीत सामागुड़ी के लोगों की है। हम इस क्षेत्र में विकास और समृद्धि लाने के लिए अथक प्रयास करेंगे। उपचुनाव के नतीजों से असम के राजनीतिक परिदृश्य पर व्यापक प्रभाव पड़ने की उम्मीद है, क्योंकि भाजपा की सामागुड़ी में हुई जीत से यह साबित हो गया है कि राज्य के अल्पसंख्यक मतदाताओं ने भी भाजपा को वोट देना शुरू कर दिया है।

भीषण सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत

धुबड़ी (हिंस)। आगमनी के गरेरहाट में भयावह सड़क हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी। भीषण सड़क हादसा बीती रात करीब साढ़े 11 बजे आगमनी के गरेरहाट में हुआ। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई और एक व्यक्ति घायल हो गया। घायल व्यक्ति की हालत गंभीर होती देख उसे धुबड़ी मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया और बाकी तीन व्यक्तियों के शव को पोस्टमार्टम के लिए धुबड़ी मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल ले जाया गया। पता चला है कि राष्ट्रीय राजमार्ग के पास एक ट्रक (एएस-01ओसी-0519) खड़ा था और खराबी के कारण आगामनी के अंतर्गत गरेरहाट बाजार में वाहन की मरम्मत की जा रही थी। इसी बीच गौरीपुर से पश्चिम बंगाल की ओर जा रहा चार पहिया वाहन (एएस-01एई-8360) तेज गति से आया और ट्रक को टक्कर मार दी। पता चला है कि चारों लड़के पश्चिम बंगाल में रास मेला देखने जा रहे थे।

घनकांत बरुवा कॉलेज में नेहरू युवा केंद्र मोरीगांव जिला युवा महोत्सव का आयोजन

गुवाहाटी। युवा शक्ति देश की निर्भरता है, युवा शक्ति देश का भविष्य हैं। एक विकसित राष्ट्र को शिक्षित, प्रतिभाशाली, चरित्रवान युवाओं की एक टीम की आवश्यकता होती है जो सभी क्षेत्रों में देश का नेतृत्व कर सकें। शनिवार को मोरीगांव जिला आयुक्त देवाशीष शर्मा ने घनरकांत बरुवा कॉलेज में मोरीगांव जिला प्रशासन के सहयोग से नेहरू युवा केंद्र मोरीगांव द्वारा आयोजित जिला युवा महोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होते हुए विद्यार्थियों को अपने चरित्र निर्माण का गठन के लिए आगे आने को कहा। साथ ही पुरस्तका विजयी विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान करते हुए बधाई भी दी। कार्यक्रम का शुभारंभ विशिष्ट साहित्यिक मिलेश्वर पातर ने द्वीप प्रज्ज्वलित करते हुए की। कार्यक्रम में चित्रांकन, फोटोग्राफी, कविता लेखन, समूह नृत्य, विज्ञान प्रदर्शनी और भाषण प्रतियोगिता शामिल थी। कार्यक्रम में सांस्कृतिक दल का तिवा लोक नृत्य, सत्रिया नृत्य, बिहू नृत्य और विभिन्न जातीय समूहों का समवंय नृत्य ने पूरा माहौल उत्साह जनक कर दिया। समूह नृत्य प्रतियोगिता में अनिल बोरा स्मॉति युवा संघ ने प्रथम स्थान, जोनबील

तिवा नृत्य दल ने द्वितीय और बघरा उच्चतर माध्यामिक विद्यालय के तिवा नृत्य दल ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। युवा कला प्रतियोगिता में क्रमशः फारहिना रहमान, पल्लव ठाकुरियाऔर चिंत बोरा ने प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया। फोटो ग्राफी प्रतियोगिता में प्रांजल काकति ने प्रथम, जोनमणि नाथ ने द्वितीय और मनद्वीप रवि दास ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। भाषण प्रतियोगिता में शाहिनूर रहमान प्रथम, मृदुस्मिता दास द्वितीय और गुलजार हुसैन ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। कविता लेखन प्रतियोगिता में आलिसा दास, गार्गी भारती और रागिनी भादोरिया क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया। युवा महोत्सव को देखते हुए घनकांत बरुवा महाविद्यालय परिशर में एक आर्कषणीय प्रदर्शनी का ओयोजन किया गया। प्रदर्शनी में आत्म सहायक गुट, ग्रामीण संगठनों और विभिन्न विभागों ने भाग लिया। बैठक का संचालन नेहरू युवा केंद्र, मोरीगांव केलेखाकार और कार्यक्रम अधिकारी धनंजय तालुकदार ने किया। बैठक में नेहरु युवा केंद्र के जिला अधिकारी विकास चंद्र प्रधान ने उद्देश्यों को समझाया और स्वागत भाषण दिया। पुरस्कार समारोह में घनकांत बरुवा कॉलेज के उपचार्य अमिया महंत, विशिष्ठ साहित्यिक मिलेश्वर पातर, घनकांत बरुवा कॉलेज के सहायक प्रोफेसर सुशील कुमार शइकिया और कैलाश चौहान विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में घनकांत बरुवा कॉलेज की सहायक प्रोफेसर डॉ. बर्णाली गोहाई, सरस्वती चौहान, मोरीगांव कॉलेज के सहायक शिक्षक डॉ. ऋतुराज दास, मोरीगांव सरकारी उच्चतर माद्यामिक विद्यालय के विषय शिक्षक निरोद बोरा, विज्ञान शिक्षक इमदाद अली और सांस्कृतिक संगठक मृणालमेधी और उदय भास्कर सत्रीय संस्कृतिक साधक धर्म प्रसाद कलिता, राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फोटोग्राफर राजीव दास, विशिष्ट फोटोग्राफर देबू पाल और हिमांशु ज्योति बोरा, विशिष्ट चित्रकार भैरव मेधी, रकीबुर रहमान और स्निग्धा भट्टाचार्य दास ने बिचारक के रूप में उपस्थित थीऔर विभिन्न प्रतियोगिताओं का संचालन किया। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए नेहरू युवा केंद्र के अकाउंटेंट एवं प्रोग्रामर धनंजय तालुकदार ने सभी का आभार प्रकट किया।

एसआईटीए के उपाध्यक्ष ने विश्व विरासत सप्ताह समारोह पर कनाई बारासी बोवा पुरातत्व स्थल का दौरा किया

गुवाहाटी। असम के राज्य नवाचार और परिवर्तन आयोग (एसआईटीए) के माननीय उपाध्यक्ष श्री नारायण चंद्र बोरकटाकी ने उत्तरी गुवाहाटी, कामरूप जिले के पुरातात्विक स्थल कनाई बारासी बोवा रॉक शिलालेख में विश्व विरासत सप्ताह कार्यक्रम में भाग लिया। 23 नवंबर, 2024 को विश्व विरासत सप्ताह समारोह के अवसर पर अतिथि। जागरूकता बैठक संयुक्त रूप से पुरातत्व निदेशालय, असम और स्वदेशी और जनजातीय आस्था और संस्कृति विभाग द्वारा जिला प्रशासन, कामरूप के सहयोग से आयोजित की गई थी। बड़ी संख्या में उपस्थित लोगों की बैठक को संबोधित करते हुए, माननीय उपाध्यक्ष ने कहा कि हमें अपने राष्ट्र पर उसकी सांस्कृतिक और पुरातात्विक विरासत के कारण गर्व है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि असम के विरासत स्थलों का संरक्षण करना हमारा परम कर्तव्य है और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और पहुंच के बारे में विस्तार से बात की, जो वैश्वीकरण और आधुनिकीकरण प्रयासों की तीव्र प्रगति के साथ दुनिया भर में ऐतिहासिक कलाकृतियों और स्थलों को लगातार खतरे में डालने के साथ आवश्यक हो गया है। उन्होंने अगली पीढ़ी के लिए असम की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की सुरक्षा और संरक्षण के लिए लोगों के बीच जागरूकता पैदा करने के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि वह असम की विरासत को संरक्षित करने और संरक्षित करने में एसआईटीए, असम से अधिकतम समर्थन देंगे। विरासत को संरक्षित और संरक्षित करने के उद्देश्य से जागरूकता बैठक विश्व विरासत सप्ताह के हिस्से के रूप में आयोजित की गई थी। एबीआईएलएसी की निदेशक डॉ. सुदेशना भट्टाचार्य, डॉ. भास्करज्योति सरमा, एसोसिएट प्रोफेसर विभाग। भाषा एवं भाषाविज्ञान विभाग, एबीआईएलएसी और पुरातत्व निदेशालय, असम के अधिकारी। जागरूकता बैठक संयुक्त रूप से पुरातत्व निदेशालय, असम और स्वदेशी और जनजातीय आस्था और संस्कृति विभाग द्वारा जिला प्रशासन, कामरूप के सहयोग से आयोजित की गई थी।

बिहाली में भाजपा ने लहराया परचम

9051 वोट से भाजपा का प्रत्याशी दिगंत घटवाल की जीत

विश्वनाथ (विभास)। राज्य के पांच विधानसभा उपचुनाव में विश्वनाथ जिले के 77 बिहाली विधानसभा उपचुनाव के आज मतगणना में भाजपा के प्रत्याशी दिगंत घाटोवाल ने अपने विपक्षी कांग्रेस उम्मीदवार जयंत बोरा को 9051 वोटों (मतों) से हराकर भाजपा का गढ़ बिहाली विधानसभा को फिर से कब्जा किया। बिहाली विधानसभा उपचुनाव के पूर्व विश्वनाथ जिला दिसपुर के रूप तब्दील होने के बाद इस सीट पर कांटे की टक्कर थी। भाजपा से टिकट न मिलने पर कांग्रेस में शामिल प्रत्याशी जयंत बोरा को इस बार भी हार खानी पड़ी। निर्वाचन आयोग के तथ्य के अनुसार 77 बिहाली विधानसभा उपचुनाव के 13वें और अंतिम राउंड के बाद कुल प्राप्त वोट में आप आदमी पार्टी के प्रत्याशी अनंत गोगोई को 1209, कांग्रेस के प्रत्याशी जयंत बोरा को 41805, विजयी भाजपा प्रत्याशीदिगंता घाटोवाल को 50861, सीपीआई (एमएल)लखीकांत कुर्मी को 5086 और नोटा को 1512 वोट प्राप्त हुई। इसके आलावा 77 बिहाली विधानसभा उपचुनाव पोस्टल बैलेट गिनती में कुल 213 प्राप्त डाक मत में से आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी अनंत गोगोई को 08 वोट, कांग्रेस प्रत्याशी जयंत बोरा को 91 वोट, विजयी भाजपा प्रत्याशी दिगंत घाटोवाल को 86 वोट, सीपीआई (एमएल) प्रत्याशी लखीकांत कुर्मी को 07, नोटा को 02 और अस्वीकृत मत 19 प्राप्त हुआ। अंत में ईवीएम और पोस्टल बैलेट को मिलाकर भाजपा प्रत्याशी दिगंत घाटोवाल को 50, 947 और कांग्रेस उम्मीदवार जयंत बोरा को 41, 896 वोट मिले।

यूनिसेफ असम खेल एवं युवा कल्याण निदेशालय और ब्रह्मपुत्र वॉलीबॉल लीग के साथ मिलकर राज्य में बालिकाओं के सशक्तिकरण पर काम करेगा

गुवाहाटी। यूनिसेफ असम ने खेल और युवा कल्याण निदेशालय, असम सरकार और ब्रह्मपुत्र वॉलीबॉल लीग (बीवीएल) के सहयोग से आज विश्व बाल दिवस को एक प्रदर्शनी वॉलीबॉल मैच के साथ मनाया, जो युवाओं, विशेष रूप से लड़कियों के महत्व को दर्शाता है, जो जलवायु कार्रवाई में सबसे आगे हैं और भविष्य की पीढ़ियों के लिए एक टीम के रूप में परिवर्तन ला रहे हैं। कार्यक्रम में यूनिसेफ की वैश्विक फ्लैगशिप स्टेट ऑफ द वर्ल्ड्स चिल्ड्रन 2024 रिपोर्ट, *बदलती दुनिया में बचपन का भविष्य* के लांच किया, जो हमारे जीवन को आकार देने वाले वैश्विक मेगाट्रेंड -जलवायु संकट, जनसांख्यिकीय परिवर्तन और अग्रणी प्रौद्योगिकियों पर गहराई से चर्चा करता है। कार्यक्रम में, वक्ताओं ने बच्चों के अधिकारों के मुद्दे पर प्रकाश डाला और बताया कि कैसे खेल लोगों को असम की भावी पीढ़ियों के लिए जलवायु को संरक्षित करने के लिए रचनात्मक कार्रवाई करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। इस कार्यक्रम को असम सरकार के महिला एवं बाल विकास विभाग के प्रधान

सचिव, मुकेश चंद्र साहू, आईएएस; असम सरकार के खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सचिव, कौसर जमील हिलाली, आईएएस; भारतीय वॉलीबॉल टीम के संस्थापक और पूर्व सदस्य, अभिजीत भट्टाचार्य; यूनिसेफ युवा वक्ता, नाहिद अफरीन और यूनिसेफ असम एवं पूर्वोत्तर राज्यों की फील्ड ऑफिस प्रमुख, डॉ. मधुलिका जोनाथन ने संबोधित किया। अपने मुख्य भाषण में मुकेश चंद्र साहू ने कहा कि जलवायु से प्रेरित आर्थिक चुनौतियाँ एक चक्रीय प्रक्रिया को जन्म देती हैं और लैंगिक समानता और गरीबी जैसे संरचनात्मक उत्पीड़न के तत्वों को तीव्र करती हैं। ऐसी स्थिति में कम उम्र में या बाल विवाह को बढ़ावा मिलता है, जो बच्चों के गरिमापूर्ण जीवन जीने के अधिकारों का घोर उल्लंघन करता है। विश्व बाल दिवस के इस अवसर पर, हमें वॉलीबॉल से एक या दो सबक लेने चाहिए, जहां हमें एक टीम के रूप में खेलना चाहिए - गेंद के लिए खेलना और हर बच्चे के अधिकार की रक्षा करना। असम सरकार के खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सचिव, आईएएस कौसर जमील हिलाली ने युवाओं को बदलाव के चैंपियन के रूप में आगे आने की वकालत की। उन्होंने कहा कि खेलों में हमारे मन को शुद्ध आनंद से भर देने की खूबसूरती है और हमें वह हासिल करने के लिए प्रेरित करती है जिसमें हम विश्वास करते हैं। जलवायु कार्रवाई समय की मांग है, क्योंकि किसी भी अन्य चीज से अधिक, यह हमारे बच्चों के भविष्य और गुणवत्तापूर्ण जीवन के उनके अधिकारों को प्रभावित कर रही है। वॉलीबॉल की तरह, जलवायु कार्रवाई नीति पर काम करने के लिए सरकार और लोगों दोनों की ओर से एक मजबूत सेवा, उनके बीच ठोस पास और टीम वर्क का एक सहज खेल की आवश्यकता होती है। कोई भी टीम अनुशासित, केंद्रित और काम करने के लिए उत्सुक टीम से बेहतर नहीं है। और, जाहिर है, हम सभी एक ग्रीन वर्ल्ड की ट्रॉफी के लिए खेल रहे हैं।

संपादकीय

हिंदुत्व की परीक्षा का चुनाव

महाराष्ट्र में यह संघ-भाजपा के 'हिंदुत्व' की परीक्षा का चुनाव था। आरएसएस के नेतृत्व में 15, 20, 30, 45 लोगों की छोटी-छोटी करीब 60,000 बैठकें आयोजित की गईं। ऐसा चुनाव-प्रचार अप्रतिम कहा जा सकता है। फोकस हिंदुत्व पर ही था, लिहाजा घर-घर से मतदाताओं और समर्थकों को निकाल कर बूथ तक पहुंचाने का काम एक लक्ष्य, एक संकल्प की तरह किया गया। संघ के काडर ने यह काम लोकसभा चुनाव के दौरान नहीं किया था। काडर नाराज था अथवा तटस्थ रहा या अति विश्वास के मानस में था कि प्रधानमंत्री मोदी के नाम पर मतदान हो ही जाएगा, लिहाजा चुनाव-प्रचार बिखरा-बिखरा सा रहा। उसके नतीजे अब दुनिया के सामने हैं। कमोबेश महाराष्ट्र के चुनाव में फोकस 'बंटेंगे, तो कटेंगे' और 'एक हैं, तो सेफ हैं' पर ही रहा, जो परोक्ष रूप से हिंदुत्व का ही आह्वान किया गया था। संघ ने भी इन नारों को सत्यापित किया। चुनाव-प्रचार के दौरान मकसद और चिंता यह नहीं थी कि कमोबेश भाजपा के कितने विधायक जीत सकते हैं, 100 का आंकड़ा पार होगा या नहीं, अंततः 'महायुति' के पक्ष में बहुमत हासिल होगा अथवा नहीं। बुनियादी चिंता और सरोकार यह था कि चुनाव के दौरान हिंदुत्व कितनी गहराई और व्यापकता में जा सकता है? उससे प्रभावित होकर कितना वोट हिंदुत्व के पक्ष में आ सकता है? महाराष्ट्र में जिस तरह मतदान किया गया और 1995 के बाद पहली बार 65 फीसदी से अधिक मतदान हुआ है, उसके मद्देनजर संघ-भाजपा का आकलन है कि चुनाव में हिंदुत्व का प्रयोग सफल रहा है। भाजपा का मानना है कि यदि वह 100 या उससे अधिक सीटें जीत कर सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर उभरती है, तो सरकार 'महायुति' की ही बनेगी। हिंदुत्व का यह प्रयोग छोटे, सीमित स्तर पर झारखंड में भी किया गया। वहां आदिवासी और घुसपैठ के जरिए हिंदुत्व की बात कही गई और प्रचार किया गया कि आबादी के समीकरण नहीं बदलने चाहिए। बहरहाल चुनाव के बाद जो अनुमान सामने आए हैं, उनमें ज्यादातर के आकलन यही हैं कि महाराष्ट्र में भाजपा-महायुति सरकार बन सकती है। वैसे 'एग्जिट पोल' अपनी साख, सर्वेक्षण क्षमता और विश्वसनीयता खो चुके हैं, क्योंकि लोकसभा चुनाव से लेकर हरियाणा के जनादेश तक उनके आकलन बिल्कुल गलत और विपरीत साबित हुए हैं। फिर भी पेशेवर तौर पर जो अनुमान सार्वजनिक हुए हैं, उन्हें एकदम खारिज नहीं किया जा सकता। कुछ अनुमान ऐसे भी हैं कि महाराष्ट्र में 'महाविकास अघाड़ी' और झारखंड में झामुमो गठबंधन के पक्ष में बढ़त है। हमने कांग्रेस के स्तर पर भी जानकारी जुटाई थी। खुद कांग्रेस का मानना है कि महाराष्ट्र में उसका स्ट्राइक रेट 60 फीसदी के आसपास रह सकता है, जबकि झारखंड में उसने पूरा दायित्व झामुमो को दे रखा था। कांग्रेस लगभग निष्क्रिय थी। अलबत्ता कांग्रेस का मानना है कि संविधान, जातीय जनगणना आदि विधानसभा चुनाव के दौरान भी प्रमुख मुद्दे बने रहे। दरअसल संघ-भाजपा 1990 के 'हिंदुत्व' मुद्दे को नए सिरे से जीवित करना चाहते हैं। हालांकि प्रभु राम का भव्य मंदिर अयोध्या में बन चुका है और शेष निर्माण भी जारी है। अब मथुरा की श्रीकृष्ण जन्मभूमि और काशी में विश्वनाथ कॉरिडोर का विस्तार और ज्ञानवापी मस्जिद से हिंदू मंदिर को कानूनन वापस लेना आदि हिंदुत्व के नए आधार हैं। दिलचस्प यह है कि केंद्र के साथ-साथ अधिकतर राज्यों में भाजपा-एनडीए सरकारें हैं, लिहाजा वे विकास का दावा भी कर सकते हैं। प्रधानमंत्री मोदी की कई योजनाओं की राष्ट्रव्यापी सार्थकता साबित हुई है। देश का बड़ा भाग आज भी प्रधानमंत्री के तौर पर मोदी का समर्थन कर रहा है। हालांकि देश पर करीब 200 लाख करोड़ रुपए का कर्ज है।

आरएसएस के नेतृत्व में 15, 20, 30, 45 लोगों की छोटी-छोटी करीब 60,000 बैठकें आयोजित की गईं। ऐसा चुनाव-प्रचार अप्रतिम कहा जा सकता है। फोकस हिंदुत्व पर ही था, लिहाजा घर-घर से मतदाताओं और समर्थकों को निकाल कर बूथ तक पहुंचाने का काम एक लक्ष्य, एक संकल्प की तरह किया गया। संघ के काडर ने यह काम लोकसभा चुनाव के दौरान नहीं किया था। काडर नाराज था अथवा तटस्थ रहा या अति विश्वास के मानस में था कि प्रधानमंत्री मोदी के नाम पर मतदान हो ही जाएगा, लिहाजा चुनाव-प्रचार बिखरा-बिखरा सा रहा। उसके नतीजे अब दुनिया के सामने हैं। कमोबेश महाराष्ट्र के चुनाव में फोकस 'बंटेंगे, तो कटेंगे' और 'एक हैं, तो सेफ हैं' पर ही रहा, जो परोक्ष रूप से हिंदुत्व का ही आह्वान किया गया था। संघ ने भी इन नारों को सत्यापित किया। चुनाव-प्रचार के दौरान मकसद और चिंता यह नहीं थी कि कमोबेश भाजपा के कितने विधायक जीत सकते हैं, 100 का आंकड़ा पार होगा या नहीं, अंततः 'महायुति' के पक्ष में बहुमत हासिल होगा अथवा नहीं।

ब्रिटिश साम्राज्यवादियों की कुटिल नीतियों से उसी सप्त सिन्धु क्षेत्र का बहुत बड़ा भूभाग हिन्दुस्तान से अलग हो गया था

गुरु तेग बहादुर की सीख आज भी प्रासंगिक

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

भारत की सांस्कृतिक महत्ता को देखते हुए आज यूरोप और यूरोप का मसीहा अमेरिका भारत के लिए उन्हीं कुटिल नीतियों में लगा हुआ है। पहले यह काम इंग्लैंड करता था, आज उसकी नई उगी चार दूसरी आंखें सक्रिय हो गई हैं। इस पृष्ठभूमि में गुरु तेग बहादुर जी का अमर बलिदान आज इक्कीसवीं सदी में भी हमारा मार्गदर्शन कर सकता है। अशान्ति की अव्यवस्था का यह वातावरण सन-1500 से 1700 तक व उससे आगे के इतिहास का स्मरण है। परन्तु इस काल की एक सौभाग्यशाली आश्चर्यजनक बात यह रही कि इस लम्बे काल में अत्याचारों व संघर्षों की कहानी समानान्तर चलती रही।

नवंबर मास दशगुरु परंपरा के नवम गुरु श्री तेग बहादुर जी के अमर बलिदान का मास है। उन्होंने विदेशी साम्राज्य की मानव विरोधी नीतियों का सामना करते हुए स्वेच्छा से बलिदान दिया था। इसलिए वे हिंद की चादर कहलाए। जिस सप्त सिन्धु क्षेत्र को दशगुरु परम्परा में सर्वाधिक प्रभावित किया था, वही सप्त सिन्धु क्षेत्र सबसे ज्यादा पददलित था और उसी क्षेत्र ने मुगल सत्ता का सर्वाधिक विरोध किया था। बाद में ब्रिटिश साम्राज्यवादियों की कुटिल नीतियों से उसी सप्त सिन्धु क्षेत्र का बहुत बड़ा भूभाग हिन्दुस्तान से अलग हो गया था। भारत की सांस्कृतिक महत्ता को देखते हुए आज यूरोप और यूरोप का मसीहा अमेरिका भारत के लिए उन्हीं कुटिल नीतियों में लगा हुआ है। पहले यह काम इंग्लैंड करता था, आज उसकी नई उगी चार दूसरी आंखें सक्रिय हो गई हैं। इस पृष्ठभूमि में गुरु तेग बहादुर जी का अमर बलिदान आज इक्कीसवीं सदी में भी हमारा मार्गदर्शन कर सकता है। अशान्ति की अव्यवस्था का यह वातावरण सन-1500 से 1700 तक व उससे आगे के इतिहास का स्मरण है। परन्तु इस काल की एक सौभाग्यशाली आश्चर्यजनक बात यह रही कि इस लम्बे काल में अत्याचारों व संघर्षों की कहानी समानान्तर चलती रही। प्रत्येक काल खण्ड में मुगलों के इन अत्याचारों व अन्यायों को ललकारने वाला कोई न कोई आता रहा। फिर चाहे उसे शीश कटवाना पड़ा, चाहे बालू पर तपना पड़ा। बाबर से प्रारम्भ हुए मुगल शासन के साथ ही पंजाब में गुरुओं की परम्परा प्रारम्भ हुई, जिसने प्रत्येक स्तर पर मुसलमानों का सामना किया। आध्यात्मिक स्तर पर भी और सैनिक स्तर पर भी। इस परम्परा के पहले गुरु नानक देव जी बाबर के समकालीन थे और अन्तिम व दशम गुरु गोबिन्द सिंह जी औरंगजेब के समकालीन थे। गुरु नानक ने तो वास्तव में आध्यात्मिक क्षेत्र में ही विचार मन्थन किया था, परन्तु ज्यों-ज्यों मुगल शासकों के अत्याचार बढ़ते गए, त्यों-त्यों पंजाबियों में अध्यात्मवाद के साथ-साथ शौर्यवाद व सैनिकवाद भी प्रवेश पा गया। मुगल राजाओं द्वारा भी गुरुओं पर क्रूरता का चक्र तेजी से चलता रहा। ऐतिहासिक गुरु परम्परा में नवें स्थान पर श्री गुरु तेगबहादुर जी का नाम आता है। गुरु तेगबहादुर जी भी गुरु

परम्परा को निभाते हुए शोषित व निम्न वर्गों के लिए सारी आयु संघर्ष करते रहे। शासकों के अन्याय तथा अत्याचारों के विरुद्ध गुरु तेग बहादुर जी सदा छाती ठोककर खड़े होते रहे। दलितों के लिए गुरु जी सदा तत्पर रहते थे। दुःखी जनों के कष्ट निवारणार्थ गुरु तेगबहादुर जी सदा आगे रहे। देश के जिस कोने से भी गुरु जी ने दलितों की पुकार, दुःखियों की आह सुनी, तुरन्त गुरु जी वहां उपस्थित हुए। उत्तर हो या दक्षिण, पूर्व हो या पश्चिम, जिस स्थान पर भी भारत के लोगों को मुसलमानों ने संतप्त किया, वहीं उन्हें गुरु जी की तेग की धार सहनी पड़ी। समाज भलाई के इस कार्य में गुरु जी ने गृहस्थी के मोह व घरबार की बातों को कभी मार्ग में नहीं आने दिया। सम्पूर्ण हिन्दुस्तान अशान्त था। अत्याचारों का दौर चल रहा था। धर्म परिवर्तन का चक्र अपने पूरे वेग से घूम रहा था। इस्लाम का कवच धारण करने पर ही रक्षा सम्भव थी। हिन्दू विरोधी इस वातावरण से हिन्दू विचलित हो गया। परन्तु फरियाद किसके आगे करे? कौन सहोदरघाती औरंगजेब को चुनौती दे सकेगा? कौन पिता के हत्यारे औरंगजेब को ललकार सकेगा? औरंगजेब का विकराल शासन तन्त्र चल रहा था पूरे जोर से, पूरे वेग से। कश्मीर के ब्राह्मण अत्याचारों से पीड़ित होकर आनंदपुर आए, गुरु तेगबहादुर जी के पास फरियाद लेकर, औरंगजेब के पापों का हिसाब लेकर। पिता के पास पुत्र भी बैठा था। वह इन ब्राह्मणों को उत्सुकता के साथ देख रहा था। ब्राह्मणों ने अत्याचारों की लम्बी गाथा बताई। अकल्पनीय अत्याचारों की यथार्थता का बोध कराया। धर्म परिवर्तन की मदान्धता का वेग बताया। हिन्दू जाति पर हो रहे अत्याचारों को सुनकर गुरु तेग बहादुर गम्भीर हो गए। आंखें अपने आप बन्द हो गईं। गम्भीर विचार में लीन हो गए। गोबिन्दराय एकटक उनके मुख की ओर देखते रहे। एक क्षण, दो क्षण, तीन क्षण, गोबिन्दराय ने मौन तोड़ा, 'पिताजी आप इतने चिन्तित क्यों हो गए हैं? हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचारों को सुनकर आप मौन क्यों हो गए हैं। बोलिए पिताजी।' पुत्र वाणी सुनकर पिता ने धीरे-धीरे आंखें खोली। चेहरा तेज से अभिभूत हो रहा था। सम्पूर्ण दृष्टि पुत्र के मुख पर जमाते हुए पिता बोले, 'नहीं बेटा, मैं मौन नहीं था। परन्तु इन अत्याचारों को बन्द करवाने के लिए किसी महान आत्मा के बलिदान की आवश्यकता है, किसी महान आत्मा के।' 'तो आपसे महान कौन हो सकता है पिताजी?' गोविन्दराय एकदम बोल उठा, बिना एक क्षण का विलम्ब किए। पिता जिस बात को इतने समय से सोच रहे थे, पुत्र ने एक क्षण में उसका निर्णय कर दिया। पिता ने पुत्र को छाती से लगा लिया। इस समय गोबिन्दराय की आयु केवल साढ़े आठ वर्ष की थी। इतनी कम आयु में इतने महान त्याग का उदाहरण इतिहास में नहीं मिलता। इस दुर्दान्त एवं भयावह संकट काल में सिक्ख जाति का सम्पूर्ण उत्तरदायित्व गोबिन्दराय के सशक्त कन्धों पर छोड़कर नगरवासियों को धैर्य बंधाकर गुरु तेगबहादुर जी दिल्ली की ओर चल पड़े। वह दिल्ली, जहां से औरंगजेब का खूनी शासन चहुं दिशाओं में फैलता था। जहां से अत्याचारों की अग्नि प्रज्वलित होकर सम्पूर्ण भारत को झुलसा रही थी। इन्द्रप्रस्थ (दिल्ली) कभी धर्मपरायण पांडवों की राजधानी रहा, आज वह म्लेच्छों की आसुरी क्रीड़ा का प्रांगण बना हुआ था। असुरों से लोहा लेने गुरु तेगबहादुर जी दिल्ली पहुंच गए। 11 मार्गशीर्ष सम्वत 1723 (नवम्बर 1675) को दिल्ली के चांदनी चौक में औरंगजेब ने गुरु जी को शहीद करवा दिया। इतिहास के एक अध्याय का अंत हो गया, लेकिन संघर्षों के कई लम्बे अध्यायों का मार्ग वह खोल गया। गुरु तेग बहादुर जी का बलिदान आज भी भारतवासियों को सीख देता है। उनके विचार आज भी प्रासंगिक हैं। बलिदानों की यह परंपरा जारी रखते हुए उनके पुत्र गुरु गोबिंद सिंह जी ने भी भारतीय समाज, हिंदू धर्म और भारतीय राष्ट्र के लिए काफी कुछ किया। उनके दो पुत्र मुगलों से लड़ाई में शहीद हो गए, तो दो को जिंदा ही दिवारों में चिनवा दिया गया।

दृष्टि कोण

पास-पड़ोस से गायब हो रहीं किराना दुकानें

अमेरिका में नये राष्ट्रपति चुने जाने के बाद इस मुद्दे पर खूब सारी चर्चा हुई कि भारत के साथ उसके संबंध कैसे रहेंगे। दिलचस्प है कि विशेषज्ञों के बीच कूटनीतिक और रक्षा मसलों पर थोड़ी मत भिन्नता जरूर दिखी, पर आर्थिक मुद्दों पर ज्यादातर की राय एक जैसी थी। इसकी बड़ी वजह यह है कि भारत दुनिया के लिए आज भी बड़ा बाजार है। उपभोक्ताओं के मामले में हम काफी आगे हैं और कई भावी संभावनाओं से भी लैस हैं। यही नहीं, उपभोग की भारतीय परंपरा और प्रवृत्ति भी बाजार को भाती है। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के मुताबिक भारत का सतत उपभोक्ता सामान बाजार वित्त वर्ष 2029-30 तक पांच लाख करोड़ रुपये का हो जाएगा और 2027 तक हम दुनिया का चौथा सबसे बड़ा बाजार होंगे। इससे देश के भीतर एक नई स्थिति भी पैदा हो रही है। क्विक कॉमर्स की शक्ल में घर तक उपभोक्ता वस्तुओं की खरीद ने भारत की पारंपरिक बाजार व्यवस्था को पूरी तरह बदलकर रख दिया है। भारत की घरेलू बाजार व्यवस्था किस तेजी के साथ बदल रही है, वह इस बात से समझा जा सकता है कि बीते एक साल में कम से कम दो लाख किराना स्टोर या पड़ोस के छोटे रिटेल आउटलेट बंद हो चुके हैं। यह तथ्य इसी माह आल इंडिया कंज्यूमर प्रोडक्ट्स डिस्ट्रीब्यूटर्स फेडरेशन (एआईसीपीडीएफ) के अध्ययन में सामने आया है। इसके मुताबिक, भारतीय उपभोक्ता तेजी से ब्लिंकिट, ओटीपी और जेप्टो जैसे ऑनलाइन डिलीवरी प्लेटफार्मों की ओर रुख कर रहे हैं। यह अध्ययन देश के करीब 1.3 करोड़ ऐसे स्टोर के साथ किया गया है, जो किराना और पर्सनल केयर के सामान बेचते हैं। अध्ययन बताता है कि बंद होने वाले स्टोर्स में 45 प्रतिशत महानगरों के हैं। टियर 1 शहरों के 30 और टियर 2 व 3 शहरों के 25 प्रतिशत स्टोर्स बंद हुए हैं। क्विक कॉमर्स फर्म ग्राहक को लुभाने के लिए प्रीडेटरी प्राइसिंग या भारी छूट दे रही हैं और लागत से कम दाम पर बेच रही हैं। इसने एक अनफेयर प्लेइंग फील्ड बना दिया है, जिससे ग्राहक बेस और किराना स्टोरों की मुनाफे की क्षमता गिर रही है। भारत में बाजार और समाज का एक साझा चरित्र भी है, जो हमारे रोजमर्रा की जिंदगी में साफ तौर पर उभरता है। कस्बे-मोहल्ले से लेकर पास-पड़ोस में खुले किराना दुकानों की सबसे बड़ी ताकत उनकी सामाजिक विश्वसनीयता और आत्मीय व्यवहार रहा है। लेकिन यह सब मुनाफे और बचत की नई बाजार व्यवस्था में औंधे मुंह गिर रही है। कायदे से नई बन रही स्थिति ने हमारे घर-परिवार और समाज को नए तरह से गढ़ना शुरू कर दिया है। इस स्थिति का ज्यादा गहराई से अध्ययन किया जाना चाहिए कि बाजार के साथ जुड़े हमारे सामाजिक संबंध और सरोकार अगर कमजोर पड़ते हैं, तो इसका असर हमारे विचार और स्वभाव में क्या पड़ेगा। ऐसी ही कुछ चिंताओं को ध्यान में रखते हुए हिंदुस्तान यूनिलीवर, डाबर इंडिया और नेस्ले इंडिया सहित प्रमुख कंपनियों के चार लाख खुदरा वितरकों का प्रतिनिधित्व करने वाली देश की सबसे बड़ी संस्था एआईसीपीडीएफ ने इस संबंध में वित्त, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय से मांग की है कि वह इस बदलाव को गहनता से देखे-समझे और नियंत्रित करे। वैसे तो भारत के रिटेल बाजार के स्वरूप और प्रसार में परिवर्तन कोई नई बात नहीं है। बीते दो-ढाई दशकों में इस बारे में कई सारे तथ्य सामने आए हैं और नई बन रही स्थितियों के साथ भारतीय उपभोक्ता समाज लगातार अभ्यस्त भी होता जा रहा है। लेकिन बीते एक दशक में जो रुझान सामने आए हैं, वे चौंकाते हैं। वैसे भी ये बदलाव ऐसे समय में हुआ है जब भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) पहले से ही कथित स्ट्रेटेजिक प्राइसिंग और अन्य अनुचित प्रथाओं के लिए ऑनलाइन कॉमर्स प्लेयर्स की जांच कर रहा है। सीसीआई ने एक आंतरिक रिपोर्ट में पाया कि ई-कॉमर्स की प्रमुख कंपनियों अमेजॉन इंडिया और फ्लिपकार्ट ने अपने प्लेटफॉर्म पर चुनींदा विक्रेताओं को वरीयता देकर तय दिशा-निर्देशों का उल्लंघन किया है। साफ है कि हमारे पास-पड़ोस में किराना दुकानों के कुछ बचे-खुचे साइनबोर्ड हैं, वे भी अगले कुछ समय में उतर जाएंगे। ऐसे में भारतीय उद्योग और व्यापार जगत की यह चिंता मायने रखती है कि क्विक कॉमर्स फर्मों की आर्थिक रचना की जांच की जाए। कथित प्रीडेटरी प्राइसिंग जैसी रणनीति से आगे बढ़ने वाली इन फर्मों के लिए दिशानिर्देश तो बनने ही चाहिए, इस बारे में कानूनी चुस्ती भी जरूरी है। इस लिहाज से वित्त मंत्री का यह आश्वासन महत्वपूर्ण है कि सरकार क्विक कॉमर्स और ई-कॉमर्स प्लेयर्स की स्ट्रेटेजिक प्राइसिंग से नुकसान उठाने वाले कारोबारियों के हितों की रक्षा के लिए गंभीरता से विचार करेगी।

कुछ अलग

छिलकों की छाबड़ी

रविवार का दिन था। आराम से शेव बना रहा था। पत्नी ने दरवाजे से आवाज लगाई- 'अजी सुनते हो, चुनाव वाले आए हैं।' मैंने कहा- 'कौनसे वाले हैं?' पत्नी ने कहा-'सफेद टोपी वाले हैं।' मैं बोला- 'इनसे कह दो इनकी तो हवा चुनाव से पहले ही निकल गई। महंगाई और भ्रष्टाचार से जनता का बुरा हाल है।' पत्नी बोली -'ये आपको कन्विंस करना चाहते हैं।' मैंने कहा-'मैं कन्विंस हूं। किसी और को बेवकूफ बनाएं।' शेव बनाकर मुंह धो ही रहा था कि पत्नी की आवाज फिर आई-'अजी सुनते हो! केसरिया गमछे वाले आए हैं।' मैं बोला-'इनसे कह दो पहले शौचालय और देवालय का मसला हल कर लें, इसके बाद में देखेंगे। अभी मैं बिजी हूं।' पत्नी बोली-'इनका कहना है कि इनके पास साफ-सुथरा प्रधानमंत्री है। देश को सुधार देंगे।' मैं बोला-'पहले अपनी अंतर्कलह सुलझाएं, बाद में आना।' पत्नी की आवाज फिर नहीं आई, शायद वे भी चले गए थे। बिस्तर पर फालतू लेटकर अपनी चिंताओं में निमग्न था। तभी पत्नी की आवाज आई-'अजी सुनते हो, लाल टोपी वाले आए हैं। इनका कहना है कि हम सद्भाव का वातावरण बना रहे हैं। देश में शान्ति की गारंटी दे रहे हैं।' मैं बोला- 'हां......हां...... इनका सद्भाव देख लिया। साम्प्रदायिक हिंसा में मरने वालों का हिसाब कौन देगा। इनकी साइकिल पहले ही पंक्चर पड़ी है। अगले मकान की बेल बजाएं। मैं आराम कर रहा हूं।' पत्नी ने कहा-'थोड़ा सा सोल्यूशन चाहते हैं, दे दो न!' मैं बोला-'अपना काम करो। खामख्वाह दरवाजे से चिल्ला रही हो। क्यों बेकार में मेरा और अपना वक्त बरबाद कर रही हो?' मैंने पत्नी को डांटा तो वे भी चले गए। घंटा भर बीता होगा कि पत्नी ने फिर हांक लगाई-'अजी सुनते हो, 'आप' वाले केजरीवाल जी खुद आए हैं।' मैंने कहा-'इनसे कह दो इतनी ईमानदारी की आवश्यकता नहीं है। दो पैसे रिश्वत के लाता हूं तो घर चलता है। पहले दिल्ली में प्याज और बिजली सस्ती करा दें। बाद में बात करेंगे।' पत्नी बोली- 'अजी इनका कहना है कि एक बार मिल तो लें। देश में सब ठीक-ठाक होने की बात कह रहे हैं।' मैं बोला-'मैंने कहा न, मुझे ईमानदारी की बात करने वाला वन परसेंट भी अच्छा नहीं लगता।' उन्होंने मेरी बात पर ध्यान नहीं दिया और वे जबरन अंदर चले आए। आते ही बोले-'शर्मा जी, हमारी भी तो सुनो। देश में झाडू लगाकर गंदगी को साफ कर देंगे।' मैं बोला-'ठीक है श्रीमान, लेकिन आपकी बातों में आ जाऊं तो भूखों मर जाऊंगा। मेरा तो घर ही रिश्वत-कमीशन से चलता है।' केजरीवाल जी ने अपना सिर पकड़ लिया और वे बिना कुछ बोले घर से निकल गए। मैंने भी राहत की सांस ली और पुनः सोफे पर लुढक़ गया। आधे घंटे बाद पत्नी ने फिर कहा-'अजी सुनते हो, निर्दलीयजी आए हैं।' मैं झल्लाकर बोला-'इन्हें बैठाओ और तुम यहां आओ।' उन्हें बैठाकर पत्नी मेरे पास आ गई। मैं बोला-'मैं बोलता-बोलता थक गया हूं। मैंने कागज के एक पुर्जे पर 'कोई योग्य नहीं' लिखा और पत्नी से कहा-'यह उन्हें थमाकर विदा करो।' पत्नी चली गई और मैं आराम से नींद में सो गया। थोड़ी देर बाद पत्नी की आवाज आई-'अजी सुनते हो, चुनाव वाले आए हैं!' मैं हड़बड़ाकर उठ बैठा। पत्नी हंसकर बोली- 'घबराओ नहीं, अब कोई नहीं आएगा। आप तो दोपहर की चाय पी लो।' मैंने राहत की सांस फिर ली और चाय सुडक़ने लगा।

देश दुनीया से

पूर्व विद्यार्थी स्कूल को देंगे खेल मैदान

केंद्रीय खेल मंत्रालय का भारतीय खेल प्राधिकरण अन्य राज्यों के साथ-साथ हिमाचल प्रदेश में भी युवा सेवाएं एवं खेल विभाग के साथ मिलकर हर साल करोड़ों रुपए नए खेल मैदानों को बनाने व पुराने मैदानों के रखरखाव के लिए जारी करता है, मगर उसके लिए स्कूल या किसी समिति के नाम जमीन होना भी जरूरी है। पहाड़ में शिक्षा संस्थानों के पास जमीन की कमी आम देखी जा सकती है। मंडी जिला के धर्मपुर उपमंडल के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल टिहरा के पूर्व विद्यार्थियों ने जमीन खरीद कर स्कूल को खेल मैदान बनाने का संकल्प लिया है। स्कूल के साथ लगती जमीन को खरीद कर उसमें मैदान बनाने की योजना की रूपरेखा तैयार हो रही है। छह दशक पहले भी हाई स्कूल बनाने के लिए स्थानीय जनता ने काफी आर्थिक सहयोग किया था। शिक्षा का अर्थ मानव के सर्वांगीण विकास से है, यानी मनुष्य शारीरिक व मानसिक रूप से इतना सशक्त होना चाहिए कि वह जीवन में आने वाली कठिनाइयों पर सफलतापूर्वक विजय प्राप्त कर खुशहाल व स्वस्थ जिंदगी जी सके। इसलिए विद्यार्थी जीवन में किताबी ज्ञान के साथ-साथ फिटनेस के स्तर में सुधार करना भी बेहद अनिवार्य है। किसी भी शिक्षा संस्थान का परिसर उसके खेल मैदानों से ही पहचाना जाता है कि वह किस स्तर का है। बिना खेल मैदानों के शिक्षा संस्थान की कल्पना भी बेमानी है। मंजिल चाहे खेलों की हो या फिटनेस की, इन सब के लिए खेल मैदानों का होना बहुत जरूरी है। विद्यार्थी जीवन में ही पूरे जीवन के लिए स्वास्थ्य की नींव रखी जाती है, मगर हमारे विद्यालयों में खेल मैदानों के अभाव में विद्यार्थी की फिटनेस का कोई भी कार्यक्रम नहीं है। हिमाचल प्रदेश का अधिकांश भूभाग पहाड़ी होने के कारण मैदानों के लिए बहुत मुश्किल से लंबी-चौड़ी जगह मिल पाती है। इसलिए हिमाचल प्रदेश के शिक्षा संस्थानों के पास बहुत कम खेल मैदान हैं और जहां हैं भी, उन्हें कभी भवन तो कभी पार्किंग बना कर यूं ही बरबाद किया जा रहा है। हिमाचल प्रदेश के अधिकतर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों के मैदानों में विज्ञान के लिए प्रयोगशाला भवन, तो कभी किसी और के लिए भवन बना कर खत्म कर दिया है। धर्मपुर उपमंडल की टिहरा उप तहसील के अंतर्गत क्षेत्र में वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय टिहरा के खेल मैदान में विज्ञान के लिए प्रयोगशाला भवन भारी विरोध के बावजूद बना दिया गया। पूरा क्षेत्र अवाहदेवी से लेकर गद्दीधार तक रिज पर बसा है। चलने के लिए सडक़ है, वही खेल मैदान व पार्क का काम करती है। इस क्षेत्र में वालीबॉल व कबड्डी की प्ले फील्ड होना भी बड़ी बात है। यहां पर पहले ढगवाणी विद्यालय के मैदान में जल शक्ति विभाग ने पम्प हाऊस बना दिया और अब टिहरा विद्यालय के मैदान में विज्ञान प्रयोगशाला। दूसरी तरफ इसी क्षेत्र के चोरथला, कांगो का गहरा व कमलाह स्कूल के मैदानों के लिए लाखों रुपए दिए हैं, मगर वहां भी सब आधा-अधूरा है। हिमाचल प्रदेश सरकार इस विषय पर ध्यान दे, ताकि भविष्य में विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान के साथ-साथ स्वास्थ्य भी मिल सके। एक समय था जब विद्यार्थी सवेरे-शाम अपने अभिभावकों के साथ कृषि कार्य में हाथ बंटाता था, फिर कई किलोमीटर पैदल चल कर विद्यालय पहुंचता था। उस समय किसी भी फिटनेस कार्यक्रम की जरूरत नहीं थी। मगर आज जब पढ़ाई के लिए घर का काम बंद, पैदल चलने का रिवाज ही नहीं है तथा खेल के नाम पर मोबाइल व कम्प्यूटर है तो फिर फिटनेस के लिए खेल मैदान तो अनिवार्य हो जाता है, नहीं तो फिर हमारी संतानें कहीं नशे के दलदल में फंस जाएंगी। उस उच्च शिक्षा का क्या अर्थ रह जाता है जिससे आप प्रशासनिक अधिकारी, कर्मचारी, अभियंता, चिकित्सक, प्रबंधक तो बन जाते हैं, मगर आप स्वस्थ रह कर साठ वर्षों तक देश व प्रदेश की सेवा नहीं कर पा रहे हैं। अब तो लोग तीस-चालीस साल की उम्र में जानलेवा बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। इस सबके पीछे जिम्मेदार बिना फिटनेस कार्यक्रम की स्कूली शिक्षा है। फिटनेस के इस संवेदनशील विषय पर इस कॉलम के माध्यम से सरकार व अभिभावकों को बार-बार सचेत किया जाता रहा है। हिमाचल प्रदेश के अधिकांश विद्यालयों में पढने के लिए कमरे तो हैं, मगर उनकी फिटनेस के लिए कोई भी कार्यक्रम नहीं है। मैदान होंगे तो तभी फिटनेस पर कार्य होगा। हिमाचल प्रदेश का शिक्षा विभाग निजी शिक्षा संस्थान खोलने के लिए तो मैदान की अनिवार्य शर्त रखता है, मगर अपने सरकारी संस्थानों के मैदानों में भवन व पार्किंग बना कर अपने ही नियमों को ठेंगा दिखा रहा है। अभी भी समय है हिमाचल प्रदेश की जनता व सरकार दोनों को विद्यार्थी जीवन में फिटनेस कार्यक्रम के महत्व को समझना होगा, नहीं तो भविष्य में हमारी अगामी पीढियां हमें कभी माफ नहीं करेंगी। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आज खेल जगत में बहुत कड़ी प्रतिस्पर्धा हो गई है। इसलिए उत्कृष्ट खेल प्रर्दशन करने पर भी पोडियम तक पहुंचना सबके बस की बात नहीं है। अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं की पदक तालिका में स्थान बनाने के लिए जहां विद्यालय स्तर से ही अच्छे ज्ञानवान प्रशिक्षक चाहिएं, वहीं पर प्ले फील्ड भी बहुत जरूरी है। हिमाचल प्रदेश के खेल मैदानों व अन्य हाल ही के वर्षों में बनी अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्ले फील्ड का रखरखाव भी ठीक ढंग से नहीं हो रहा है। हिमाचल प्रदेश के पास आज से दो दशक पहले तक खेल ढांचे के नाम पर सैंकड़ों साल पहले राजा-महाराजाओं द्वारा मेले व उत्सवों के लिए बनाए गए, उंगलियों पर गिने जाने वाले कुछ मैदान चंबा, मंडी, अमतर, सुजानपुर, जयसिंहपुर, कुल्लू, अनाडेल, रोहडू, सराहन, सोलन, चैल व नाहन में बनाए थे। इन मैदानों पर हिमाचल प्रदेश की खेल गतिविधियां कई दशकों से मेलों व उत्सवों से बचे समय में होती रही हैं। सुजानपुर व जयसिंहपुर के बड़े मैदानों पर तो पहले ही बहुत अतिक्रमण हो चुका है। अब मंडी के पड्डल मैदान का भी हाल अच्छा नहीं है। सरकाघाट महाविद्यालय के खेल मैदान में मिट्टी के सैंकड़ों ट्रक डाल कर डंपिंग साईट बना दिया है।

आप का नजरीया

जीवाष्म ईंधन से खतरे

आजकल अजरबैजान की राजधानी बाकू में जीवाष्म ईंधन के उत्सर्जन पर अंकुश के लिए कॉप-29 शिखर सम्मेलन चल रहा है। इस देश में यह सम्मेलन इसलिए आयोजित है, क्योंकि यहां तापमान के लगातार बढने और हिमखंडों के पिघलने के चलते तटीय बस्तियां डूबने की आशंकाएं जताई जा रही हैं। अतएव यहां का बंदरगाह, तेल खनन क्षेत्र और तटीय बस्तियां कई कि.मी. दूर तक डूब जाने की आशंका है। यह शंका तब और बढ़ गई, जबसे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चुन लिए गए हैं। क्योंकि ट्रंप जीवाष्म ईंधन के प्रबल पक्षधर रहे हैं। इसलिए वे पर्यावरण संकट को कोई खतरा न मानते हुए इसे पर्यावरणविदों द्वारा खड़ा किया गया एक हौवा भर मानते हैं। ट्रंप और उनके समर्थक नेताओं का समूह अधिकतम जीवाश्म ईंधन पैदा करने की वकालत करते रहे हैं। इधर ब्राजील में चल रहे संपन्न देशों के संगठन जी-20 में भी इस संकट से निपटने के लिए पूंजीपति देशों से आर्थिक मदद की गुहार का कोई परिणाम निकलता नहीं दिख रहा है। अतएव बाकू सम्मेलन में निराशा के चलते दुनिया के अस्तित्व पर मंडराते बहुआयामी खतरों से निपटने की उम्मीद कम ही है। जलवायु सम्मेलन कॉप-29 में कोयले, तेल और गैस अर्थात जीवाष्म ईंधन का उपयोग धीरे-धीरे खत्म करने की पैरवी पर्यावरण विज्ञानी कर रहे हैं, जिससे बढ़ते वैश्विक तापमान को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक केंद्रित किया जा सके। अनेक देशों ने 2030 तक दुनिया की नवीनीकरण योग्य ऊर्जा को बढ़ाकर तीन गुना करने के सुझाव दिए हैं। इसके अंतर्गत अक्षय ऊर्जा के प्रमुख स्रोत सूर्य, हवा और पानी से बिजली बनाना है। इस सिलसिले में प्रेरणा लेने के लिए ऊरुग्वे जैसे देश का उदाहरण दिया गया, जो अपनी जरूरत की 98 फीसदी ऊर्जा इन्हीं स्रोतों से प्राप्त करता है। लेकिन यह एक अपवाद है, हकीकत यह है कि यूक्रेन और रूस तथा इजरायल और हमास के बीच चलते भीषण युद्ध के कारण कोयला जैसे जीवाष्म ईंधन से ऊर्जा उत्पादन का प्रयोग बढ़ा है और बिजली उत्पादन के जिन कोयला संयंत्रों को बंद कर दिया गया था, उनका उपयोग फिर से शुरू हो गया है। 2018 ऐसा वर्ष था, जब भारत और चीन में कोयले से बिजली उत्पादन में कमी दर्ज की गई थी। नतीजतन भारत पहली बार इस वर्ष के 'जलवायु परिवर्तन प्रदर्शन सूचकांक' में शीर्ष दस देशों में शामिल हुआ था। वहीं अमेरिका सबसे खराब प्रदर्शन करने वाले देशों में शामिल हुआ था। स्पेन की राजधानी मैड्रिड में कॉप-25 जलवायु परिवर्तन सम्मेलन में यह रिपोर्ट जारी की गई थी। रिपोर्ट के अनुसार 57 उच्च कार्बन उत्सर्जन वाले देशों में से 31 में उत्सर्जन का स्तर कम होने के रुझान इस रिपोर्ट में दर्ज थे। इन्हीं देशों से 90 प्रतिशत कार्बन का उत्सर्जन होता रहा है। इस सूचकांक ने तय किया था कि कोयले की खपत में कमी सहित कार्बन उत्सर्जन में वैश्विक बदलाव दिखाई देने लगे हैं। इस सूचकांक में चीन में भी मामूली सुधार हुआ था। नतीजतन वह तीसवें स्थान पर रहा था।

भारत को विश्व की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने पर हो रहा काम : राव नरबीर सिंह

गुड़गांव चैंबर ऑफ कॉमर्स इंडस्ट्री के प्रतिनिधिमंडल ने उद्योग मंत्री से की भेंट

गुरुग्राम (हिंस)। हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य तथा पर्यावरण मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि हरियाणा में सकारात्मक सोच के साथ औद्योगिक इकाइयों के विकास के लिए समन्वित प्रयास जाएंगे। प्रदेश में उद्योगों के विकास के लिए अनुकूल नीतियों और वातावरण के साथ प्रशासनिक स्तर पर भी सहयोगात्मक भाव रहेगा। कैबिनेट मंत्री ने यह बात शनिवार को गुड़गांव चैंबर ऑफ कॉमर्स इंडस्ट्री के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात के दौरान कही। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व चैंबर के फाउंडर प्रेसिडेंट पी. के जैन ने किया। इस भेंट में उद्योगों के हित में सरकार द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया गया। इस दौरान उद्योगों की समस्याओं, नियमों के सरलीकरण, रोजमर्रा के कार्यों में आने वाली समस्याएं आदि पर भी विस्तार से चर्चा की गई। राव नरबीर सिंह ने प्रतिनिधिमंडल से चर्चा करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की साख में अप्रत्याशित रूप से वृद्धि हुई है। विकास में समग्रता को अपनाया गया है। भारत विश्व की पांचवीं बड़ी

अर्थव्यवस्था है। सरकार इस पर तेजी से काम कर रही कि भारत विश्व की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बन सके। उन्होंने कहा कि इस महत्वपूर्ण यात्रा में हरियाणा प्रदेश व प्रदेश में स्थापित औधोगिक इकाइयों का भी प्रमुख योगदान रहेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में नए निवेश को आकर्षित करके और मौजूदा निवेशों को पोषित करके रोजगार सृजन, कौशल विकास और सतत विकास पर जोर देने के साथ औद्योगिक विकास को नए सिरे से जोर देने पर बल दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार और उद्योग एक दूसरे के पूरक है। इन दोनों की सहभागिता से ही राज्य का विकास संभव है। कैबिनेट मंत्री ने इस दौरान प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि उद्योगों की मांगों और सुझावों पर गंभीरता से विचार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि उद्योग और सरकार को कंधे से कंधा मिलाकर कार्य करना होगा ताकि प्रदेश की अर्थव्यवस्था और मजबूत हो सके। हरियाणा की मौजूदा सरकार उद्योगों के विकास के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रखती है और भविष्य में भी इसे प्राथमिकता देगी। प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात के दौरान भेंट के दौरान यह भी निर्णय लिया गया कि उद्योग नीति और उससे संबंधित मुद्दों पर उद्योग जगत के साथ विशेष बैठक आयोजित की जाएगी। गुड़गांव चैंबर ऑफ कॉमर्स इंडस्ट्री के सदस्यों ने मंत्री राव नरबीर द्वारा उद्योगों के प्रति दिखाए गए सकारात्मक दृष्टिकोण के लिए धन्यवाद दिया और भविष्य में सहयोग जारी रखने का आश्वासन दिया। प्रतिनिधिमंडल में विकास जैन (प्रेसिडेंट), अरुण खन्ना, सुनील सभरवाल, डीडी गोयल, मोहित मलिक, एसके आहूजा, और बीना सोडी जैसे प्रमुख सदस्य शामिल रहे।

राजस्थान शिक्षक संघ : राज्य स्तरीय शैक्षिक सम्मेलन को लेकर की चर्चा

जोधपुर (हिंस)। राजस्थान शिक्षक संघ प्रगतिशील की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक बेगराज खोथ की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में राजस्थान के विभिन्न जिलों से प्रतिनिधि शामिल हुए। कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष परसराम तिवाड़ी ने बताय ाकि बैठक में राजस्थान शिक्षक संघ प्रगतिशील के 17 व 18 जनवरी को आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय शैक्षिक सम्मेलन को लेकर चर्चा की गई। सम्मेलन के संयोजक राम लुभाया तिन्ना, उपसंयोजक उग्रसेन सहारन, सम्मेलन सचिव ओमप्रकाश नांदीवाल, उपसचिव रणजीत गोदारा को नियुक्त किया गया। बैठक में अनूपगढ़ जिले में महिला शिक्षक के साथ मारपीट एवं अभद्र व्यवहार की थाने में रिपोर्ट होने के बावजूद भी कार्रवाई न होना, इसी प्रकार पूरे प्रदेश में लोक सेवकों के साथ समाज कंटकों, प्रभावशाली लोगों द्वारा राजनीतिक संरक्षण में प्रताड़ित करने पर निंदा की गई। तमाम कर्मचारी संगठनों एवं महासंघ से अपील करते हुए वक्ताओं ने कहा कि पदों की लोलुपता को छोड़कर फूट और बिखराव को समेट कर आत्म सम्मान को बचाना होगा। लोक सेवकों के आत्म गौरव, आत्म सम्मान से ही समाज को रचनात्मक दिशा मिलेगी। बैठक में ओपीएस को यथावत रखने, स्थाई स्थानांतरण नीति बनाने, शैक्षिक गुणवत्ता के लिए कार्य योजना, शैक्षिक सम्मेलन को अन्य छुट्टियों के साथ न करने, प्रत्येक शिक्षक के लिए सम्मेलन की उपस्थिति या विद्यालय खोलने की अनिवार्यता की जाने, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी की भर्ती करने, 2007 के प्रबोधकों को वेतन विसंगति, एनटीटी टीचर्स को शिक्षक के समान वेतनमान देने, महात्मा गांधी विद्यालयों में नियुक्त संविदा

कर्मियों को स्थाई करने और भविष्य में संविदा के स्थान पर स्थाई नियुक्तियां करने, विद्यालयों में कुक कम हेल्पर आंगनवाड़ी कार्मिक का मानदेय बढ़ाने, नियमित पदोन्नति, स्टाफिंग पैटर्न के अनुसार नियमित पदों का सृजन, रिक्त पदों पर नियमित भर्ती, उच्च माध्यमिक विद्यालयों में हिंदी व अंग्रेजी के व्याख्याता के पद सृजित करने, शिक्षकों को गैर शैक्षिक कार्यों से मुक्ति देने, प्रत्येक ब्लॉक पर शिक्षक समस्या समाधान शिविर लगाने संबंधी बिंदुओं पर विचार विमर्श किया गया। बैठक को बेगराज खोथ, वरिष्ठ उपाध्यक्ष रामनिवास पाराशर,जोगिंदर मोठसरा, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं सरक्षक गिरीश शर्मा मुख्य महामंत्री हरिकिशन यादव, राममूर्ति स्वामी, राम लुभाया तिन्ना, रघुनंदन शर्मा महामंत्री मुख्यालय प्रमोद गुप्ता, अखिलेश शर्मा, शिशपाल आर्य, राजाराम स्वामी, नरेंद्र पूनिया, आकाशदीप बिश्नोई, मुकेश सारस्वत, हरिराम खिलेरी, नारायण मेघवाल, नरेंद्र बरनावा ने विचार व्यक्त किए।

राजस्थान हाईकोर्ट : सात साल से जेल में बंद गैंगस्टर आनंदपाल के भाई को मिली जमानत

जोधपुर (हिंस)। गैंगस्टर आनंदपाल सिंह के भाई रूपेंद्र पाल सिंह उर्फ विक्की को राजस्थान हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। राजस्थान हाईकोर्ट ने रूपेंद्र पाल सिंह उर्फ विक्की को पुलिस थानाधिकारी पर फायरिंग के मामले में जमानत दे दी है। हाईकोर्ट ने 50 हजार के निजी मुचलके और 25-25 हजार रुपए की दो जमानतों पर रुपेंद्रपाल सिंह को रिहा करने के आदेश दिए हैं। रूपेंद्र पाल को 2016 में डीडवाना जिले के जसवंतगढ़ थाने में दर्ज मामले में जमानत दी गई। इस मामले में आरोप है कि आनंदपाल सिंह और उसके साथियों ने सांवराद गांव में जसवंतगढ़ थानाधिकारी लादू सिंह पर फायरिंग की थी। इसमें वे घायल हो गए थे। इस मामले में आनंदपाल सिंह के भाई रूपेंद्र पाल सिंह को भी आरोपी बनाया गया था। इस मामले में रुपेंद्र पाल सिंह पर हत्या का प्रयास, आर्म्स एक्ट और सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने सहित अनेक धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। मामले में रूपेंद्र पाल सिंह पिछले 7 सालों से जेल में बंद था। मामले को लेकर डीडवाना कोर्ट में कई बार जमानत की अपील लगाई गई, लेकिन कोर्ट ने खारिज कर दी। उसके बाद रूपेंद्र पाल सिंह ने हाईकोर्ट में अपील की। इसके तहत जस्टिस कुलदीप माथुर ने रूपेंद्र पाल सिंह की जमानत याचिका को मंजूर कर आदेश जारी कर दिए। हाईकोर्ट ने 50 हजार के निजी मुचलके और 25-25 हजार रुपए की दो जमानतों पर रूपेंद्र पाल सिंह को रिहा करने के आदेश दिए हैं। इस मामले में रूपेंद्र पाल की ओर से एडवोकेट चेतनसिंह मामरोली ने पैरवी की। उल्लेखनीय है कि रूपेंद्र पाल सिंह उर्फ विक्की गैंगस्टर आनंदपाल सिंह का छोटा भाई है। रुपेंद्रपाल सिंह जेल से बाहर आएगा या नहीं ? इस पर अभी संशय है। उस पर अनेक गंभीर अपराधों के दर्जनों मुकदमे दर्ज हैं। उस पर भी डीडवाना, लाडनूं, जसवंतगढ़, सरदारशहर सहित विभिन्न जिलों के अनेक पुलिस थानों में एक दर्जन से अधिक मामले दर्ज हैं। इन मामलों में हत्या का प्रयास, मारपीट, अपहरण, आर्म्स एक्ट सहित विभिन्न धाराओं के अंतर्गत मामले चल रहे हैं।

विस उप चुनाव : राजस्थान की सात में से पांच पर भाजपा, एक पर बीएपी और एक पर कांग्रेस जीती

जयपुर (हिंस)। राजस्थान उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने रिकॉर्ड जीत हासिल की है। प्रदेश की सात सीटों पर हुए उपचुनाव में से पांच सीटें- झुंझुनूं, खींवसर, देवली-उनियारा, सलूंबर, रामगढ़ भारतीय जनता पार्टी ने जीती हैं। एक सीट चौरासी पर भारतीय आदिवासी पार्टी (बीएपी) और दौसा में कांग्रेस के दीनदयाल बैरवा जीते हैं। यहां भाजपा ने रीकाउंटिंग की मांग की है। इस सीट पर मंत्री किरोड़ीलाल मीणा के भाई जगमोहन मीणा ने भाजपा उम्मीदवार के तौर पर अपनी किस्मत आजमाई। खींवसर से कांग्रेस प्रत्याशी डॉ. रतन चौधरी की जमानत जब्त हो गई है। खींवसर में हनुमान बेनीवाल की पत्नी कनिका बेनीवाल को भाजपा के रेवंतराम डांगा ने 13 हजार से ज्यादा वोटों से हराया है। इसी तरह सलूंबर विधानसभा क्षेत्र के आखिरी राउंड में बाजी पलट गई और भाजपा की शांता मीना ने जीत दर्ज की। शांता ने बीएपी प्रत्याशी जितेश कुमार कटारा को शिकस्त दी है। चुनाव आयोग ने झुंझुनू, देवली-उनियारा, खींवसर, सलूंबर (एसटी), चौरासी (एसटी) के नतीजे घोषित कर दिए हैं जबकि दौसा और रामगढ़ के नतीजे अभी घोषित नहीं किए हैं। प्रदेश में 5 सीटों पर विधायकों के सांसद बनने और दो सीटों पर विधायकों की मृत्यु हो जाने के कारण उपचुनाव कराए गए थे। 2023 में हुए विधानसभा चुनाव में इन सीटों में से चार कांग्रेस, एक भाजपा, एक भारतीय आदिवासी पार्टी तथा एक राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के पास थी। दौसा विधानसभा सीट से कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा के भाई जगमोहन मीणा हार गए हैं। झुंझुनूं विधानसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी राजेंद्र भांबू, देवली-उनियारा में भाजपा के राजेंद्र गुर्जर, रामगढ़ से भाजपा प्रत्याशी सुखवंत सिंह जीते है। वहीं चौरासी विधानसभा सीट से भारतीय आदिवासी पार्टी (बीएपी) प्रत्याशी अनिल कुमार कटारा ने बाजी मारी है। झुंझुनूं सीट कांग्रेस हार गई है। 21 साल बाद पार्टी ने यहां हार का स्वाद चखा है। इससे पहले 2003 में सुमित्रा सिंह यहां से जीती थीं। इसके बाद से यह सीट कांग्रेस के कब्जे में है। यह झुंझुनूं के इतिहास की सबसे बड़ी जीत है। खींवसर में आरएलपी और भाजपा के बीच कड़ी टक्कर रही थीं। यहां आरएलपी सुप्रीमो हनुमान बेनीवाल की पत्नी कनिका बेनीवाल चुनाव मैदान में थी। यह सीट आरएलपी के हारने के बाद अब पार्टी के पास राजस्थान में एक भी विधायक नहीं है। दौसा से मंत्री किरोड़ीलाल मीणा को तगड़ा झटका लगा है। यहां से उनके भाई जगमोहन मीणा हार गए हैं। किरोड़ी ने लोकसभा चुनाव में भी भाई को टिकट दिलाने की कोशिश की थी। थप्पड़ कांड से चर्चा में आई देवली-उनियारा सीट पर निर्दलीय नरेश मीणा दूसरे और कांग्रेस के केसी मीणा तीसरे नंबर पर रहे हैं। नरेश मीणा ने ही एसडीएम को थप्पड़ मारा था। सलूंबर विधानसभा क्षेत्र में आखिरी राउंड से पहले तक बीएपी के जितेश कुमार कटारा आगे चल रहे थे। आखिरी राउंड की गिनती के साथ ही भाजपा प्रत्याशी शांता देवी मीना के खाते में सीट आ गई।

रामगढ़ उपचुनाव भाजपा के सुखवंत जीते, वन मंत्री ने गले लग दी बधाई

अलवर (हिंस)। रामगढ़ विधानसभा उपचुनाव का सेहरा भाजपा के सुखवंत सिंह के सिर बंधा है। 22वें राउंड की गिनती के बाद सुखवंत ने करीब 13,614 वोटों से जीत दर्ज की। हालांकि, अभी फाइनल आंकड़े आना बाकी हैं। उनकी जीत के बाद बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और समर्थक कॉलेज के बाहर इकट्ठा हुए और खुशी का जश्न मनाया। इस दौरान जमकर आतिशबाजी हुई और कार्यकर्ताओं ने ढोल-नगाड़ों के साथ उत्सव मनाया। वहीं, 20 राउंड की मतगणना में भाजपा की बढ़त को देखते हुए कांग्रेस के प्रत्याशी आर्यन जुबेर मतगणना स्थल से बाहर चले गए। उन्होंने कहा कि जनता का निर्णय मान्य है और उन्हें जनता का भरपूर प्यार मिला। सुबह 8 बजे मतगणना शुरू हुई और दिनभर कांग्रेस और भाजपा प्रत्याशियों के बीच कड़ी टक्कर चलती रही। कभी कोई आगे होता तो कभी कोई। दोपहर 12:30 बजे के बाद भाजपा ने बढ़त बनाना शुरू किया और अंत तक इसे बरकरार रखा। रामगढ़ विधानसभा उपचुनाव में कुल 10 प्रत्याशी मैदान में थे। इनमें सुखवंत सिंह (भाजपा), आर्यन जुबेर (कांग्रेस), विजय सिंह (निर्दलीय), सुमन मजोका (आजाद समाज पार्टी - कांशीराम), रमेश (इंडियन पीपल्स ग्रीन पार्टी), देशबंधु (आम नागरिक युवा पार्टी), जयसिंह (निर्दलीय), रामसिंह कसाना (निर्दलीय), अनूप कुमार (निर्दलीय) और मुकेश कुमार चौधरी (निर्दलीय) शामिल थे। हालांकि, सुमन मजोका ने भाजपा को समर्थन दिया, जिससे मुख्य मुकाबला नौ प्रत्याशियों के बीच सिमट गया। जीत की सूचना के बाद भाजपा प्रत्याशी सुखवंत सिंह मतगणना

स्थल पहुंचे। उनके साथ जिलाध्यक्ष अशोक गुप्ता, जय आहूजा, पूर्व विधायक जयराम जाटव, रिंकी वर्मा, जितेंद्र शर्मा सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे। बाबू शोभाराम कला महाविद्यालय में मतगणना को देखते हुए पुलिस और प्रशासन ने चौकस व्यवस्था की। जेल चौराहे से लेकर आर्ट्स कॉलेज ओवरब्रिज तक पूरे रास्ते पर पुलिसकर्मी तैनात रहे और आमजन का आवागमन बंद रहा। इसके कारण पूरा इलाका सुनसान नजर आया। कॉलोनियों में जाने वाले मार्गों को भी बैरिकेड लगाकर बंद कर दिया गया। मतगणना केंद्र के अंदर भी पुलिसकर्मी तैनात रहे। कुल 21 टेबल पर मतगणना हुई, जिनमें ईवीएम के लिए 13 टेबल, पोस्टल बैलेट के लिए 5 टेबल और ईटीपीबीएस के लिए 3 अतिरिक्त टेबल लगाई गई थीं। सुरक्षा की त्रि-स्तरीय व्यवस्था का नेतृत्व एसपी संजीव नैन ने किया। उनके निर्देशन में पुलिस पूरी तरह मुस्तैद रही। मतगणना के दौरान जिला कलेक्टर और एसपी पूरी स्थिति पर नजर बनाए हुए थे। एडीएम शहर बीना महावर भी मतगणना केंद्र पर लगातार मॉनिटरिंग करती रहीं। रामगढ़ विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में कुल 2,74,445 मतदाता हैं। इनमें से 2,06,633 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग किया, जिसमें 1,08,027 पुरुष और 98,606 महिला मतदाता शामिल हैं।

गरिमामयी ढंग से मनाया जाएगा संविधान दिवस : हितेश मीणा

गुरुग्राम (हिंस)। देश के लोगों को संविधान के बारे में जागरुक करने के लिए 26 नवंबर का दिन संविधान दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। संवैधानिक मूल्यों की जानकारी देश के हर नागरिक को हो इसके लिए संविधान दिवस के अंतर्गत जिला गुरुग्राम के ग्रामीण क्षेत्रों सहित जिला मुख्यालय पर 26 नवंबर को संविधान दिवस थीम के साथ जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। एडीसी हितेश कुमार मीणा ने संबंधित अधिकारियों को संविधान दिवस के सफल आयोजन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इससे पहले हरियाणा सरकार में मुख्य सचिव विवेक जोशी ने प्रदेश भर के उपायुक्त व विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर से वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से बातचीत करते हुए रूपरेखा सांझा की। एडीसी ने बताया कि इसी दिन देश ने संविधान को स्वीकार किया था जिसके चलते सामाजिक न्याय मंत्रालय ने 19 नवंबर 2015 को फैसला लेते हुए हर साल 26 नवंबर को देश में संविधान दिवस मनाने का निर्णय लिया।

विस उपचुनाव : बरनाला सीट पर आप को भारी पड़ी बगावत

भाजपा प्रत्याशियों ने भुगता अध्यक्ष की निष्क्रियता का खामियाजा

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब में शनिवार को चार विधानसभा क्षेत्रों के उपचुनाव परिणाम ने प्रदेश के राजनीतिक समीकरण बदल दिए हैं। चुनाव परिणाम का एलान होने से ठीक एक दिन पहले ही मुख्यमंत्री भगवंत मान ने प्रदेश अध्यक्ष का पद छोड़ते हुए कैबिनेट मंत्री अमन अरोड़ा को प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया था। पंजाब में जिन चार सीटों पर उपचुनाव हुआ है वह विधायकों के सांसद बनने के कारण रिक्त हुई थीं। सामान्य चुनाव में इन चार में से तीन सीटों पर कांग्रेस के विधायक थे। आज आए परिणाम में यह समीकरण बदल गया है। बरनाला में कांग्रेस के कुलदीप सिंह काला ढिल्लों को जीत मिली है। यह सीट संगरूर से सांसद बने गुरमीत सिंह मीत हेयर का गढ़ रही है। वह लगातार 2 बार यहां से चुनाव जीते थे, लेकिन इस बार अपने करीबी को टिकट दिलाने के चक्कर में पार्टी में फूट पड़ गई। बरनाला सीट पर आप को टिकट वितरण के बाद गुरदीप बाठ की बगावत से उपचुनाव में नुकसान हुआ। बाठ ने टिकट न मिलने पर निर्दलीय चुनाव लड़ा। उन्हें चुनाव में 16 हजार 899 वोट मिले, जबकि आप उम्मीदवार की हार का अंतर करीब दो हजार वोटों का रहा। यहां से कांग्रेस के कुलदीप सिंह काला ढिल्लों जीते, जिन्हें 28,254 वोट मिले। दूसरे नंबर पर रही आआपा के हरिंदर सिंह धालीवाल को 26,097 तथा भाजपा के केवल सिंह ढिल्लों को 17 हजार 958 वोट मिले। उपचुनाव वाली चारों सीटों पर भाजपा को झटका लगा है। वह किसी भी सीट पर दूसरे नंबर स्थान तक नहीं आ सकी। गिद्दड़बाहा सीट से दो बार के वित्तमंत्री रहे मनप्रीत बादल तीसरे नंबर पर रहे। उन्हें बादल परिवार की विरासत का भी फायदा नहीं मिला। बरनाला में 2 बार के विधायक रहे केवल ढिल्लो भी हार गए। वह तीसरे नंबर पर रहे। डेरा बाबा नानक और चब्बेवाल में भी भाजपा बुरी तरह से पिछड़ गई। भाजपा प्रत्याशियों ने यह चुनाव अपने बल पर लड़ा है। इस उपचुनाव में पार्टी की तरफ से कोई भी शीर्ष नेता यहां प्रचार के लिए नहीं भेजा गया। प्रदेश अध्यक्ष सुनील जाखड़ की निष्क्रियता के चलते भाजपा प्रत्याशियों को यहां हार मिली है। सामान्य चुनाव जीतने के बाद उपचुनाव हारने वाली कांग्रेस को परिवारवाद ले डूबा। यहां पार्टी ने पुराने कार्यकर्ताओं की अनदेखी करते हुए विधायक से सांसद बने सुखजिंदर सिंह रंधावा की पत्नी जतिंद्र कौर रंधावा को डेराबाबा नानक से तथा लुधियाना से सांसद बने अमरिंदर सिंह राजा वडिंग की पत्नी अमृता वडिंग को गिद्दड़बाहा से टिकट दी थी। टिकट आवंटन के साथ ही यहां कांग्रेस का विरोध हुआ और परिवारवाद के आरोप खुलेआम लगे। कार्यकर्ताओं की अनदेखी के चलते कांग्रेस अपनी पुरानी सीटों को भी उपचुनाव में नहीं बचा पाई।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने एनडीए की शानदार जीत पर जश्न मनाया

फारबिसगंज/अररिया (हिंस)। आज महाराष्ट्र में एनडीए की शानदार जीत बिहार में चारों विधानसभा चुनाव में एनडीए की जीत और उत्तर प्रदेश में एनडीए की जीत पर अररिया जिला एनडीए के कार्यकर्ताओं ने अररिया के चांदनी चौक पर एकत्रित होकर के जश्न मनाया। इस मौके पर उपस्थित अररिया जिला के सांसद प्रदीप कुमार सिंह, अररिया जिला परिषद के अध्यक्ष जद यू नेता आफताब अजीम, अररिया विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी राष्ट्रीय परशुराम परिषद के अध्यक्ष अजय कुमार झा, भारतीय जनता पार्टी के अररिया जिला के अध्यक्ष आदित्य नारायण झा सहित बड़ी संख्या में एनडीए के कार्यकर्ता मौजूद होकर पटाखा छोड़ा एक दूसरे को मिठाई खिला के खुशी का इजहार किया।

यूपी की नौ में से सात सीटों पर जीत के बाद भाजपा दफ्तर पहुंचे सीएम योगी

लखनऊ (हिंस)। उत्तर प्रदेश की नौ विधान सभा सीटों पर हुए उपचुनाव में पार्टी की जीत के बादमुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को लखनऊ स्थित भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय पहुंचे। कार्यकर्ताओं के साथ जीत की खुशी में शामिल हुए। एक दूसरे को मिठाई खिलाई और आतिशबाजी की। इस मौके पर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी के साथ ही दोनों उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, केशव प्रसाद मौर्य समेत अन्य नेता मौजूद रहे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में कहा कि आज का दिन अत्यंत महत्वपूर्ण है। विधानसभा चुनावों के साथ उपचुनावों के नतीजे आए हैं। भाजपा गठबंधन ने उप्र में 7 सीटों पर जीत दर्ज की है। इसका श्रेय प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन को जाता है। पीएम मोदी के नेतृत्व पर जनता जनार्दन की मुहर है। मोदी की नीतियां और निर्णय देश समाज के लिए अनुकूल हैं। भाजपा के सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को बधाई। सभी विजयी प्रत्याशियों को बधाई। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि विरासत और विकास का समन्वय प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व मिला है। सपना आज हकीकत में नजर आ रहा है। 7 सीटों पर यूपी की जीत पीएम मोदी के अभियान को समर्पित है। जीत देने के लिए जनता का आभार है। यह चुनाव सपा और इंडी

गठबंधन की लूट और झूठ की समाप्ति की उद्घोषणा है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में अभूतपूर्व जनादेश मिला है। राम के आराधक पीएम मोदी के विचारों की विजय हुई है। बाबा साहेब का अपमान करने वालों को जवाब मिला है। तभी कहता हूं बटेंगे तो कटेंगे एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे। कुंदरकी की जीत पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि लोगों को अपना गोत्र कुल और समाज याद आ गया होगा। इसी से आप अंदाजा लगाइए कि समाजवादी पार्टी का क्या होने वाला है। इस मौके पर प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह, जलशक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह, मंत्री दारा सिंह चौहान, जेपीएस राठौर, प्रदेश मशामंत्री गोविंद नारायण शुक्ला समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

झारखंडकी तरह बिहार में भी जीतेंगे आगामी विधान सभा चुनाव : अजीत शर्मा

भागलपुर (हिंस)। झारखंड विधान सभा चुनाव में इंडिया गठबंधन की जीत पर भागलपुर के विधायक अजीत शर्मा ने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन, झारखंड प्रदेश कांग्रेस के नेताओं एवं सहयोगी दलों को बधाई दी है। विधायक शर्मा ने कहा कि मैं झारखंड चुनाव में धनबाद लोक सभा क्षेत्र के विधान सभा क्षेत्रों का पर्यवेक्षक था। विपरीत परिस्थितियों के बाद भी वहां की तीन विधान सभा चुनाव में इंडिया गठबंधन को जीत मिली है। झारखंड की शानदार विजय ने यह साबित कर दिया है कि बिहार और झारखंड की जनता भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी के झांसे में नही आने वाली है। हम झारखंड की तरह बिहार में भी आगामी विधान सभा चुनाव जीतेंगे। महाराष्ट्र विधान सभा चुनाव में इंडिया गठबंधन को मिली पराजय से आत्ममंथन की आवश्यकता है। दरअसल महाराष्ट्र की मतदाता बंटोगे

तो कटोगे जैसे सांप्रदायिक नारे के झांसे में आ गई और भाजपा वहां वोटों के सांप्रदायिक ध्रुवीकरण में सफल रही है जो लोकतंत्र के लिए एक खतरनाक संदेश है। झारखंड चुनाव की विजय पर प्रदेश कांग्रेस के प्रतिनिधि डॉ. अभय आनन्द, विपिन बिहारी यादव, सोईन अंसारी, रवि कुमार, अब्दुल सरवर कुरैशी उर्फ मिंटू इत्यादि ने भी इस विजय पर राहुल गांधी, हेमन्त सोरेन और इंडिया गठबंधन के नेताओं को बधाई दी है।

आसियान-भारत वस्तु व्यापार समझौता समिति की बैठक नई दिल्ली में संपन्न

एआईटीआईजीए संयुक्त समिति की छठी बैठक नई दिल्ली में हुई आयोजित

नई दिल्ली

आसियान-भारत वस्तु व्यापार समझौता (एआईटीआईजीए) संयुक्त समिति की छठी बैठक राजधानी नई दिल्ली में संपन्न हो गई। बैठक में नेताओं ने 2025 तक वार्ता पूरी करने के लिए शीघ्र समीक्षा प्रक्रिया का आग्रह किया। ये बैठक नई दिल्ली के वाणिज्य भवन में आयोजित की गई थी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने शनिवार को जारी एक बयान में कहा कि एआईटीआईजीए संयुक्त समिति की 21 से 22 नवंबर तक चली दो दिवसीय बैठक की सह-अध्यक्षता भारत के वाणिज्य मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव राजेश अग्रवाल और मलेशिया के निवेश, व्यापार तथा उद्योग मंत्रालय की उप-महासचिव (व्यापार) मस्तूरा अहमद मुस्तफा ने की। बैठक में भारत और सभी 10 आसियान सदस्य देशों ब्रुनेई, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओस, मलेशिया, म्यांमार, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड और वियतनाम के प्रतिनिधि शामिल हुए। मंत्रालय के मुताबिक एआईटीआईजीए समीक्षा वार्ता के इस दौर से पहले दो उच्च स्तरीय बैठकें हुई थीं, जिसमें सितंबर 2024 में 21वीं आसियान-भारत आर्थिक मंत्रियों की बैठक और अक्टूबर 2024 में 21वीं आसियान-भारत शिखर बैठक शामिल हैं। ये दोनों बैठक वियनतियाने लाओस में हुई थी। उल्लेखनीय है कि आसियान एक समूह के तौर पर भारत के प्रमुख व्यापार भागीदारों में से एक है, जिसकी भारत के वैश्विक व्यापार में करीब 11 फीसदी हिस्सेदारी है। वित्त वर्ष 2023-24 में द्विपक्षीय व्यापार 121 अरब डॉलर था, जो अप्रैल-अक्टूबर 2024 के दौरान 5.2 फीसदी की वृद्धि के साथ 73 अरब अमरीकी डॉलर तक पहुंच गया।

न्यूज़ ब्रीफ

गुजरात के जीएसटी विभाग ने 3.53 करोड़ की कर चोरी पकड़ी, कंपनियां वास्तविक आय को छिपा रही थीं

अहमदाबाद । गुजरात राज्य जीएसटी विभाग ने सात वाणिज्यिक संस्थाओं की तलाशी के दौरान 3.53 करोड़ रुपये की कर चोरी का पता लगाया। एक अधिकारी ने कहा कि ये कंपनियां वास्तविक आय को छिपा रही थीं, बिना चालान के बिक्री कर रही थीं और कर देनदारी को कम करके दिखा रही थीं। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि राज्य में उपभोक्ताओं के साथ लेनदेन करने वाली संस्थाओं (बी2सी) द्वारा माल और सेवा कर (जीएसटी) की चोरी की आशंका में सात परिसरों में तलाशी ली गई थी। बयान में कहा गया कि इन फर्मों में अहमदाबाद के दो बैटरी डीलर, डांग जिले के वाघई में चार तंबाकू डीलर और नाडियाड के खेड़ा शहर में एक सैलून शामिल हैं।

आईआईएफसीएल की 60 करोड़ डॉलर जुटाने एडीबी, कोरियाई बैंक से चल रही बातचीत

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र की इंडिया इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस कंपनी लिमिटेड (आईआईएफसीएल) 60 करोड़ अमेरिकी डॉलर जुटाने के लिए एशियाई विकास बैंक (एडीबी) और कोरियाई एक्जिम बैंक के साथ बातचीत कर रही है। आईआईएफसीएल ने कहा कि वह इस राशि का इस्तेमाल अपने निवेशक आधार को बढ़ाने और उधार लेने की लागत कम करने के लिए करेगी। आईआईएफसीएल के प्रबंध निदेशक पीआर जयशंकर ने यहां निवेशक सम्मेलन में कहा कि बातचीत अग्रिम चरण में है और समझौते पर दिसंबर में हस्ताक्षर हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि आईआईएफसीएल एक बार में पूरे 60 करोड़ अमेरिकी डॉलर उधार लेने की इच्छुक है। हालांकि इतनी धनराशि की उपलब्धता उधार देने वाली एजेंसी पर निर्भर है। ऐसे में चालू वित्त वर्ष के दौरान लगभग 20 करोड़ करोड़ डॉलर आ सकते हैं और बाकी राशि 2025-26 में आएगी ।

भारतीयों को ब्रांड भारत बनाने पश्चिम के फरमानों पर ध्यान केंद्रित नहीं करना चाहिए: सीतारमण

बेंगलुरु । केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इंडिया आइडियाज कॉन्क्लेव 2024 में कहा कि अगर हम 'ब्रांड भारत' बनाना चाहते हैं, तो हमें सही क्या है, इस बारे में पश्चिम के फरमानों पर ध्यान नहीं देना चाहिए। उन्होंने कहा कि हम हजारों साल से वस्तुओं का उत्पादन कर रहे हैं, शोषण की बात कभी नहीं उठी और अचानक एक पारंपरिक उद्योग जैसे, मान लीजिए, कालीन बनाने के काम के लिए, आपको पश्चिम के खरीदारों से एक फरमान आया कि आप इन कालीनों को बनाने के लिए बच्चों का उपयोग कर रहे हैं। हम इसे आपसे नहीं खरीदेंगे। सीतारमण ने कहा कि भारत में परिवार बच्चों को स्कूली शिक्षा से वंचित किए बिना शिल्पकार बनाने में लगे हुए हैं, क्योंकि जब तक शिल्प बहुत कम उम्र में नहीं सीखा जाता है, एक शिल्पकार कभी इसमें महारत हासिल नहीं कर सकता। ऐसे में हमें खड़े होकर कहना होगा कि हम उनकी शिक्षा का ख्याल रखते हैं। उन्होंने कहा कि बेहतर नैतिक उत्पादन के लिए जिस तरह के कदम उठाने की जरूरत है, वे हमारी तरफ से अपने आप होने चाहिए, न कि पश्चिमी फरमानों के जारी होने के बाद किए जाने चाहिए। सीतारमण ने यह भी कहा कि हमारे मंदिरों और हमारे प्रतिष्ठित पर्यटन केंद्रों का महत्व अभी की तुलना में बहुत अधिक होना चाहिए। लोगों को यह बताने की जरूरत है कि प्राचीन काल से ही विज्ञान में भारत की ताकत अटूट रही है। सीतारमण ने कहा कि भारत के पास सुश्रुत संहिता जैसे प्राचीन ग्रंथों की बदौलत ज्ञान का समृद्ध भंडार है। ये प्राचीन भारत के ब्रांड हैं, जिनका हम आज भी उल्लेख करते हैं।

सेंसेक्स और निफ्टी में सप्ताह भर रही तेजी, सेंसेक्स 79,117 पर और निफ्टी 23,907 पर बंद

मुंबई

इस सप्ताह बैंकिंग शेयरों में खरीदारी, आईटी इंडेक्स में तेजी और एफएमसीजी इंडेक्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, पीएसयू बैंक शेयरों में खरीदारी की वजह से शेयर बाजार में तेजी देखी गई। बुधवार 20 नवंबर को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव की वजह से घरेलू शेयर बाजार में कारोबार नहीं हुआ, जिससे इस सप्ताह केवल चार दिन ही शेयर बाजार खुले रहे। विदेशी फंडों की लगातार निकासी, आईटी शेयरों में बिकवाली और अमेरिकी बाजारों से कमजोर संकेत के कारण सोमवार को शुरुआती कारोबार में इक्विटी बेंचमार्क सूचकांक फिर फिसल गए। बीएसई सेंसेक्स 511 अंक गिरकर 77,058 पर खुला और 241.30 अंक गिरकर 77,339.01 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 50 162 अंक गिरकर 23,370 पर खुला और 78.90 अंक गिरकर 23,453.80 पर बंद हुआ। मंगलवार को बेंचमार्क सूचकांकों में तेजी से उछाल आया और सात सत्रों की गिरावट थम गई, इस दौरान एसएंडपी बीएसई सेंसेक्स 1044.89 अंक बढ़कर 78,383.90 पर खुला और 239.38 अंक की बढ़त के साथ 77,578.38 अंक पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी 50 304.50 अंक बढ़कर 23,758.30 पर खुला और 64.70 अंक की बढ़त के साथ 23,518.50 अंक पर बंद हुआ। अदाणी समूह के शेयरों में भारी गिरावट और विदेशी फंड के निरंतर निकासी के बीच गुरुवार को शुरुआती कारोबार में इक्विटी बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट आई। शुरुआती कारोबार में बीएसई का सेंसेक्स 468.17 अंक गिरकर 77,110.21 अंक पर खुला और 422.59 अंक गिरकर 77,155.79 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 179.75 अंक गिरकर 23,338.75 अंक पर खुला और 168.60 अंक गिरकर 23,349.90 पर बंद हुआ। वैश्विक बाजारों से मिलेजुले संकेतों के बावजूद सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन सुबह की शुरुआत में सेंसेक्स 750 अंक की तेजी के साथ 77,920 के स्तर पर खुला और 1,961.32 अंक चढ़कर 79,117.11 पर बंद हुआ। निफ्टी 230 अंक तेज होकर 23,580 के स्तर पर खुला और 23,900 अंकों के पार 557.35 अंकों की बढ़त के साथ 23,907.25 पर बंद हुआ।

देश के विदेशी मुद्रा भंडार में 17.76 अरब डॉलर की गिरावट, पिछले सप्ताह यह भंडार 6.47 अरब डॉलर घटकर 675.65 अरब डॉलर था

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार देश का विदेशी मुद्रा भंडार समाप्त सप्ताह में 17.76 अरब डॉलर घटकर 657.89 अरब अमेरिकी डॉलर रहा। पिछले सप्ताह यह भंडार 6.47 अरब डॉलर घटकर 675.65 अरब डॉलर था। सितंबर के अंत में भंडार 704.88 अरब डॉलर के उच्चस्तर पर था, फिर से उसमें पिछले कई हफ्तों से गिरावट आई है। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार विदेशी मुद्रा भंडार में अहम हिस्सा मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां भी 15.55 अरब डॉलर घटकर 569.83 अरब डॉलर रहीं। इसमें उल्लेखित विदेशी मुद्रा आस्तियां शामिल हैं, जिनमें यूरो, पाउंड, और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राएं होती हैं। साथ ही स्वर्ण भंडार का मूल्य भी 2.07 अरब डॉलर घटकर 65.75 अरब डॉलर रहा और विशेष आहरण अधिकार 9.4 करोड़ डॉलर घटकर 18.06 अरब डॉलर पर रहा। अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) के पास भारत का आरक्षित भंडार भी 5.1 करोड़ डॉलर घटकर 4.25 अरब डॉलर पर आ गया। इन आंकड़ों की छठे संख्याक चिह्न है, जो देश की विदेशी मुद्रा संबंधी स्थिति को दर्शाते हैं।

टेलीकॉम कंपनियों के लिए नए नियम जारी

नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने साइबर सिक्योरिटी बढ़ाने के लिए टेलीकॉम कंपनियों के लिए नए नियम जारी किए हैं। इन नियमों के तहत केंद्र सरकार अपनी किसी एजेंसी के माध्यम से टेलीकॉम कंपनियों से ट्रैफिक डेटा या अन्य डेटा की मांग कर सकती है। यह डेटा संदेशों के कंटेंट के अलावा अन्य किसी फॉर्मेट में हो सकता है और इसे स्टोर और प्रोसेस करने के लिए जरूरी बुनियादी ढांचे की स्थापना की जा सकती है। नए नियमों के अनुसार जिन एजेंसियों को डेटा इकट्ठा करने का अधिकार मिलेगा, उन्हें इसे गोपनीय तरीके से स्टोर करना होगा।

जिन एजेंसियों को डेटा इकट्ठा करने का अधिकार मिलेगा, उन्हें इसे गोपनीय तरीके से स्टोर करना होगा

इसके लिए टेलीकॉम कंपनियों को एक साइबर पॉलिसी अपनानी होगी, जिसमें सिक्योरिटी से संबंधित रिस्क मैनेजमेंट, नेटवर्क टेस्टिंग, ट्रेनिंग और रिस्क असेसमेंट जैसी प्रक्रियाएं शामिल होंगी। टेलीकॉम कंपनियों को अब चीफ टेलिकम्युनिकेशंस सिक्योरिटी ऑफिसर की नियुक्ति करनी होगी। इस अधिकारी का काम सुरक्षा से जुड़ी घटनाओं के दौरान तत्काल उपाय करना होगा। सुरक्षा से जुड़ी किसी भी घटना को केंद्र सरकार को 6 घंटे के भीतर रिपोर्ट करना अनिवार्य होगा। इसके साथ ही घटना की विस्तृत जानकारी जैसे पीड़ित यूजर्स की संख्या, स्थान और घटनाओं का असर भी 24 घंटे के भीतर रिपोर्ट करना होगा। नए नियमों के तहत भारत में बने या आयात किए गए सभी फोन डिवाइस का आईएमईआई नंबर रजिस्टर करना अनिवार्य होगा। इसका उद्देश्य फर्जी डिवाइस और अवैध गतिविधियों को रोकना है।

अब फ्लाइट में देरी होने पर यात्रियों को मिलेगी राहत, यात्रियों को विमान में बैठे रहने की बाध्यता नहीं होगी

नई दिल्ली

सर्दियों में उत्तर भारत में कम विजिबिलिटी के कारण फ्लाइट्स समय पर उड़ान नही भर पाती है। इसलिए अब डायरेक्टरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) ने यात्रियों की इन समस्याओं को कम करने के लिए एयरलाइंस पर सख्ती बढ़ा दी है। फ्लाइट डिले की स्थिति में यात्रियों को सुविधाएं प्रदान करना अनिवार्य कर दिया गया है। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने डीजीसीए के निर्णय की जानकारी साझा की। निर्देशों के अनुसार नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो ने यात्रियों के लिए एक और बड़ी सुविधा दी है। यदि तकनीकी कारणों या खराब मौसम के कारण फ्लाइट में देरी होती है, तो यात्रियों को विमान में बैठे रहने की बाध्यता नहीं होगी। वे एयरपोर्ट पर आराम से इंतजार कर सकते हैं और फ्लाइट तैयार होने पर दोबारा विमान में चढ़ सकेंगे।

डीआरआई ने मुंबई एयरपोर्ट पर 3496 ग्राम कोकीन के साथ एक संदिग्ध को गिरफ्तार किया

मुंबई/नई दिल्ली

राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने एक बड़ी कार्रवाई में मुंबई एयरपोर्ट पर 3496 ग्राम कोकीन के साथ एक संदिग्ध को गिरफ्तार किया है। इस कोकीन का अवैध बाजार में अनुमानित मूल्य करीब 34.96 करोड़ रुपये है।

वित्त मंत्रालय ने शनिवार को जारी बयान में बताया कि एक राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) ने 22 नवंबर को मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सिएरा लियोन से आने वाले एक लाइबेरिया के नागरिक को पकड़ा। यात्री के ट्रॉली बैग की जांच के दौरान डीआरआई अधिकारियों ने पाया कि यह असामान्य रूप से भारी था, जिसकी गहन जांच में दो पैकेट मिले, जिनमें एक सफेद पाउडर जैसा पदार्थ था, जिसे ट्रॉली बैग के नकली तल में बड़ी चालाकी से छिपाया गया था।

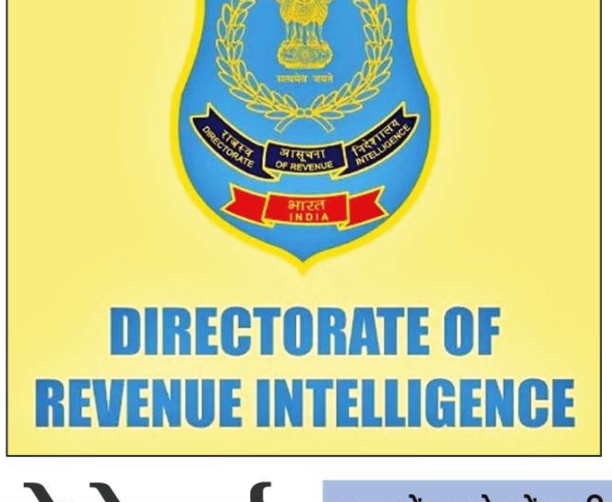

डीआरआई के अनुसार फील्ड परीक्षणों से पुष्टि हुई कि यह पदार्थ कोकीन था, जिसका कुल वजन 3496 ग्राम था, जिसका अनुमानित अवैध बाजार मूल्य करीब 34.96 करोड़ रुपये है। उस यात्री को गिरफ्तार कर लिया गया है। एजेंसी ने कहा कि आगे की जांच जारी है। डीआरआई नशीले पदार्थों की तस्करी के सिंडिकेट को खत्म करने और हमारे नागरिकों को नशीले पदार्थों के खतरे से सुरक्षित रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

महिंद्रा लाइफस्पेस की इकाई सुमितोमो चेन्नई औद्योगिक पार्क में करेगी 225 करोड़ का निवेश

औद्योगिक पार्क वर्तमान में 307 एकड़ से अधिक क्षेत्र में फैला हुआ है

नई दिल्ली

रियल एस्टेट कंपनी महिंद्रा लाइफस्पेस डेवलपर्स लिमिटेड की अनुषंगी कंपनी और जापान सुमितोमो कॉरपोरेशन तमिलनाडु में अपनी मौजूदा औद्योगिक पार्क परियोजना के विस्तार के लिए करीब 225 करोड़ रुपये निवेश करेंगी। औद्योगिक पार्क वर्तमान में 307 एकड़ से अधिक क्षेत्र में फैला हुआ है। इसमें वैश्विक और घरेलू कंपनियां अपनी औद्योगिक सुविधाएं स्थापित कर रही हैं। महिंद्रा लाइफस्पेस ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि उसकी अनुषंगी कंपनी महिंद्रा वर्ल्ड सिटी डेवलपर्स लिमिटेड (एमडब्ल्यूसीडीएल), सुमितोमो कॉरपोरेशन और महिंद्रा इंडस्ट्रियल पार्क चेन्नई लिमिटेड (एफआईपीसीएल) ने तमिलनाडु में मौजूदा औद्योगिक पार्क के विस्तार के लिए एक 'पूरक संयुक्त उद्यम समझौता' किया है। महिंद्रा इंडस्ट्रियल पार्क चेन्नई लिमिटेड (एफआईपीसीएल), एमडब्ल्यूसीडीएल की अनुषंगी कंपनी है। महिंद्रा लाइफस्पेस के पास एमडब्ल्यूसीडीएल में 89 प्रतिशत हिस्सेदारी है, जबकि तमिलनाडु औद्योगिक विकास निगम लिमिटेड (टीआईडीसीओ) के पास शेष 11 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इसके अलावा एमडब्ल्यूसीडीएल के पास एमआईपीसीएल में 60 प्रतिशत हिस्सेदारी है और शेष 40 प्रतिशत हिस्सेदारी सुमितोमो कॉरपोरेशन (जापान) के पास है। कंपनी सूचना के अनुसार संयुक्त उद्यम साझेदारों यानी एमआईपीसीएल के शेयरधारकों ने परियोजना के विकास के लिए करीब 225 करोड़ रुपये निवेश करने की प्रतिबद्धता जताई है। पूंजी निवेश संयुक्त उद्यम साझेदारों की मौजूदा शेयरधारिता के अनुसार उसी अनुपात में किया जाएगा। महिंद्रा लाइफस्पेस डेवलपर्स के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि महिंद्रा लाइफस्पेस में हम औद्योगिक संकुल और एकीकृत शहरों को विकसित करने पर गर्व महसूस करते हैं।

भारत में रक्षा क्षेत्र में बड़ा विस्तार: एमआरओ क्षेत्र में भारत की तैयारी, घरेलू कंपनियां वैश्विक एरोस्पेस दिग्गजों के साथ मिलकर काम करेंगी

नई दिल्ली। भारत का रक्षा रखरखाव, मरम्मत और ओवरहाल (एमआरओ) क्षेत्र में अगले पांच वर्षों में विस्तार के लिए तैयार है। इस क्षेत्र में विश्वस्तरीय एमआरओ केंद्र स्थापित करने के लिए घरेलू कंपनियां वैश्विक एरोस्पेस दिग्गजों के साथ मिलकर काम करेंगी। लॉकहीड मार्टिन और बोइंग जैसी कंपनियों के निवेश और टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड (टीएएसएल) और एआई इंजीनियरिंग सर्विसेज लिमिटेड (एआईईएसएल) जैसी भारतीय कंपनियों के साथ क्रियान्वयन में बड़ी सहायता मिलेगी। भारत को एक क्षेत्रीय सैन्य विमानन रखरखाव केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिए उद्योग और नीतिगत सुधारों के बल पर अगले पांच वर्षों के दौरान इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिलेगा। भारत में रक्षा प्लेटफॉर्मों की बढ़ती भागीदारी और वैश्विक रक्षा मूल उपकरण विर्माताओं (ओईएम) का समर्थन करने वाले स्थानीय आपूर्तिकर्ताओं को बढ़ावा मिलेगा। लॉकहीड मार्टिन के निदेशक निक स्मिथ ने इस क्षेत्र में अगले पांच वर्षों में भारत के लिए क्षेत्रीय स्थान साबित होने का दावा किया। एमआरओ क्षेत्र में होने वाले बड़े निवेश की उम्मीद है जो लाखों डॉलर का हो सकता है। भारत को राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन नीति 2016, एमआरओ दिशानिर्देश 2021 और जीएसटी दरों में परिवर्तन करने की जरूरत है ताकि विस्तार में कोई रूकावट न आए। इसमें जो चुनौतियां हैं, उन्हें दूर करके भारत एक गरिमामय रक्षा एमआरओ क्षेत्र बनाने की दिशा में बढ़-चढ़ कर बढ़ रहा है।

आईएसएल : ब्लास्टर्स के गढ़ में धावा बोलने को तैयार चेन्नइयन एफसी

कोच्चि

दक्षिण भारतीय प्रतिद्वंद्वियों के बीच रोमांच चरम पर होगा, जब केरला ब्लास्टर्स एफसी और चेन्नइयन एफसी रविवार शाम इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 मुकाबले के लिए यहां जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में भिड़ेंगी।

चेन्नइयन एफसी आठ मैचों में तीन जीत, तीन ड्रा और दो हार से 12 अंक लेकर तालिका में चौथे स्थान पर है। केरला ब्लास्टर्स एफसी आठ मैचों में दो जीत, दो ड्रा और चार हार से आठ अंक लेकर तालिका में 10वें स्थान पर है।

चेन्नइयन एफसी ने 16 गोल किए हैं, जो किसी भी सीजन में आठ मैचों के बाद उनका सबसे बड़ा स्कोर है। मरीना माचान्स ने प्रति मैच विपक्षी टीम के बॉक्स के अंदर औसतन 25.3 टच किए हैं।

चेन्नइयन एफसी ने फरवरी 2024 में केरला ब्लास्टर्स एफसी के खिलाफ पिछले मैच 1-0 से जीता था, जो कि ब्लास्टर्स के खिलाफ अपने पिछले सात मुकाबलों के बाद आई थी।

केरला ब्लास्टर्स ने अपने पिछले 15 घरेलू मैचों में से प्रत्येक में गोल किया है। आगामी मैच में एक गोल लीग के इतिहास में किसी भी टीम द्वारा घर पर सबसे लंबे समय तक गोल करने के बराबर होगा। केरला ब्लास्टर्स ने आईएसएल 2024-25 में सबसे अधिक पेनल्टी (5) गंवाई हैं, जबकि चेन्नइयन ने चार पेनल्टी दी हैं। केरला ब्लास्टर्स एफसी के स्वीडिश हेड कोच माइकल स्टाहरे ने कहा कि उनकी टीम को कुछ रक्षात्मक दिक्कतों को दुरुस्त करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, हमने काफी गोल (16) खाए हैं और हमें इस समस्या का समाधान खोजने की जरूरत है। अगर हमने बहुत सारे गोल-स्कोरिंग अवसर भी गंवाएं होते तो स्थिति और भी खराब होती। स्कॉटिश हेड कोच ओवेन कॉयल ने चेन्नइयन एफसी के समर्थकों के प्रति आभार व्यक्त किया जो केरला ब्लास्टर्स एफसी के खिलाफ मैच के लिए कोच्चि की यात्रा करेंगे।

उन्होंने कहा, केरला ब्लास्टर्स एफसी के खिलाफ अवे मैच के लिए कुछ सौ फैंस आएंगे। हम उनके आभारी हैं क्योंकि वे हर जगह हमारा समर्थन करते हैं। हम उनके चेहरों पर मुस्कान लाना चाहते हैं।

न्यूज ब्रीफ

भारत के खिलाफ एकदिनी श्रृंखला के लिए हीली को आराम, ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी करेंगी ताहलिया मैकग्राथ

नई दिल्ली। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने शनिवार को भारत के खिलाफ आगामी तीन एकदिवसीय मैचों की श्रृंखला के लिए टीम की घोषणा कर दी है। चोट के कारण कप्तान एलिसा हीली को आराम दिया गया है, उनकी अनुपस्थिति में ताहलिया मैकग्राथ टीम की कप्तानी करेंगी। हीली घुटने की चोट से उबर रही हैं, जो उन्हें महिला बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) मैच के दौरान लगी थी और उम्मीद है कि अगले महीने न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज के लिए वह फिट हो जाएंगी। अब तक साल का दूसरा भाग उनके लिए निराशाजनक रहा है, पैर की चोट के कारण वह आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2024 के दूसरे भाग में नहीं खेल पाई, क्योंकि उनकी टीम सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका से हार गई थी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के परफॉरमेंस हेड (महिला क्रिकेट) और राष्ट्रीय चयनकर्ता शॉन फ्लेगलर ने कहा, एलिसा हीली के भारत के खिलाफ सीरीज से बाहर होने का फैसला एशेज को ध्यान में रखते हुए लिया गया है, न्यूजीलैंड सीरीज के लिए उनकी उपलब्धता अगले कुछ हफ्तों में स्पष्ट हो जाएगी। उन्होंने कहा, ताहलिया मैकग्राथ ने विश्व कप के दौरान कठिन परिस्थितियों में कप्तान के रूप में प्रभावित किया और उन्हें ऐश गार्डनर से भी पूरा सहयोग मिलेगा, जो मैदान के अंदर और बाहर दोनों जगह एक मजबूत लीडर के रूप में उभरी हैं। अगले महीने से शुरू होने वाली तीन मैचों की सीरीज में ऑस्ट्रेलियाई टीम भारत से खेलेगी, क्योंकि वे अगले साल एशेज की तैयारी कर रहे हैं। यह सात महीने से अधिक समय में उनकी पहली सीरीज होगी, जबकि पिछली सीरीज अप्रैल में बांग्लादेश के खिलाफ क्लीन स्वीप के साथ समाप्त हुई थी। इस बीच, 21 वर्षीय जॉर्जिया वोल को मौजूदा डब्ल्यूबीबीएल में अपने प्रभावशाली प्रदर्शन के बाद पहली बार टीम में शामिल किया गया।

बुंडेसलीगा : हैरी केन की हैट्रिक की बदौलत बायर्न म्यूनिख ने स्टबोर्न ऑग्सबर्ग को 3-0 से हराया

बर्लिन। हैरी केन की हैट्रिक की बदौलत बायर्न म्यूनिख ने शुक्रवार रात बुंडेसलीगा के 11वें दौर के पहले मैच में स्टबोर्न ऑग्सबर्ग पर 3-0 से जीत दर्ज की।बायर्न ने मैच में आक्रामकर शुरुआत की और 13वें मिनट में वह गोल के काफी करीब पहुंच गया था, लेकिन लियोन गोरेत्जका का एक बेहतरीन शॉट गोल पोस्ट के बगल से निकल गया, जबकि पांच मिनट बाद जोशुआ किमिच ने नजदीक से प्रयास किया, लेकिन उन्हें भी सफलता नहीं मिली। ऑग्सबर्ग का डिफेंस काफी अच्छा रहा और उन्होंने बायर्न के कई मौकों को असफल किया। गोलकीपर नेडिल्को लाब्रोविक ने 27वें मिनट में हैरी केन और जमाल मुसियाला के लगातार प्रयासों को विफल किया। मध्यांतर तक दोनों ही टीमें गोल करने में असफल रहीं। मैच के 63वें मिनट में मैड्स पेडरसन को हैंडबॉल के लिए दंडित किया गया और केन ने पेनल्टी को गोल में बदलकर बायर्न को 1-0 से आगे कर दिया। मेहमान टीम ने एक बार फिर बायर्न को अपनी बढ़त बढ़ाने में मदद की, जब केवन श्लोटरबेक को खेल के अंतिम क्षणों में केन को क्षेत्र में गिराने के बाद लाल कार्ड दिखाकर मैदान के बाहर भेज दिया गया। केन ने फिर से अपना संयम बनाए रखा और बेहतरीन गोल कर अपनी टीम को 2-0 से आगे कर दिया।

गेरार्डो मार्टिनो ने इंटर मियामी के मुख्य कोच पद से दिया इस्तीफा

नई दिल्ली। इंटर मियामी के मुख्य कोच गेरार्डो टाटा मार्टिनो ने व्यक्तिगत कारणों का हवाला देते हुए आधिकारिक तौर पर अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। 62 वर्षीय अर्जेंटीना के कोच ने अपने अनुबंध में एक साल शेष रहने के बावजूद अपने फैसले की घोषणा की, उन्होंने मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) की टीम के साथ एक साल से भी कम समय में सफलता की विरासत छोड़ी है। मार्टिनो ने एक भावपूर्ण बयान में कहा, ऐसे खास क्लब में काम करना और ऐसी खास टीम का नेतृत्व करना सम्मान की बात है। मैंने इंटर मियामी में अपने प्रवास का आनंद लिया और यहाँ बनी यादों और बनाए गए रिश्तों को अपने जीवन के बाकी हिस्सों में संजो कर रखूँगा। मैं यहाँ बिताए अपने समय के लिए केवल आभार के साथ विदा लेता हूँ और इसे संभव बनाने वाले सभी लोगों को दिल से धन्यवाद देना चाहता हूँ। मार्टिनो जून 2023 में इंटर मियामी में शामिल हुए, उस समय जब क्लब एमएलएस स्टैंडिंग के निचले पायदान पर था। उनके मार्गदर्शन में, इंटर मियामी ने 2023 लीग कप और 2024 सपोर्टर्स शील्ड जीती। मार्टिनो की सफलता की कुंजी लियोनेल मेसी का आगमन था, जो अर्जेंटीना और बार्सिलोना के कोच के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान उनके हमवतन और पूर्व खिलाड़ी थे। साथ मिलकर, उन्होंने टीम के प्रदर्शन को बढ़ाया, रिकॉर्ड बनाए और इंटर मियामी को अगले साल के फीफा क्लब विश्व कप में जगह दिलाई।

पर्थ टेस्ट

दूसरी पारी में भारत की मजबूत शुरुआत, यशस्वी-राहुल ने लगाया अर्धशतक, कुल बढत 218 रनों की हुई

यशस्वी जायसवाल शतक से 10 रन दूर

पर्थ

यहां पर्थ में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन दूसरी पारी में सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल ने भारत को शानदार शुरुआत दिलाई है। दोनों ने बेहतरीन अर्धशतकीय पारी खेलते हुए भारत को अच्छी स्थिति में पहुंचा दिया है। दिन का खेल खत्म होने पर भारत ने बिना किसी नुकसान के 172 रन बना लिये हैं। यशस्वी जायसवाल शतक से केवल 10 रन दूर हैं और 90 रन बनाकर नाबाद हैं, जबकि केएल राहुल ने भी शानदार अर्धशतक लगाते हुए 62 रन बनाकर नाबाद हैं। भारत की कुल बढ़त 218 रनों की हो गई है।

ऑस्ट्रेलिया को 104 रनों पर समेटने के बाद भारत को यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल ने शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों ने ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों को विकेट के लिए तरसा दिया। हालांकि पिच भी पहली पारी की अपेक्षा दूसरी पारी में सपाट दिखी, जिसका भारतीय बल्लेबाजों ने पूरा फायदा उठाया। अब तक दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 172 रनों की साझेदारी हो चुकी है।

भारत ने पहली पारी में बनाए 150 रन

इससे पहले मैच में भारतीय कप्तान जसप्रीत बुमराह ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। भारतीय बल्लेबाजों ने एक बार फिर निराश किया और पूरी टीम केवल 150 रनों पर सिमट गई। भारत की तरफ से नीतीश रेड्डी ने सर्वाधिक 41 रन बनाए। नीतीश के अलावा ऋषभ पंत ने 37 और केएल राहुल ने 26 रन बनाए।

ऑस्ट्रेलिया की तरफ से जोश हेजलवुड ने 4, मिचेल स्टॉर्क, पैट कमिंस और मिचेल मॉर्श ने 2-2 विकेट लिए।

ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 104 रनों पर सिमटी, भारत को 46 रन की बढ़त

इससे पहले जसप्रीत बुमराह के नेतृत्व में तेज गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारत ने ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी में 104 रनों पर समेट दिया है। बुमराह ने 5 विकेट लिए। इसी के साथ पहली पारी के आधार पर भारत को 46 रनों की बढ़त मिली गई है। भारतीय टीम पहली पारी में केवल 150 रनों पर सिमट गई थी। पहली पारी में ऑस्ट्रेलिया के लिए मिचेल स्टॉर्क ने सर्वाधिक 26 रन बनाए। स्टॉर्क के अलावा एलेक्स कैरी ने 21, ट्रैविस हेड ने 11 और मेकस्विनी ने 10 रन बनाए। भारत की तरफ से जसप्रीत बुमराह ने 5, हर्षित राणा ने 3 और मोहम्मद सिराज ने 2 विकेट लिए।

एफएमएससीआई भारतीय राष्ट्रीय रैली स्प्रिंट चैम्पियनशिप की मेजबानी करेगा गुवाहाटी

गुवाहाटी

दोपहिया वाहनों के लिए एफएमएससीआई इंडियन नेशनल रैली स्प्रिंट चैंपियनशिप (आईएनआरएससी) रविवार, 24 नवंबर 2024 को ईस्ट ज़ोन राउंड के लिए गुवाहाटी, असम में आयोजित की जाएगी। एनइएमए गुवाहाटी स्प्रिंट रैली नामक यह आयोजन, गुवाहाटी से 60 किलोमीटर दूर स्थित सुरम्य पीआरपी घाटी में होगा।

रबर के बागानों के बीच में आयोजित यह रैली पहाड़ी इलाकों से होकर चुनौतीपूर्ण सवारी का वादा करती है, जिसमें खड़ी चढ़ाई और अचानक ढलान होती है, जो इसे सवारों के लिए एक वास्तविक परीक्षा बनाती है। यह आयोजन आईएनआरएससी-2डब्ल्यू के लिए क्वालीफाइंग राउंड के अंतिम दौर को चिह्नित करता है, जो इसे राष्ट्रीय चैम्पियनशिप खिताब हासिल करने का लक्ष्य रखने वाले प्रतियोगियों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर बनाता है। इस रैली में पूर्वोत्तर भारत से लगभग 80 प्रतिभागियों के आने की उम्मीद है। राष्ट्रीय चैम्पियनशिप की 11 क्लासेस के अलावा, स्थानीय युवाओं के लिए एक अलग स्प्रिंट सपोर्ट रैली आयोजित की जाएगी, जिसमें आठ क्लासें होंगी, जिनमें से प्रत्येक को अपनी ट्रॉफी और पुरस्कार मिलेंगे। इस पहल का उद्देश्य युवा सवारों को रैली की दुनिया से परिचित कराना और उन्हें प्रतिस्पर्धी लेकिन सुलभ वातावरण में इस रोमांचक मोटरस्पोर्ट फॉर्म का अनुभव करने का मौका देना है। आईएनआरएससी के प्रमोटर फराद भथेना ने कहा, हम एफएमएससीआई इंडियन नेशनल रैली स्प्रिंट चैम्पियनशिप को पूर्वोत्तर और विशेष रूप से गुवाहाटी में लाने के लिए बेहद उत्साहित हैं, जो हमेशा से इस क्षेत्र में मोटरस्पोर्ट के प्रति उत्साही लोगों का केंद्र रहा है। यह राउंड सवारों के लिए एक रोमांचक चुनौती होने का वादा करता है, जिसमें अद्वितीय पहाड़ी इलाके और पीआरपी घाटी की अलग-अलग परिस्थितियाँ हैं।

लगातार तीन टी20 शतक लगाने वाले पहले खिलाड़ी बने तिलक वर्मा

राजकोट

भारत के बल्लेबाज तिलक वर्मा ने हैदराबाद के लिए मेघालय के खिलाफ सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के उद्घाटन मैच में अपने विस्फोटक शतक के बाद एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल कर ली है। वह पुरुष या महिला क्रिकेट में लगातार तीन टी 20 शतक लगाने वाले पहले क्रिकेटर बन गए हैं।

उन्होंने 2007 में शुरू हुए टूर्नामेंट के इतिहास में सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर भी दर्ज किया। मैच के दौरान तिलक ने सिर्फ 67 गेंदों में 14 चौकों और 10 छक्कों की मदद से 151 रन बनाए। उनके रन 225.37 के स्ट्राइक रेट से आए।

22 वर्षीय तिलक ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घर से बाहर लगातार दो शतक, सेंचुरियन में 107* और जोहान्सबर्ग में नाबाद 120* रन बनाकर टूर्नामेंट में प्रवेश किया। वह द्विपक्षीय श्रृंखला में प्लेयर ऑफ द सीरीज बने, उन्होंने चार मैचों में 140.00 की औसत और लगभग 199 के स्ट्राइक रेट से 280 रन बनाए। वह टी20 क्रिकेट में 150 से अधिक का स्कोर बनाने वाले पहले भारतीय पुरुष खिलाड़ी भी बने। महिला क्रिकेट में, महाराष्ट्र की ओर से खेल रही किरण नवगिरे ने 2022 में सीनियर महिला टी20 ट्रॉफी में नागालैंड की ओर से खेलते हुए अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ 162 रन

बनाए थे। तिलक ने तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए तेज गेंदबाज डिप्पू संगमा की 18 गेंदों में छह चौकों और तीन छक्कों की मदद से 50 रन बनाए। श्रेयस अय्यर ने एसएमएटी में पिछला सर्वोच्च स्कोर बनाया था, उन्होंने 2019 में सिक्किम के खिलाफ मुंबई के लिए 71 गेंदों में सात चौकों और 15 छक्कों की मदद से 147 रन बनाए थे। तिलक उन पांच खिलाड़ियों में से एक हैं जिन्हें मुंबई इंडियंस (एमआई) ने रविवार से सोमवार तक होने वाले 2025 सीजन के लिए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की मेगा नीलामी से पहले रिटेन किया है।

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए 26 नवंबर को आईसीसी की बैठक होने की संभावना

नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ओर से अगले साल (2025) फरवरी और मार्च के महीने में होने वाली आगामी आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी की तारीखों और स्थानों के लिए अगले सप्ताह एक आपात बैठक आयोजित करने की संभावना है।

बैठक मंगलवार (26 नवंबर) को होने की संभावना है, जहां बैठक का मुख्य उद्देश्य यह होगा कि क्या मार्की इवेंट पूरी तरह से पाकिस्तान में होगा या हाइब्रिड मॉडल में (जहां पाकिस्तान एक और देश के साथ टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा, जो अभी तय नहीं हुआ है)। बैठक तब निर्धारित की गई थी जब आईसीसी ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) को लिखित रूप से बताया था कि भारत चैंपियंस ट्रॉफी में भाग लेने के लिए पाकिस्तान की यात्रा नहीं करेगा, जो 2025 की शुरुआत में आयोजित की जाएगी। पीसीबी ने इस मुद्दे पर पाकिस्तान सरकार से परामर्श किया और अपना रुख पेश करना चाह रहा है।

हालांकि, पाकिस्तान बोर्ड ने कहा कि वे चाहते हैं कि भारत पाकिस्तान की यात्रा करे क्योंकि उनकी टीम 2023 में आईसीसी पुरुष वनडे विश्व कप के दौरान भी गई थी। पिछले साल, पाकिस्तान ने एशियाई ट्रॉफी की मेजबानी की थी, लेकिन यह एक हाइब्रिड मॉडल में आयोजित किया गया था, जिसमें भारत ने श्रीलंका में अपने मैच खेले थे।

भारत और पाकिस्तान ने अपनी आखिरी द्विपक्षीय श्रृंखला 2012-13 में भारत में खेली थी,

जो एक सफेद गेंद की श्रृंखला थी और अब ज्यादातर आईसीसी टूर्नामेंट और एशिया कप में खेलते हैं। दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण राजनीतिक संबंधों के कारण, भारत 2008 के बाद से पाकिस्तान की यात्रा नहीं कर रहा है, जब उन्होंने वहां एशिया कप खेला था।

कट्टर प्रतिद्वंद्वियों ने अपनी आखिरी द्विपक्षीय श्रृंखला 2012-13 में भारत में खेली थी, जो एक सफेद गेंद की श्रृंखला थी गौरतलब है कि पिछले साल पाकिस्तान ने एशिया कप की मेज़बानी की थी, लेकिन टूर्नामेंट हाइब्रिड मॉडल में आयोजित किया गया था। भारत ने अपने मैच श्रीलंका में खेले थे, जबकि बाकी मैच पाकिस्तान में आयोजित किए गए थे।

राष्ट्रीय जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए टीम की हुई घोषणा, संदीप यादव और कल्पना चौधरी होंगे कोच

लखनऊ

ओडिशा में होने वाले राष्ट्रीय जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए उप्र की टीम की घोषणा हो गयी है। नीरज कुमार की अध्यक्षता में एथलेटिक्स उत्तर प्रदेश की चयन समिति की घोषणा की गई। इन एथलीटों का चयन 15 से 18 सितंबर तक आयोजित हुए उप्र राज्य वार्षिक जूनियर एथेलेटिक्स चैंपियनशिप में किए गये प्रदर्शन के आधार पर की गयी।

इसके बाद इन खिलाड़ियों ने 10 से 12 अक्टूबर को दिल्ली में आयोजित 35वें नॉर्थ जोन जूनियर एथलेटिक्स के दौरान अच्छा प्रदर्शन किया था। इन टीमों के प्रमुख मैनेजर के तौर पर पीलीभीत के डोरी लाल शर्मा, मथुरा के जय सिंह, आगरा के गौरव और पीलीभीत की नीलिमा शर्मा होगी। वहीं कोच के रूप में संदीप यादव और कल्पना चौधरी रहेंगी। वहीं कप्तानी बागपत के लक्ष्य और बहराइच की डाली शर्मा करेंगी।

अंडर 20 पुरुष वर्ग में लक्ष्य (100 मी. एवं 200 मी.) हिमांशु राठी (800 मी.) समीर अब्बासी (ट्रिपल जंप) (सभी बागपत से) संजीव का चयन हुआ है। कुमार सिंह (100 मीटर) 6बहराइच8 जय शिव (200 मीटर) 6अलीगढ़8 उमर सैफी (400 मीटर) दीपांशु शर्मा (भाला फेंक) थ्रो) 6दोनों गाजियाबाद से8 रॉबिन सैनी (400 मीटर) अंशुल बंसल (800 मीटर) अभिजीत तेवतिया (डिस्कस थ्रो) 6सभी मेरठ से 8 रितिक देवल (1500 मी.) 6शामली 8 अभिनव सिंह (1500 मी.) 6जौनपुर 8 राहुल मौर्य (300 मी.)6संभल8 इंद्रजीत (5000 मीटर) 6अमेठी8 दिव्यांशु कुमार (5000 मीटर व 10,000 मीटर) 6सीतापुर8 शैलेश कुशवाहा(10000 मी.), सूरज कुमार पटेल (पोल वॉल्ट) अयाज़ खान (हैमर थ्रो) 6सभी प्रयागराज से8 अभिनव सिंह (110 मी. बाधा दौड़) 6फ़िरोज़ाबाद8 रोहित कुमार और संग्राम सिंह (दोनों 400 मी. बाधा दौड़ में) अनुपम (3000 मी.) स्टीपलचेज़) सचिन गुर्जर (ट्रिपल जंप) अनुज कुमार (शॉट पुट) और तुषार गिरी (10000 मीटर रेस वॉक) 6सभी आगरा से 8कुलदीप कुमार (पोल वॉल्ट) हर्षित कुमार (हैमर थ्रो) 6दोनोंअमरोहा से8 मो. तौसीफ(लंबी कूद) और दिलशाद अली (लंबी कूद) 6दोनों प्रतापगढ़ से8 आकाश यादव (शॉट पुट), अंकित कुमार सिंह (3000 मीटर स्टीपलचेज़) 6दोनों वाराणसी से8 हरीश कुमार (डिस्कस थ्रो) 6मथुरा8 रोहन यादव (भाला फेंक) थ्रो) 6मिर्जापुर8 ईशु यादव (10000 मी. रेस वॉक) 6इटावा8 ब्रिजेश यादव (डेकाथलॉन) 6शाहजहांपुर8, प्रियांशु (डेकाथलॉन) 6बागपत8 होंगे। अंडर- 20 महिला वर्ग में डॉली शर्मा (100 मीटर और 200 मीटर) 6बहराइच8 मिनाक्षी कुमारी (100 मीटर) 6इटावा8 रिंकी पाल (200 मीटर) 6यूपी पुलिस एससीबी8 रोशनी यादव (400 मीटर) 6वाराणसी8 प्रतीक्षा यादव (800 मीटर) और ऋषिका अवस्थी (ट्रिपल जंप) 6दोनों लखनऊ से 8 विनीता गुर्जर (800 मीटर और 1500 मीटर) 6मुरादाबाद 8 नीता रानी (3000 मीटर और 5000 मीटर) अंजू (लंबी) कूद) 6सभी बुलन्दशहर से8 सुनीता देवी (3000 मीटर और 5000 मीटर) 6यूपीएए - कौशांबी8 अंजलि पटेल (3000 मीटर) का चयन हुआ है। इसी तरह अन्य वर्गो में भी सौ से ज्यादा एथलेटिक्स राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे।

ब्रेड और कॉर्न खाने वाले हो जाएं सावधान

सुबह के नाश्ते में अधिकतर लोग ब्रेड, कार्न फ्लेक्स और कई तले-भुने पदार्थों का सेवन करते हैं लेकिन यही पदार्थ फेफड़ों के कैंसर का रोगी बना सकते हैं जिसका खुलासा एक नए शोध में हुआ है। व्हाइट ब्रेड, कार्न फ्लेक्स और तले-भुने चावल जैसे ग्लाइसेमिक इंडेक्स युक्त भोजन और पेय पदार्थ फेफड़ों के कैंसर के विकास को बढ़ा सकते हैं।

ग्लाइसेमिक सूचकांक और ग्लाइसेमिक इंडेक्स (जीआई) एक संख्या है जो एक विशेष प्रकार के भोजन से संबंधित है। यह व्यक्ति के रक्त में ग्लूकोज के स्तर पर भोजन के प्रभाव को संकेत करता है। गोरी त्वचा, हल्के रंग के बालों और नीली, हरे, रंग की आंखों वाले लोगों में यह एससीसी विकसित होने का सबसे ज्यादा खतरा होता है। शोधकर्ताओं ने अध्ययन में 1 हजार 905 रोगियों को शामिल किया था, जिन्हें हाल ही में फेफड़ों के कैंसर की शिकायत हुई थी। इसके साथ ही 2 हजार 413 स्वस्थ व्यक्तियों का भी सर्वेक्षण किया गया था। इस दौरान प्रतिभागियों ने अपनी पिछली आहार की आदतों और स्वास्थ्य इतिहास की जानकारी दी।

शोध के दौरान प्रतिदिन जीआई युक्त भोजन करने वालों में जीआई भोजन न करने वालों की तुलना में फेफड़ों के कैंसर का 49 प्रतिशत जोखिम देखा गया। आश्चर्य तौर पर कार्बोहाइड्रेट की सीमा मापने वाले ग्लाइसेमिक लोड (जीएल) का फेफड़ों के कैंसर से कोई महत्वपूर्ण संबंध नहीं मिला। शोधार्थियों का कहना है कि तंबाकू और धूम्रपान का सेवन न करने वालों में भी फेफड़ों के कैंसर के लक्षण मिले हैं जिससे पता चलता है कि आहार के कारक भी फेफड़ों के कैंसर जोखिमों से संबंधत हो सकते हैं।

ज्यादा नारियल पानी से हो सकता है हार्ट अटैक

नारियल पानी पीने के यूं तो कई फायदे हैं। लेकिन गर्मी में डिहाइड्रेशन से बचने के लिए रोजाना दो गिलास से अधिक नारियल पानी लेना सेहत के लिए नुकसानदेह हो सकता है।

पानी की कमी पूरी करने के लिए केवल नारियल पानी पर निर्भर रहना सही नहीं है। इसमें मौजूद पोटैशियम शरीर में जाकर इस तत्व को सामान्य से अधिक कर देता है। जिससे खासकर किडनी व हृदय से जुड़ी समस्याएं बढ़ जाती हैं। पोटैशियम शरीर के लिए जरूरी इलेक्ट्रोलाइट है। सामान्य रूप से व्यक्ति को रोजाना 4700 मिग्रा पोटैशियम की जरूरत होती है। 250 मिली. नारियल पानी में 600 मिग्रा. पोटैशियम होता है। यह शरीर की तंत्रिकाओं, मांसपेशियों और हृदय के सुचारू कार्य करने के लिए जरूरी है।

इन बातों का ध्यान रहे

कई बार हीट स्ट्रोक, डिहाइड्रेशन और डायरिया के पेशेंट्स शरीर में इलेक्ट्रोलाइट और पानी की कमी को पूरा करने के लिए दिन में कई बार नारियल पानी का सहारा लेते हैं। लेकिन दिनभर में दो गिलास (500 एमएल) से अधिक यह पानी नहीं पीना चाहिए। हार्ट फेल्योर के बढ़ते चांस किडनी शरीर में मौजूद जरूरत से ज्यादा पोटैशियम को बाहर निकालती है। लेकिन इसके मरीजों में इसकी अधिक मात्रा बाहर नहीं निकल पाती और किडनी फैल्योर की आशंका बढ़ जाती है।

इसके अलावा पोटैशियम की अधिकता से हृदय की मांसपेशियां कमजोर होने लगती हैं जिससे धड़कनें अनियमित हो जाती हैं जिससे हार्ट फेल्योर के चांस भी बढ़ते हैं। इतना है जरूरी शरीर में पानी की कमी को फल व सलाद से पूरी कर सकते हैं। ये विटामिन और मिनरल तत्व का अच्छा स्त्रोत होते हैं।

कच्चे पपीते की ड्रिंक दूर भगाए गठिया का दर्द

पैर की उंगलियों, घुटनों और एडी में गस के दर्द होता है तो समझिए कि खून में यूरिक एसिड की मात्रा बढ़ गई है। जब यूरिक एसिड क्रिस्टल के रूप में हमारे हाथ और पैरों के जोड़ों में जम जाता है तो उसे गाउट की बीमारी बोलते हैं। हांलाकि इस समस्या से बचने के लिए एक ड्रिंक जो कि कच्चे पपीते और पानी से तैयार की जाती है, जिसको दिनभर पीने से गाउट के दर्द में धीरे - धीरे आराम मिल जाता है।

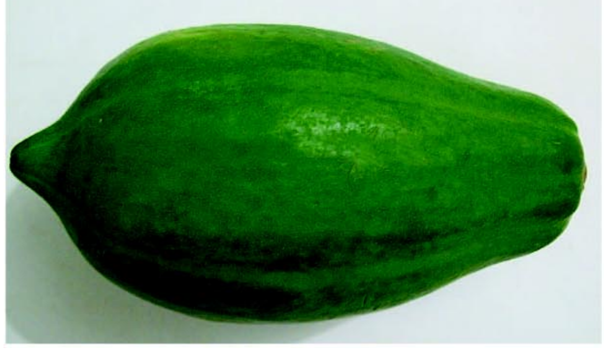

वायु प्रदूषण से बच्चों को एलर्जी का खतरा

बढ़ता प्रदूषण हर दिन जीवन लिए खतरा बनता जा रहा है। एक शोध में बताया गया है जीवन के पहले एक साल तक बाह्य वायु प्रदूषण के संपर्क में आने से भोजन, मिट्टी, पालतू जानवरों और कीटों से एलर्जी होने का खतरा ज्यादा होता है। शोध के परिणाम दर्शाते हैं कि शैशवावस्था के दौरान यातायात संबंधी वायु प्रदूषण के संपर्क में आने से बच्चे एलर्जी के कारकों के प्रति संवेदनशील हो सकते हैं।

ब्रोकली खाने से नहीं होगी ये बीमारी

एक नए अध्ययन में दावा किया गया है कि एक सप्ताह में तीन या चार बार ब्रॉकली खाने से टाइप 2 मधुमेह, हृदय रोग, अस्थमा और कई तरह के कैंसर के पनपने का खतरा कम हो सकता है। ऐसे जीन्स की पहचान की गई है, जो ब्रोकली में फीनोलिक यौगिकों के जमाव को नियंत्रित करते हैं। जिन लोगों के आहार में इन यौगिकों की एक तय मात्रा होगी, उन्हें इन बीमारियों की चपेट में आने का खतरा कम होगा।

कैसे रहेगी ताजगी बरकरार

अक्सर हम सब्जियां खरीद कर उन्हें फ्रिज और किचन की टोकरी में रख देते हैं। कुछ चीजों की जगह तो जैसे फिक्स-सी हो गई है। आलू, प्याज जैसी सब्जियों के लिए किचन की टोकरी, तो नींबू, टमाटर और दूसरी सब्जियां फ्रिज की टोकरी में रख दी जाती हैं। यह सोचे बिना कि कौन-सी सब्जी कहां स्टोर करनी चाहिए। लेकिन क्या आप जानते हैं, अगर सब्जियों को देखकर उन्हें सही जगह स्टोर किया जाए, तो वह लंबे समय ताज़ा बनी रहती हैं। आइए जानें ऐसी ही कुछ जरूरी बातें, जो आपकी सब्जियों को बनाए रखेंगी कई दिनों तक फ्रेश।

प्याज

अक्सर लोग प्याज लाने के बाद उसे पॉलीथीन में ही रख देते हैं, लेकिन ऐसा नहीं करना चाहिए। ऑक्सीजन की कमी उसकी लाइफ को कम कर देती है। प्याज को अंधेरी, सूखी और ठंडी जगह पर रखा जाए, तो वह लंबे समय तक ठीक रहती हैं, लेकिन ज़्यादा ठंडी जगह पर नहीं रखना चाहिए। इन्हें अखबार में या फिर कागज के बैग में छोटे-छोटे छेद करके लपेट देना चाहिए। दूसरी बात जो ध्यान रखनी चाहिए, आलू और प्याज को कभी भी एक साथ स्टोर नहीं करना चाहिए क्योंकि आलू में से जो गैस निकलती है वह प्याज को खराब कर सकता है।

नींबू

अक्सर सभी घरों में नींबू काफी तेजी से इस्तेमाल और पसंद किए जाते हैं। अक्सर लोगों को सवाल होता है कि इन्हें लंबे समय तक जूसी और ताज़ा कैसे रखा जा सकता है? तो आपको बता दें कि नींबू को सिर्फ रेफ्रिजरेटर में ऐसे ही न रखें। इन्हें ज़िप लॉक में रखकर टाइट बंद कर दें। इन्हें काउंटर पर खुला छोड़ने से परहेज करें। ऐसा करने से नींबू का रस सूख जाता है। वहीं, कुछ लोगों का कहना है कि नींबूओं की नमी बरकरार रखने के लिए इन्हें पानी में डालकर छोड़ दें।

केला

केलों को सड़ने से बचाने का सबसे आसान तरीका है, उसके क्राउन (केले का ऊपरी भाग, जहां उसकी जड़े मिलती हैं) को प्लास्टिक से लपेट कर रख दें। केले में से इथाइलीन नामक गैस निकलती है, जो कि फलों को पकाती है। इसकी जड़ को प्लास्टिक बैग से लपेटकर, उसमें पैदा होने वाली गैस को बचे हुए भाग तक पहुंचने से बचाया जा सकता है। इसकी ज़्यादातर गैस जड़ों के माध्यम से ही निकलती है। आप सही केलों को गुच्छे से अलग करके पके हुए केलों को अलग कर सकते हैं क्योंकि पके हुए केले ज्यादा गैस रिलीज़ करते हैं। इसके अलावा, जड़ों को एक साथ अलग न करें, इससे भी केले जल्दी ब्राउन होते हैं।

टमाटर

टमाटर को स्टोर करने से पहले हमें इस बात को जान लेना चाहिए कि उन्हें ठंडी जगह पर रखना चाहिए या नहीं। हम में से बहुत से लोग सोचते हैं कि फलों और सब्जियों को खराब होने से बचाने के लिए सबसे अच्छा तरीका है उन्हें रेफ्रिजरेटर में रख देना, लेकिन यह फॉर्मुला हर बार काम नहीं करता। बिना पके टमाटरों को कमरे के तापमान पर ही रखा जाना चाहिए, ताकि वह ज्यादा जूसी और टेस्टी बन जाएं। ज़्यादा तापमान में वह अपना फ्लेवर खो देते हैं। सिर्फ पूरे पके हुए टमाटरों को ही प्लास्टिक बैग में करके फ्रिज में रखा जा सकता है लेकिन ध्यान रखें कि उन्हें इस्तेमाल करने के आधे घंटे पहले ही उन्हें फ्रिज से निकाल कर कमरे के तापमान पर ले आएं।

आलू

लगभग हर घर की किचन में दिखने वाला आलू, काफी बहुमुखी होता है। लेकिन जब हम इन्हें अंकुरित देखते हैं, तो बहुत बुरा लगता है। इन्हें फ्रिज में रखने की जरूरत नहीं होती। बस, इन्हें जाली वाले बैग में रख दें। अगर आप इन्हें ठंडी जगह पर स्टोर कर देंगे, तो इनमें उपस्थित स्टार्च शुगर में बदलने लगता है, जिससे आपके खाने का स्वाद खराब हो जाता है। इन्हें रोशनी में बाहर निकाल कर ही रखें और आलूओं को कभी भी धोकर स्टोर न करें क्योंकि नमी से आलू खराब हो जाते हैं।

मसाले

जीरा, धनिया, गरम मसाला, हल्दी, काली मिर्च, दालचीनी- ये कुछ ऐसे मसाले हैं, जिन्हें किचन में रखने के बाद देखने की जरूरत पड़ती है। अक्सर, हम इन्हें महत्वपूर्ण नहीं समझते और किचन के कैबिनेट में रखकर भूल जाते हैं। उन मसालों को इस्तेमाल करने से बचें, जिनकी टेस्ट और खुशबू खत्म हो चुकी हो। रोशनी, हवा, गर्मी और नमी मसालों के दुश्मन हैं। आप इन्हें टिन के जार में स्टोर कर सकते हैं लेकिन ध्यान रखें कि डिब्बे टाइट बंद हो और उन्हें गैस से दूर रखें।

पनीर

पनीर अक्सर सभी लोगों का फेवरिट होता है इसे प्लास्टिक बैग में लपेट के इसके टेस्ट को खराब नहीं करना चाहिए। इसे स्टोर करते समय ध्यान रखना चाहिए कि यह आसानी से सांस ले सके और सूखे नहीं। इन्हें स्टोर करने का सबसे अच्छा तरीका है पार्चमंट पेपर। यही नहीं, आप इन्हें सुरक्षित रखने के लिए टेप का इस्तेमाल भी कर सकते हैं। इसे न ज्यादा टाइट बंद करना है और न ही ज्यादा ढीला। प्लास्टिक के अलावा, आप इसे एल्यूमीनियम फॉइल पेपर में लपेट सकते हैं। लंबे समय तक ताज़गी बनाए रखने के लिए जब भी आप इसे खोलें, तो कोशिश करें फिर से नए फॉइल में ही लपेटें। इसके साथ ही, अगर आप फ्रिज में पनीर रख रहे हैं, तो ध्यान रहे कि पनीर फ्रिज के नीचे वाले भाग में ही रखें। साथ ही, पनीर को फ्रिजर में रखने से उसकी नरमी खत्म हो जाती है। पनीर के कटे हुए किनारों को टूटने से बचाने के लिए उसके किनारों पर जैतून का तेल और कनोला तेल लगाया जा सकता है।

किचन में शामिल करें ये जड़ी-बूटी

जब भी हम खाना खाने टेबल पर बैठते हैं, तो खाने का स्वाद ही हमारी भूख को संतुष्ट कर पाता है। सिर्फ इसी वजह से कुछ मास्टर्स अपनी डिश बनाने और उसे एक नया स्वाद देने के लिए मसालों से लेकर जड़ी-बूटी और कई चीजों का इस्तेमाल कर रहे हैं। आयुर्वेदिक कुकिंग में स्वाद बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसमें इस बात का भी ध्यान रखा जाता है कि खाने को सिर्फ स्वादिष्ट ही नहीं बने, बल्कि उसमें सभी सामग्री को एक साथ डालकर, किस प्रकार स्वास्थ्य को फायदा पहुंचाया जाए। हर

सामग्री का अपना एक अलग गुण होता है, जिसके इस्तेमाल से आप शरीर को लाभ पहुंचा सकते हैं।

जड़ी-बूटी, एक तरह से स्वाद को निखारने और मजेदार बनाने के लिए इस्तेमाल में लाई जाती हैं। अगर यह जड़ी-बूटी किचन में देखने को मिले, तो शायद ही कोई कुक ऐसा होगा जो, मामूली डिश को ज़ायकेदार बनाने से चूकेगा। यह ऐसी जड़ी-बूटी हैं, जो खाने में जान डाल देने वाली हैं। आप इन्हें कई तरह से अपने खाने में शामिल कर सकते हैं। जैसे स्प्रिग (टहनी) को काटकर आप एक सामग्री की तरह इस्तेमाल कर सकते हैं या पास्ता में डाल सकते हैं। इसके अलावा आप इससे करी और मिश्रण भी तैयार कर सकते हैं। तो चलिए आपको बताते हैं कुछ आयुर्वेदिक जड़ी-बूटी, जिनके इस्तेमाल से आप अपने खाने को एक नया स्वाद देने के साथ शरीर को स्वास्थ्य संबंधित कई फायदे दे सकते हैं। आइए बताते हैं इन्हें आप किस तरह अपने किचन में प्रयोग में ला सकते हैं।

कढ़ी पत्ता

साउथ इंडियन क्यूज़ीन की शान कढ़ी पत्ता सबसे ज़्यादा तीखे मीट, फ्राइड खाना समेत सांभर, रसम, उपमा, डोसा के भरावन मिश्रण और चटनी बनाने में इस्तेमाल किया जाता है। कई लोग तो इसे दाल में तड़का लगाने में भी शामिल करते हैं। इसका तीखा स्वाद, भारतीय मसालों के अलावा काली मिर्च के साथ बहुत बढ़िया होता है। खाना बनाते समय तेल में तड़का लगाने के लिए इसकी महक ही काफी होती है।

तेजपत्ता

इस खुशबूदार पत्ते में कई आरोग्य गुण होते हैं। रसोई में यह दाल, करी, बिरयानी, राजमा और छोले के स्वाद को बढ़ाने के लिए प्रयोग में लाया जाता है। यह सूखा होता है। डिश में इसका हल्का स्वाद देने के लिए आप एक घंटे के लिए खाने को हल्की आंच पर रखकर छोड़ सकते हैं। यह खाया नहीं जाता, इसलिए डिश के बन जाने के बाद इसे निकालकर फेंक दिया जाता है। मार्किट में इसकी ताज़ा पत्तियां भी उपलब्ध हैं। ऐसा कहा जाता है कि रात में ताजे तेजपत्ता को पानी में भिगोकर रखने और सुबह उसी पानी का सेवन करने से ब्लड शुगर लेवल पर नियंत्रण रखा जा सकता है।

पुदीना

पुदीना या मिंट अक्सर सभी के रसोईघर में मौजूद होता है। यह सिर्फ एक मेडिकल गुण रखने वाला ही नहीं, बल्कि डिश को अच्छा स्वाद देने के लिए भी इस्तेमाल किया जाता है। भारतीय घरों में पुदीना चटनी, ज्यादातर सभी तरह के खाने के साथ परोसी जाती है। कई बार मिंट का ताज़ा स्वाद गर्मियों में जूस और ड्रिंक्स में भी शामिल किया जाता है। पुदीना, पाचन क्रिया को सही कर, खांसी, ज़ुखाम, शरीर के दर्द और थकान को ठीक करने में मदद करता है।

होली बासिल (तुलसी)

स्टिर फ्राई खाने को हल्का तीखा स्वाद देने के लिए आप इसका इस्तेमाल कर सकते हैं।

साइड इफेक्ट से बचाता है आड़ू

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाला आड़ू पेट और लिवर को भी दुरुस्त रखता है। इसमें मौजूद बीटा कैरोटिन विटामिन-ए का निर्माण करता है जो रेटिना को स्वस्थ रखने के साथ आंखों की रोशनी भी बढ़ाता है। शरीर से विषैले तत्वों को बाहर निकालकर रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाला आड़ू पेट और लिवर को भी दुरुस्त रखता है। इसमें मौजूद बीटा कैरोटिन विटामिन-ए का निर्माण करता है जो रेटिना को स्वस्थ रखने के साथ आंखों की रोशनी भी बढ़ाता है। यह एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है जो ब्रेस्ट कैंसर की आशंका को कम करने के साथ कीमोथैरेपी के साइड इफेक्ट से भी बचाता है। एनीमिया के रोगियों के लिए यह फायदेमंद है।

न्यूट्रीशन इंडेक्स

175 ग्राम आड़ू लगभग 68 कैलोरी ऊर्जा प्रदान करता है। इसमें 10 प्रतिशत कार्बोहाइड्रेट और 6 फीसदी फाइबर होता है। साथ ही इसमें 11 फीसदी विटामिन-ए और 19 फीसदी विटामिन-सी होता है। आड़ू में बहुत कम फैट (1 प्रतिशत) होता है इसलिए डाइटिंग करने वालों के लिए यह अच्छा होता है। इसमें कैल्शियम, पोटैशियम व आयरन तत्व होते हैं।

कितनी मात्रा जरूरी

प्रतिदिन 2-3 आड़ू खाए जा सकते हैं।

ध्यान रखें...

इसे दूसरे फलों के साथ मिलाकर न खाएं। भोजन के तुरंत बाद खाने की बजाए इसे आधे घंटे बाद खाएं।

इनके लिए मनाही

जिन्हें एलर्जी और शरीर में सूजन की समस्या हो वे इसे खाने से पहले डॉक्टरी सलाह लें।

रेसिपी

चोको चिप केक

सामग्री

वनीला एसन्स 1 टेबल स्पून, दूध 2/3 कप, चीनी 1 कप, मैदा 1 + 1/4 कप, अंडे 3, बेकिंग सोडा 1 + 1/4 टेबल स्पून, मक्खन 150 ग्राम, चोको चिप 1 कप।

विधि

चीनी और मक्खन को किसी बड़े बाउल में निकालकर अच्छी तरह से तब तक फेंटे जब तक मक्खन चीनी के साथ अच्छे से मिल नहीं जाता (फेंटने के लिए आप मिक्सर का उपयोग कर सकते है)। अंडों को फोड़कर मिक्सर में 1 मिनट तक फेंटना है। अंडे दुगने लगने लगेंगे। एक छलनी मे मैदा और बेकिंग सोडा डाल कर छान लीजिये, ताकि इसमें हवा भर जाए। अंडों को चीनी वाले घोल के साथ अच्छे से फेट लीजिए। इसके बाद वनीला एसेंस चीनी वाले घोल में डाल दे। उसके बाद दूध डाल दीजिये और अच्छी तरह फेट लीजिए। इसमें मैदा डाल कर अच्छी तरह से फिर से फेट लीजिए। केक को बर्तन में डालने से पहले उस बर्तन में चारों तरफ तेल या घी लगा ले, उपर से एक छोटी चम्मच मैदा चारो तरफ डाल दीजिये। फिर मैदा के घोल को केक बनाने वाले बर्तन मे डाल दीजिए और उपर से चोको चिप डाल दीजिए। ध्यान रहे इसे चम्मच से दबाना नहीं है बर्तन को हिला-हिला कर केक के पेस्ट को एक समान कर लीजिए। माइक्रोवेव में 20 मिनट टाइम सेट कर दीजिए या ओवन मे 180 डिग्री पर प्री हीट कर लीजिए और 20 से 25 मिनट पर पकने दीजिए। केक मे चाकू डाल कर देख लीजिए केक चाकू से चिपक तो नहीं रहा। केक बनकर तैयार है।

बसंती हलवा

सामग्री

2 कप कसा हुआ कद्दू, 1 कप दूध, 200 ग्राम खोया, 1/2 कप चीनी, 1/2 कप मेवा (बादाम, किशमिश, काजू), 1/2 टी स्पून इलायची पाउडर, 1 चुटकी केसर, 1 टे.स्पून देसी घी।

सजाने के लिए: चांदी का वर्क, 1/2 कप सूखा नारियल (कसा हुआ)।

विधि

कद्दू को छीलकर धो लें और कद्दूकस करके पानी डालकर उबाल लें। ठंडा होने पर हाथों से निचोड़कर सारा पानी निकाल दें। कड़ाही में घी डालकर उसमें कद्दू डालकर धीमी आंच पर भून लें। दूध में खोया और केसर डालकर अच्छी तरह मिलाएं और कड़ाही में डाल दें। जब दूध हलवे में अच्छी तरह मिल जाए, तब उसमें चीनी, इलायची पाउडर और मेवे डालकर 15 मिनट तक चलाये, गर्मागर्म बसंती हलवा चांदी के वर्क और सूखे नारियल से सजाकर सर्व करें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 • कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम • फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)